THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 230 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.11 2080 बुधवार, 8 नवंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कोठी खरीदने वालों को भी
कोठी नहीं खरीदने वालों को भी

याद रहेगी ये दिवाली
10 लाख
के फायदे वाली

FIXED PRICE

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

80% SOLD OUT

BOOKING AMOUNT 10%

20% UNITS LEFT

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

ऐसे कैसे चलेगा ? सब पेपर पर ही चल रहा

राजनीति बंद कीजिए; आखिर किस बात को लेकर आप सरकार पर बरसा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और पराली जलाने की घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है और पंजाब सरकार को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि दिल्ली में साल दर साल ये नहीं हो सकता। सब कुछ पेपर पर ही चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय किशन कौल ने कि उन्होंने खुद देखा है कि पंजाब में सड़क के दोनों तरफ पराली जलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को रोकने के लिए राज्यों के द्वारा राजनीति नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों को प्रदूषण को कम करने के लिए एक साथ आने की जरूरत है। पब्लिक को स्वस्थ हवा में सांस लेने का हक है और स्वस्थ हवा प्रदान करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है।

पंजाब सरकार को फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये राजनीतिक लड़ाई का मैदान नहीं है। राजनैतिक ब्लेम गेम को रोकें। ये लोगों की हेल्थ की हत्या के समान है। आप इस मामले को दूसरों पर नहीं थोप सकते। आप पराली जलाने को क्यों नहीं रोक पाते। दरअसल, पंजाब सरकार के वकील ने कहा था कि पंजाब में 40 फीसदी पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है। हम कदम उठा रहे हैं। इसके बाद जस्टिस एस के कौल ने कहा कि प्रदूषण पर राजनीतिक लड़ाई नहीं हो सकती। केंद्र और राज्य में कौन सत्ता में है, इसके आधार पर लोगों पर बोझ पड़ता है। आप देख रहे हैं कि छोटे बच्चे किन स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट पंजाब सरकार पर सख्त होते हुए कहा कि हम नहीं जानते आप कैसे करेंगे। पर इसे तत्काल रोकिए। रोक लगाइये। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि – पराली जलाने की घटना बंद हो। यहां हर कोई एक्सपर्ट है लेकिन समाधान किसी के पास नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पराली जलाया जाना प्रदूषण की मुख्य वजह है। दूसरा वाहनों की वजह से होने वाला प्रदूषण है। वहीं, इस मामले पर सुनवाई के दौरान एमिकस वकील अपराजिता सिंह ने कहा सीएक्यूएम कह रहा था कि वह जनवरी से पराली को लेकर निगरानी कर रहा है कि पराली ना जलाई जाए। उसके बाद भी बड़ी तादात में पराली जलाई जा रही है। सीएक्यूएम वकील अपराजिता सिंह ने कहा मुख्य मुद्दा चीजों को ज़मीन पर उतारने का है।

एमिकस वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि प्रदूषण से निपटने के लिए आईआईटी द्वारा दिए गए सुझाव को व्यापक तरीके से लागू किए जाने की जरूरत है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट में एमिकस ने कहा प्रदूषण को रोकने के लिये सभी राज्य सरकारो के सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही आदेश जारी कर रखा है। लिहाजा आज कोई राज्य ये नही कह सकता है कि उनके पास आदेश नही है। सबसे ज्यादा जरूरी है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदूषण को रोकने के लिए बनाए गए नियमो को सख्ती से लागू करना और उसका पालन होते हुए दिखना चाहिए।

भारत में कोविड-19 के पांच नए मामले सामने आए

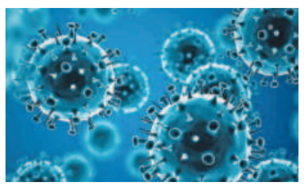

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के पांच नए मामले सामने आए और उपचाराधीन मरीजों की संख्या 180 दर्ज की गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, मृतकों की संख्या 5,33,294 दर्ज की गयी है। देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 4.50 करोड़ (4,50,01,397) है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,67,923 हो गयी है तथा स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98।81 प्रतिशत है। कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत टीकों की 220.67 करोड़ खुराक दी जा चुकी है।

जातिगत सर्वे में सामने आए आर्थिक आंकड़े सवर्णों में भूमिहार सबसे गरीब, ब्राह्मण दूसरे नंबर पर

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जातिगत आधार पर हुए सर्वे में विधायकों को सामाजिक और आर्थिक स्थिति का आंकड़ा दिया गया है। इसे 2 बजे विधानसभा में पेश किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, सामान्य वर्ग यानी सवर्णों में सबसे ज्यादा गरीबी भूमिहारों में है। बिहार में 27.58 प्रतिशत भूमिहार आर्थिक रूप से गरीब हैं। उनके कुल परिवारों की संख्या 8 लाख 38 हजार 447 है, जिनमें 2 लाख 31 हजार 211 परिवार गरीब हैं। गरीबी के मामले में दूसरे नंबर पर ब्राह्मण हिन्दू सवर्णों में गरीबी के मामले में ब्राह्मण दूसरे नंबर पर हैं। सरकार के मुताबिक, 25.32 प्रतिशत ब्राह्मण परिवार गरीब हैं। बिहार में ब्राह्मण जाति के कुल 10 लाख 76 हजार 563 परिवार हैं। इनमें से 2 लाख 72 हजार 576 परिवार गरीब हैं।

तीसरे नंबर पर राजपूत

सामान्य वर्ग में गरीबी के मामले में तीसरे नंबर पर राजपूतों की संख्या है। जातीय गणना की रिपोर्ट के मुताबिक राजपूतों में 24.89 प्रतिशत आबादी गरीब है। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार में राजपूतो के 9 लाख 53 हजार 447 परिवार हैं, जिनमें 2 लाख 37 हजार 412 परिवार को गरीब माना गया है।

कायस्थ सबसे ज्यादा संपन्न

कायस्थों को सबसे ज्यादा संपन्न बताया गया है। सरकार के अनुसार, बिहार में कायस्थों के सिर्फ 13.83 परसेंट लोग ही गरीब हैं। बिहार में कायस्थों के कुल परिवारों की संख्या 1 लाख 70 हजार 985 है। इसमें 23 हजार 639 परिवार ही गरीब हैं।

सवर्ण मानी जाने वाली तीन मुस्लिम जातियों का भी लेखा-जोखा

सरकार ने मुसलमानों में सवर्ण माने जाने वाली तीन मुस्लिम जातियों शेख, पठान और सैयद का भी आर्थिक लेखा जोखा दिया है। सरकार के मुताबिक, शेख जाति के 25.84 परसेंट लोग गरीब हैं। शेख जाति के कुल 10 लाख 38 हजार 88 परिवार हैं, जिनमें 2 लाख 68 हजार 398 परिवार गरीब हैं। वहीं, पठान जाति के 22.20 प्रतिशत परिवार गरीब हैं। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, मुसलमानों के सैयद जाति के 17.61 प्रतिशत परिवार गरीब हैं।

ये है आंकड़ा

सामान्य वर्ग में 25.09 फीसदी गरीब परिवार

पिछड़ा वर्ग में 33.16 फीसदी परिवार गरीब

अत्यंत पिछड़ा वर्ग में 33.58 फीसदी गरीब परिवार

अनुसूचित जाति में 42.93 फीसदी गरीब परिवार

अनुसूचित जनजाति में 42 .70

अन्य प्रतिवेदित जातियों में 23.72 फीसदी गरीब

ओडिशा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष महेश्वर मोहंती का 67 वर्ष की उम्र में निधन

भुवनेश्वर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बीजू जनता दल (बीजद) के वरिष्ठ नेता और ओडिशा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष महेश्वर मोहंती का मंगलवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। पूर्व मंत्री रहे मोहंती के परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि मस्तिष्काघात से पीड़ित होने के बाद उन्हें एक नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और मंगलवार को तड़के करीब तीन बजकर 25 मिनट पर उन्होंने अंतिम श्वांस ली। मोहंती पांच बार पुरी निर्वाचन क्षेत्र से ओडिशा विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 1995 में जनता दल के उम्मीदवार के रूप में और 2000, 2004, 2009 और 2014 में बीजद उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव सफलतापूर्वक लड़ा था। 26 फरवरी, 1956 को जन्मे मोहंती ने नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में भी काम किया था और 2011 और 2019 के बीच पंचायती राज, राजस्व, कानून और पर्यटन विभाग जैसे विभाग संभाले थे।

वह 2004 से 2008 तक विधानसभा अध्यक्ष रहे।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मोहंती के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें "उच्च संगठनात्मक कौशल वाला लोकप्रिय नेता" बताया। पटनायक ने कहा कि एक विधायक और मंत्री के रूप में उन्होंने पुरी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एएसआई अमित दीक्षित पर मामला दर्ज

युवती के साथ मारपीट करने का है आरोप, पहले भी हो चुके है निलंबित

शहडोल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस लाइन में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक (एम) अमित दीक्षित के खिलाफ कोतवाली थाने में मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। इस संबंध में बुढ़ार थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 28 वर्षीय युवती ने बीते दिनों शिकायत दर्ज कराई थी। बता दें कि इससे पूर्व भी अमित दीक्षित के ऊपर गांजा तस्करों के साथ सांठ गाँठ के आरोप लग चुके हैं, जिसकी जांच भी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कराई जा रही है। इस बीच पता चला है कि जेल में बंद गांजा तस्कर की बहन के साथ बीते दिनों पुलिस लाइन शहडोल स्थित एएसआई दीक्षित के निवास में मारपीट की घटना हुई थी। जिसके बाद युवती की शिकायत पर जांच उपरांत आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ कोतवाली थाना में धारा 294, 323, 427 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इंदिरा गांधी के लिए अपनी संसदीय सीट छोड़ने वाले कर्नाटक के नेता डी बी चंद्रगौड़ा का निधन

चिकमगलुरू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के अनुभवी नेता और पूर्व मंत्री डी बी चंद्रगौड़ा का मंगलवार की सुबह बीमारियों के कारण यहां मुदीगेरे तालुक के दरादाहल्ली में उनके आवास पर निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे।

उनके परिवार में पत्नी और चार बेटियां हैं।

गौड़ा परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए आज शाम तक मुदीगेरे में अद्यंताया रंगमंदिर में रखा जाएगा और उनका अंतिम संस्कार बुधवार को उनके पैतृक स्थान दरादाहल्ली में किए जाने की संभावना है। सभी चार सदनों – विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा में प्रतिनिधित्व कर चुके गौड़ा विभिन्न राजनीतिक दलों जैसे कि प्रजा सोशलिस्ट पार्टी, कर्नाटक क्रांति रंग, जनता पार्टी, जनता दल, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का हिस्सा भी रहे। वह उस वक्त चर्चा में आए थे जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चिकमगलुरु निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए 1978 में लोकसभा सांसद के रूप में इस्तीफा दे दिया था और उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए काम किया था। पेशे से वकील गौड़ा 1971 में कांग्रेस के जरिए राजनीति में आए। वह तीन बार लोकसभा के और एक बार राज्यसभा के सदस्य रहे। उन्होंने 1971 और 1977 में कांग्रेस के टिकट पर चिकमगलुरु संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की।

इंदिरा गांधी के लिए सीट छोड़ने के बाद गौड़ा कांग्रेस की तरफ से 1978 से 1983 तक विधान परिषद सदस्य बने और देवराज उर्स मंत्रिमंडल में मंत्री बने। बाद में बदलते राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए उन्होंने उर्स के साथ कांग्रेस छोड़ दी और कर्नाटक क्रांति रंग में शामिल हो गए। गौड़ा तीन बार विधानसभा सदस्य रहे। उन्होंने दो बार तीर्थहल्ली निर्वाचन क्षेत्र से जनता पार्टी और एक बार कांग्रेस के टिकट पर श्रृंगेरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

रघुवीर नगर में नाबालिग की चाकू से गोदकर हत्या

जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। वेस्ट जिले के रघुवीर नगर इलाके में सरेराह एक नाबालिग की चाकुओं से गोदकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस वारदात को दो से तीन लड़कों ने बीच सड़क पर अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस की मांने तो हत्या पुरानी रंजिश का नतीजा है। घटना सोमवार शाम की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को करीब 7 बजे सड़क पर एक युवक के लहूलुहान स्थिति में पड़े होने की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को दीन दयाल अस्पताल की मोर्चरी में भेजवा दिया। आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि मृतक इसी इलाके का रहने वाला है। उसके पिता चिकन की रेहड़ी लगते हैं। पुलिस ने हत्या की वजह पुरानी रंजिश बताया है। रंजिश क्या थी और किससे थी, इस बारे में पुलिस ने अभी कोई भी जानकारी नहीं दिया है।

इस घटना में दो से तीन लड़कों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस की मानें तो पुलिस ने कई लड़कों से पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। जिससे इस वारदात को अंजाम देने वाले के बारे में सही पता लग सके। वहीं मृतक के परिवार वालों से भी पुलिस बात कर रही है, ताकि यह पता चल सके कि किन लोगों से मृतक की रंजिश थी और उसकी असल वजह क्या थी। हत्यारों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीम लगी हुई है।

नवी मुंबई मंदिर में घुसे चोर, 40 हजार रुपये चुराकर फरार

ठाणे, 7 नवंबर (एजेंसियां)। नवी मुंबई उपनगर में स्थित एक गणेश मंदिर से दो अज्ञात व्यक्तियों ने करीब 40 हजार रुपये कथित तौर पर चुरा लिए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, घटना नेरुल इलाके के शिरवणे में स्थित मंदिर में सोमवार तड़के की है। नेरुल थाने के एक अधिकारी ने शिकायत के हवाले से बताया कि दो व्यक्तियों ने मंदिर परिसर में रखी 'दान पेटी' को तोड़ दिया और उसमें से 35 से 40 हजार रुपये की नकदी निकाल ली। मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे आरोपियों की उम्र 25 से 30 साल के बीच मानी जा रही है। दोनों आरोपियों में से एक ने अपने चेहरे को रुमाल से ढका हुआ है जबकि दूसरे व्यक्ति ने काला मास्क पहना हुआ है।

नहीं मान रहे डीएमके के नेता उदयनिधि स्टालिन

अब सनातन धर्म को लेकर कह दी यह बड़ी बात

चेन्नई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने एक बार फिर बड़ा विवाद खड़ा करते हुए सोमवार को अपना रुख दोहराया कि सनातन धर्म का हमेशा विरोध किया जाना चाहिए। इंडिया गठबंधन के घटक दल डीएमके के नेता स्टालिन के पिछले बयानों पर पहले ही जमकर विवाद हो चुका है, ऐसे में उनका यह नया बयान विपक्षी दलों के लिए मुसीबत बन सकता है। उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की थी, जिसके बाद जमकर विवाद हुआ था और इंडिया। गठबंधन के नेता असहज स्थिति में पहुंच गए थे।

मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस को लगाई फटकार

मुख्यमंत्री एम।के। स्टालिन के बेटे और सूबे के युवा कल्याण एवं खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म के खिलाफ दिए गए बयानों पर निष्क्रियता को लेकर मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस को जमकर फटकार लगाई थी। इसी के बाद जारी अपने ताजा बयान में उदयनिधि स्टालिन ने एक बार फिर सनातन धर्म का विरोध करने की बात कही। तमिलनाडु पुलिस को फटकार लगाते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति को विभाजनकारी विचारों को बढ़ावा देने या किसी विचारधारा को खत्म करने का अधिकार नहीं है।

'मैं कानूनी परिणाम भुगतने को तैयार हूं, बयान नहीं बदलूंगा'

अपने ताजा बयान में उदयनिधि ने कहा,'हम कई सालों से सनातन के बारे में बात कर रहे हैं। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) एक हालिया मुद्दा है। सनातन धर्म का मुद्दा सैकड़ों साल पुराना है। हम इसका हमेशा विरोध करेंगे।' उदयनिधि ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा। उन्होंने कहा, 'मैंने जो कहा वह सही था और मैं कानूनी परिणाम भुगतने को तैयार हूं। मैं अपना बयान नहीं बदलूंगा।' उदयनिधि का मानना है कि सनातन का विरोध करने की बजाय इसे खत्म कर देना चाहिए।

'कोरोना और डेंगू की तरह सनातन को भी खत्म करना होगा'

डीएमके नेता ने अपने बयान में कहा था कि सनातन नाम संस्कृत से लिया गया है, जो सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है। उन्होंने कहा था,'हम कोरोना, डेंगू और मच्छरों का विरोध नहीं कर सकते। हमें इन्हें खत्म करना होगा और इसी तरह सनातन को भी खत्म करना होगा।' अब उदयनिधि के बयानों का सियासी असर कितना होता है, और आम जनता इसे कैसे लेती है, इसका पता तो आने वाले दिनों में ही चल पाएगा।

लगातार 3 मैच हारी टीम तो भड़का युवक, विपक्षी टीम के खिलाड़ी को बल्ले से पीटकर उतारा मौत के घाट

भंडारा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भंडारा से एक चौंकाने वाली घटना सामने आ रही है यहाँ क्रिकेट मैच के चलते हुई बहस में 24 वर्षीय एक व्यक्ति का बल्ले से पीट-पीट कर क़त्ल कर दिया गया. अडयाल पुलिस थाने के अफसर ने बताया कि घटना रविवार दोपहर को चिखली गांव में हुई. मृतक की पहचान निवृत्तिनाथ कावले के तौर पर हुई है. पुलिस अफसर ने बताया, 'करण बिलावने ने नाम के एक अन्य शख्स ने निवृत्तिनाथ पर क्रिकेट बैट से हमला किया था. यह बहस तब शुरू हुई जब अपराधी की टीम निरंतर 3 मैच हार गई. मारपीट में कावले की गर्दन पर गंभीर चोटें आईं तथा पास के हॉस्पिटल में पहुंचने पर चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया.' क्रिकेट मैच के चलते विवाद के बाद हत्या का यह पहला मामला नहीं है. इससे पहले जून में यूपी के कानपुर में भी ऐसी ही एक घटना सामने आई थी. घाटमपुर के रेवन्ना स्थित डेरा राठी खलासा गांव में क्रिकेट मैच हो रहा था. हरगोविंद नाम का युवक बैटिंग कर रहा था तथा सचिन उसके खिलाफ बॉलिंग कर रहा था. सचिन ने अपनी तेज गेंदबाजी से हरगोविंद को क्लीन बोल्ड कर दिया. इससे हरगोविंद गुस्सा हो गया तथा सचिन के साथ मारपीट करने लगा. इतने में हरगोविंद का भाई भी मौके पर पहुंच गया. दोनों भाइयों ने मिलकर सचिन का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. वही इसी प्रकार अप्रैल में बिहार के बक्सर में क्रिकेट मैच के चलते मोटरसाइकिल सवार दो लड़कों ने चंदन नाम के एक युवक का गोली मारकर क़त्ल कर दिया गया था. घटना डुमराव के अरियांव गांव की है. हालांकि, घटना के बारे में बक्सर पुलिस अधीक्षक ने बताया था कि चंदन एवं अपराधियों के बीच पहले से विवाद चल रहा था. इसी के चलते चंदन का क़त्ल हुआ.

मुंबई में प्रदूषण पर हाई कोर्ट की सख्ती पटाखे जलाने का समय हुआ फिक्स

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदूषण के मामले में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई, दिल्ली एनसीआर को अच्छी खासी टक्कर दे रही है। इस प्रदूषण व धुंए के कारण हवा जहरीली हो चुकी है और लोगों को सांस लेने में तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है और प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने त्योहारों में पटाखे जलाने के लिए भी समयसीमा तय कर दी है। सीएसटी में लगे राज्य सरकार के पॉल्यूशन कंट्रोल मीटर के अनुसार आर्थिक नगरी मुंबई में मंगलवार को एक्यूआई 301 तक पहुंच गया है जो कि लोगों के लिए काफी खतरनाक है। पिछले कुछ दिनों के बाद आज के दिन मुंबई की हवा सबसे ज्यादा खराब नजर आई है। मंगलवार के दिन शहर के सायन में 220, मलाड में 247, कोलाबा में 205, वर्ली में 238, देवनार में 275 व बीकेसी में 225 तक एक्यूआई दर्ज किया गया है। मुंबई शहर में लगातार ब्रिज, मेट्रो फ्लाईओवर बन रहे हैं, कंस्ट्रक्शन से निकलने वाली धूल शहर में प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहे हैं जिसके चलते कल मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने संबंधित विभाग को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि कि अगर शुक्रवार तक हवा की गुणवत्ता ठीक नहीं हुई तो कुछ दिनो तक सार्वजनिक निर्माण कार्य पर रोक लगा दी जाएगी ।

इतने देर तक पटाखों पर छूट

बॉम्बे हाई कोर्ट ने प्रदूषण का स्तर देखते हुए त्योहारों के समय पटाखे जलाने पर भी पाबंदियां लगाने की घोषणा की है। कोर्ट ने त्योहार को देखते हुए शाम 7 से रात 10 तक ही पटाखे जलाने के निर्देश दिए है । साथ ही तमाम नियमो का पालन जमीनी स्तर पर लागू हो इस के सख्ती से पालन को भी कहा है।

चूहा पकड़ने वाले ग्लू पेपर बोर्ड पर राज्य सरकारें क्यों लगा रहीं बैन ?

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक समेत कई राज्यों के बाद, अब पंजाब सरकार ने भी चूहे को पकड़ने वाले ग्लू पेपर बोर्ड को बैन करने का फैसला लिया है। पंजाब में इसकी मैन्युफैक्चरिंग, बिक्री और इस्तेमाल करने पर बैन लगा दिया गया है। यह एक खास तरह का बोर्ड होता है जिस पर गोंद लगा होता है। इसे घर के उस हिस्से में रखा जाता है जहां चूहे के फंसने का खतरा ज्यादा होता है। जैसे ही इस पर चूहा आता है चिपक जाता है। इसके बाद इसे फेंक दिया जाता है। इस फैसले के बाद पेपर बोर्ड को बैन करने वाला पंजाब 17वां ऐसा राज्य बन गया है। जानिए देश के 17 राज्यों ने इसे क्यों बैन किया है।

क्यों लगाया गया प्रतिबंध ?

लोग इसका इस्तेमाल चूहों के साथ गिलहरियों और पक्षियों को भी मारने में भी कर रहे हैं। लम्बे समय से चूहों को इस तरह से मारने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। चूहों की इतनी क्रूर मौत देने पर अलग-अलग राज्यों के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकार से इसे बैन करने की अपील की। सोशल मीडिया पर इसको लेकर कैम्पेन चलाए गए। इसके साथ ही पशुओं के हितों की रक्षा करने वाले संगठन पेटा (पेटा) ने भी इस पर बैन लगाने की मांग की। पेटा इंडिया ने लगातार इसे बैन करने की मांग की। महाराष्ट्र के मामले में संस्था ने कहा कि एनिमल हज्बैंड्री कमिश्नरेट ने एक लेटर जारी किया है, जिसमें सभी जिलों के उप पशुपालन आयुक्तों और सदस्य सचिवों, सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स से जुड़ी चीजों की बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया है।

कर्जत में रेलवे ट्रैक पर गिरी कार मालगाड़ी से टकराकर क्षतिग्रस्त, 3 लोगों की मौत

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कर्जत-नेरल मार्ग पर किरवली ब्रिज से मंगलवार को तड़के चार बजे एक अनियंत्रित कार नीचे रेलवे ट्रैक पर गिरी और उसी समय गुजर रही मालगाड़ी से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज एमजीएम अस्पताल में हो रहा है, दोनों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार कर्जत से नेरल की ओर जा रही इस कार में छह लोग सवार थे। मंगलवार को तड़के चार बजे अचानक कार चालक का नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे कार पुल से नीचे रेलवे ट्रैक पर गिर गई। संयोग से इसी दरम्यान रेलवे ट्रैक पर मालगाड़ी आ गई और कार को कुचल दिया। कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। इस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों के साथ ही पुलिस मौके पर पहुंची। बचाव कार्य करते हुए कार में सवार घायलों को तत्काल एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 230 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.11 2080 बुधवार, 8 नवंबर-2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भाजपा का पहला सीएम पिछड़े वर्ग से होगा

हैदराबाद में गरजे मोदी

हैदराबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में 'बीसी आत्मगौरव सभा' संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से भाजपा का पहला मुख्यमंत्री पिछड़ी जाति (बीसी) का यहीं से बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष और अभिनेता पवन कल्याण हैदराबाद में एक सार्वजनिक रैली में शामिल हुए। यहां आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस मैदान का मेरे जीवन में बहुत बड़ा स्थान है। 2013 में आप सबने मुझे इसी मैदान में बुलाया था। आपने टिकट रखा था कि जो मोदी जी की सभा में आना चाहता है उसे टिकट खरीदना पड़ेगा। इसकी खबर पूरे विश्व में फैल गई थी।

इसी मैदान में मोदी को प्रधानमंत्री बनाने की पक्की नींव रखने का काम हुआ। इस मैदान के आशीर्वाद ने मोदी को प्रधानमंत्री बना दिया और इसी मैदान के आशीर्वाद से भाजपा का पहला मुख्यमंत्री बैकवर्ड मुख्यमंत्री यहीं से बनेगा।

उन्होंने आगे बीआरएस पर निशाना साधते हुए कहा कि अहंकार किसी का भी हो उसे टिकने नहीं देता है। बीआरएस के नेताओं में भी वही अहंकार दिखता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में तेलंगाना के लोगों ने ऐसे अहंकारी सीएम को अपने वोट की ताकत से जवाब दिया था। इसी बौखलाहट में यहां के नेता मोदी को गाली देते रहते हैं। बीआरएस के भ्रष्टाचार के तार दिल्ली के शराब गोटाले से भी जुड़े हुए हैं। आज मैं ऐसे लोगों को डंके की चोट पर कहना चाहता हूं भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई होके रहेगी, जिन्होंने जनता को लूटा है उन्हें लौटाना ही पड़ेगा।

उन्होंने कहा, ये एनडीए है, बीजेपी है, जो ओबीसी हितों का सबसे ज्यादा ध्यान रखती है, उन्हें सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व देती है। केंद्र की एनडीए सरकार में 27 ओबीसी मंत्री हैं, जो आजादी के बाद सबसे ज्यादा हैं। आज देश में बीजेपी के 85 ओबीसी सांसद हैं। आज देश में बीजेपी के 365 ओबीसी विधानसभा सदस्य हैं। आज देश में बीजेपी के 65 ओबीसी विधान परिषद सदस्य हैं।

पीएम मोदी ने कहा, हमारे कुम्हार हों, सुनार हों, सुथार हों, मूर्तिकार हों, कपड़े धोने वाले हों, कपड़े सिलने वाले हों, जूते बनाने वाले हों, बाल काटने वाले हों, ऐसे बहुत से साथी बीसी (पिछड़ी जाति) समुदाय से ही आते हैं। ऐसे लोगों के लिए ही भाजपा सरकार ने पीएम विश्वकर्मा योजना बनाई है। इस योजना के तहत हमारे विश्वकर्मा भाइयों-बहनों पर 13 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे उन्हें अपना जीवन स्तर उठाने में, अपने जीवन से अन्य परेशानियां दूर करने में मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में पहले चरण में 20 सीटों पर 70.87 प्रतिशत मतदान

इस बार 2018 से 6.01 प्रतिशत कम, सबसे ज्यादा खैरागढ़, सबसे कम बीजापुर में वोटिंग

रायपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण की 20 सीटों पर मतदान मंगलवार शाम 5 बजे खत्म हो गया है। शाम 5 बजे तक 70.87 प्रतिशत मतदान हो चुका था। वहीं मतदान के बीच नक्सलियों ने जमकर आतंक मचाया। कांकेर, नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा में नक्सली वारदातें और मुठभेड़ की घटनाएं सामने आई हैं। सुकमा में दो अलग-अलग आईईडी ब्लास्ट में 2 जवान घायल हुए हैं। अभी मीनपा इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों में मुठभेड़ जारी है। सूत्रों के मुताबिक, 3 जवान घायल हुए हैं। इसके अलावा कांकेर में हुई मुठभेड़ में गोली लगने से एक किसान घायल हुआ है। बीजापुर में कई नक्सलियों के घायल होने का दावा किया जा रहा है।

नारायणपुर में मुठभेड़ के बाद नक्सली भाग निकले। जिन 20 सीटों पर मतदान हो रहा है, उनमें से 19 सीटें कांग्रेस के कब्जे में हैं। केवल एक राजनांदगांव सीट भाजपा के पास है।

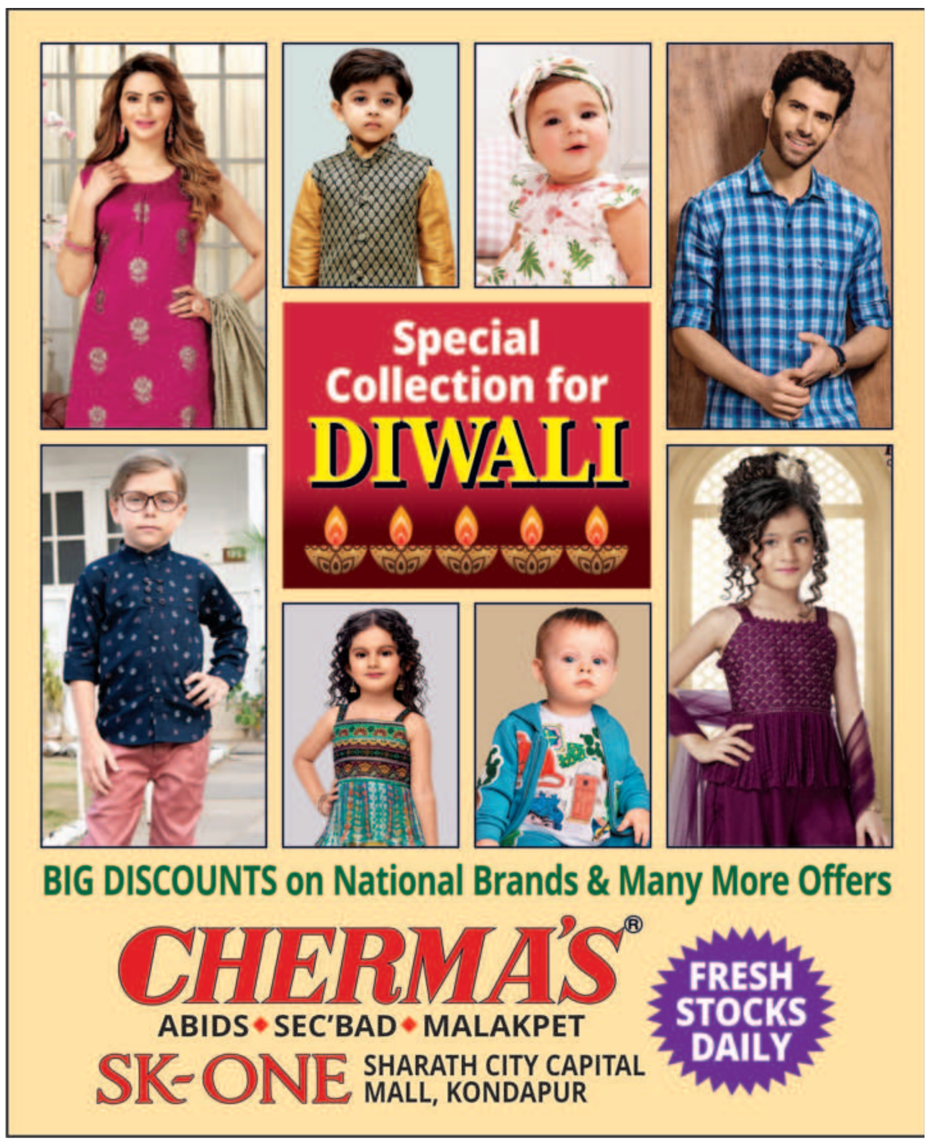

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 8 नवंबर, 2023

सुविचार: आदमी जिन्दगी में उतना ही, बड़ा कर सकता है, जितना बड़ा वह सोच सकता है!

सौ साल में तेलंगाना केवल दस साल ही शांतिपूर्ण रहा : केसीआर

मुख्यमंत्री ने पेद्दापल्ली व मंचेरियाल में विशाल जनसभा को संबोधित किया

पेद्दापल्ली, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि 100 वर्षों में, बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान तेलंगाना दस वर्षों तक शांतिपूर्ण रहा है और राज्य में कोई कर्फ्यू और सांप्रदायिक दंगे नहीं हुए हैं। मंगलवार को पेद्दापल्ली में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो तेलंगाना में नियमित सांप्रदायिक दंगे और कर्फ्यू होते थे। हालाँकि, तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, बीआरएस सरकार ने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए भारी बदलाव लाए हैं और पिछले दस वर्षों के दौरान, एक भी सांप्रदायिक दंगे की घटना सामने नहीं आई है और लोग खुशहाल और शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने मत का प्रयोग करने से पहले न केवल उम्मीदवारों, बल्कि पार्टियों के रवैये के बारे में भी सोचना चाहिए। "वोट देने से पहले जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। अगर सही सरकार नहीं आई तो लोगों को पांच साल तक परेशानी झेलनी पड़ेगी और राज्य फिर अंधेरे में चला जाएगा।

गांव-गांव चर्चा होनी चाहिए और जनता को चुनाव करना चाहिए।" इससे पहले मंथनी सार्वजनिक बैठक में केसीआर ने कहा कि पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लोगों में एकता की कमी है और उन बीसी नेताओं के लिए परेशानी पैदा नहीं की जानी चाहिए जो नेता के रूप में उभर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस पार्टी ने मंथनी विधानसभा क्षेत्र से बीसी नेता पुट्टा मधु को मौका दिया है और बीसी कर्मचारियों, छात्रों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों से विधायक के रूप में चुने जाने के लिए मधु को अपना समर्थन देने के लिए कहा है। इसीक्रम में बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने किसानों से कांग्रेस पार्टी को वोट न देने का आग्रह किया और कहा कि इस सबसे पुरानी पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों में जमानत भी नहीं मिलनी चाहिए। मंगलवार को मंचेरियल जिले के चेन्नुरु विधानसभा क्षेत्र के मंदामर्री में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कह रही है कि रैतू बंधु और रैतू बीमा जैसी योजनाएं और कृषि क्षेत्र को 24 घंटे बिजली आपूर्ति और धरणी पोर्टल जैसी सुविधाएं समाप्त कर दी जाएंगी। यदि वह आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता में आती है। ताकि किसान आने वाले परिणामों के बारे में सोचें और कांग्रेस पार्टी को खारिज कर दें। "कांग्रेस नेताओं का कहना है कि कृषि क्षेत्र को तीन घंटे से अधिक बिजली देने की कोई आवश्यकता नहीं है और इसके अलावा, वे कृषि क्षेत्र को 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने के लिए बीआरएस सरकार में दोष ढूंढ रहे हैं। सीएम ने कहा कि यदि आप बिना सोचे-समझे कोई भी जल्दबाजी में निर्णय लेते हैं और कांग्रेस को वोट दें, ऐसी संभावना है कि अगले पांच वर्षों में तेलंगाना अंधेरे दिनों में रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत में तेलंगाना कृषि के लिए 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने वाला एकमात्र राज्य है और यह सुविधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने राज्य गुजरात में भी नहीं है।

केसीआर ने कहा कि पैसे के लिए वोट मत बेचें। हमारा वोट हमारा भविष्य तय करता है। भारत में लोकतंत्र की परिपक्वता अभी बाकी है। लोकतंत्र में मतदान एक हथियार है। लोगों को समझदारी से सोचना चाहिए और तेलंगाना के विकास के लिए वोट करना चाहिए।

हॉट सीट पठनचेरू में बागी खेल बिगाड़ेंगे

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की हाट सीट में तब्दील हो चुके पठनचेरू विधानसभा क्षेत्र में जहां बीआरएस ने अपने सिटिंग विधायक बोडम महिपाल रेड्डी पर ही दांव खेला है वहीं कांग्रेस अंतरकलह से उबर नहीं पा रही है। कांग्रेस ने यहां से पहले काडम श्रीनिवास गौड को मैदान संभालने का आश्वासन दिया था। इलाके के लोगों को कहना है कि उन्होंने इसके लिए काफी तैयारियां भी कर ली थी। लेकिन अचानक बीआरएस से कांग्रेस में आए नीलम मधु मुदिराज ने उनके राह में रोडा अटका दिया है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा भडक उठा और श्रीनिवास गौड अपने समर्थकों के साथ गांधीभवन आ धमके और धरने पर बैठ गए। यही नहीं संगारेड्डी में उनके समर्थकों ने रास्ता भी जाम कर अपना विरोध जताया। उनके समर्थन में पूर्व डिप्टी सीएम दामोदर राजा नरसिम्हा भी प्रदर्शन में उतर गए। बडी संख्या में हो रहे बगावत को देख कर कांग्रेस नेताओं के भी हाथ-पांव फूल गए।

काफी मान-मनौवल का प्रयास भी किया जा रहा है कि किसी भी तरह से बात बन जाए, लेकिन काडम और कार्यकर्ताओं का गुस्सा शांत नहीं हो रहा है। आलाकमान भी अब पुनर्विचार की बात कर रहा है। अब तो बात यहां तक पहुंच गई है कि जरूरत पडी तो बागी बन कर खेल बिगाडने से भी पीछे नहीं हटेंगे। जीते भले नहीं लेकिन खुन्नस तो निकाल ही सकते हैं।

जबकि भाजपा से नंदेश्वर गौड को उम्मीदवार बनाया गया है। मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने एलबी स्टेडियम में जिस तरह से हुंकार भरी है उससे भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। इसके अलावा हिंदी भाषियों को रिझाने के लिए भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टार पवन सिंह को 18 नवंबर को नंदेश्वर गौड ने भारी फीस देकर बुलाया है।

बीस नवंबर को खेसारीलाल यादव भी कार्यक्रम प्रस्तुत कर बिहारियों को रिझाएंगे। बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह ने दावा किया है कि पठनचेरू क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा बिहार व यूपी के लोग रहते हैं। इसलिए इस बडे मतदाता समूह पर सभी पार्टियों की नजर है। भाजपा को जिताने के लिए आरएसएस भी पूरी ताकत से मेहनत कर रही है। यहां तक कि सभी प्रत्याशी व बडे से बडे नेता भी भाईसाहब का आदेश मानने को तैयार बैठे हैं।

इस चुनाव में इलाके के लोगों की तकलीफ इस बात की है कि मेन रोड तो चकाचक है लेकिन अंदर की गलियों में कोई खास अंतर नहीं आया है। यही हाल लगभग गांवों का भी है। सरकारी योजनाओं का लाभ भी समाज के पिछडे वर्ग के कुछ खास लोगों को ही मिल सका है। बाकी लोग अपनी बारी का बाट जोह रहे हैं। युवाओं में भी इस बात का रोष है कि उन्हें न तो स्कालरशिप मिल रहा है और न ही जाब। शिक्षा, स्वास्थ्य तथा बराबरी का हक मिले आखिर ऐसा कौन नहीं चाहता। लोग सरकारी आफिसों में काम के लिए चक्कर लगाते रहते हैं, लेकिन काम तो होता नहीं, इज्जत भी नहीं मिलती। व्यवस्था से परेशान युवा स्पष्ट कह रहे हैं कि वोट उसी को देंगे जो इस सारे बिगडे ढर्रे को पटरी पर लाने का काम करेगा।

कांग्रेस हैदराबाद के पुराने शहर में विकास को गति देगी : समीर

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के ऐतिहासिक दिल को फिर से जीवंत करने की एक महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता में, जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) ने आगामी चुनावों में सत्ता में आने पर पुराने शहर में विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला शुरू करने का वादा किया है।

हैदराबाद डीसीसी के अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह ने मंगलवार को एक मीडिया बयान में घोषणा की कि पर्याप्त वित्तीय निवेश और बुनियादी ढांचागत सुधार के माध्यम से क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए एक केंद्रित प्रयास किया जाएगा। कांग्रेस के बैनर तले, समीर वलीउल्लाह ने पुराने शहर को बदलने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति की रूपरेखा तैयार की। समीर वलीउल्लाह ने पुराने शहर के निवासियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक पासपोर्ट कार्यालय, अन्य आवश्यक सरकारी विभाग और एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने का वादा करते हुए बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं के महत्व पर जोर दिया।

एक व्यापक भेदभाव-विरोधी विधायी प्रयास प्रतीत होता है, कांग्रेस पुराने शहर के खिलाफ वित्तीय बहिष्कार को रोकने के लिए कानून लागू करने की योजना बना रही है। शिक्षा भी कांग्रेस की बहाली योजना में सबसे आगे है। समीर वलीउल्लाह ने कहा कि हाई कमान को स्थानीय बच्चों के लिए विश्व स्तरीय शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ओल्ड सिटी हैदराबाद में एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल स्थापित करने के लिए राजी किया जाएगा।

बीजेपी ने 12 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए 12 उम्मीदवारों की अपनी चौथी सूची जारी कर दी है। इसके साथ अब तक जारी किए गए उम्मीदवारों की कुल संख्या सौ तक पहुंच गई है। अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के बाद पार्टी शेष 19 सीटों की घोषणा कर सकती है। जन सेना को करीब आठ सीटें मिलने की संभावना है। इस सूची में भी बीजेपी की वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद विजयशांति का नाम नहीं है। सोमवार को घोषित स्टार प्रचारकों की सूची में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया। चौथी सूची में टिकट हासिल करने वाले प्रमुख नेताओं में करीमनगर की पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष तुला उमा (वेमुलावाड़ा) और बोम्मा श्रीराम चक्रवर्ती (हुस्नाबाद), वी सुभाष रेड्डी (येलारेड्डी) और चलमाला कृष्णा रेड्डी (मुनुगोडे) को भी टिकट आवंटित किए गए, जो हाल ही में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए थे।

मतदाताओं तक पहुंचने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है बीआरएस

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एफएम रेडियो टॉक शो और तेलुगु सिने अभिनेताओं के साथ साक्षात्कार से लेकर यूट्यूब और लिंक्डइन पर मनमोहक सामग्री तक, तेलंगाना में बीआरएस पार्टी ने राज्य में मतदाताओं के बीच अपने शासन के बारे में सकारात्मकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न माध्यमों का रणनीतिक रूप से उपयोग किया है। 30 नवंबर के विधानसभा चुनावों के लिए अपने व्यस्त अभियान कार्यक्रम के बावजूद, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने एक यूट्यूब चैनल पर अपने पाक कौशल का प्रदर्शन करने की कोशिश की, जिसके दो मिलियन से अधिक ग्राहक हैं। तेलंगाना व्यंजन का स्वाद चखते हुए, केटीआर ने दर्शकों को कृषि विकास से लेकर राज्य में रोजगार के अवसरों के निर्माण तक के विभिन्न मुद्दों के बारे में बताया। सूत्रों ने बताया कि दो लोकप्रिय तेलुगु नायकों के साथ केटीआर के साक्षात्कार जल्द ही टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले हैं। राज्य भर में 120 सोशल मीडिया वॉर रूम में 750 से अधिक कर्मी पार्टी के लिए सामग्री बनाने में व्यस्त हैं और साथ ही भ्रामक पोस्ट के खिलाफ तथ्य जांच प्रकाशित करने के अलावा, लोगों को बीआरएस सरकार की उपलब्धियों के बारे में याद दिलाने के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों पर इसे आगे बढ़ा रहे हैं। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में स्थानीय चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार की सहायता के लिए एक माइक्रो वॉर रूम होता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और शेयरचैट जैसे सोशल और डिजिटल मीडिय प्लेटफॉर्म का उपयोग पार्टी के बारे में सकारात्मक सामग्री को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है। बीआरएस पार्टी के राज्य भर में लगभग 17,000 व्हाट्सएप ग्रुप हैं, जिनमें 16 लाख से अधिक सदस्य हैं और दैनिक आधार पर, उन्हें टेक्स्ट या वीडियो या फोटोग्राफ के रूप में कम से कम आठ संदेश मिलते हैं। सूत्रों ने कहा कि पार्टी ने कुछ ऐसे लोगों के साथ विशेष बातचीत की भी योजना बनाई है जो बीआरएस पार्टी से नहीं हैं और ज्यादातर तटस्थ दृष्टिकोण रखते हैं, ताकि उन्हें कुछ महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देकर निष्पक्ष तस्वीर पेश की जा सके। रामा राव हाल ही में राजनीतिक विश्लेषक प्रोफेसर नागेश्वर और लोकसत्ता के संस्थापक और पूर्व आईएएस अधिकारी जयप्रकाश नारायण के साथ बातचीत में दिखाई दिए।

बीआरएस ने गोशामहल से नंदकुमार बिलाल को उतारा

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने मंगलवार को राज्य विधानसभा के आगामी चुनावों के लिए क्रमशः गोशामहल और नामपल्ली निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नंदकुमार बिलाल और आनंद गौड़ की उम्मीदवारी की घोषणा की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामाराव ने सामा सुंदर रेड्डी (याकूतपुरा), एंडेला कृष्णैया (कारवान), इब्राहिम लोदी (चारमीनार), सीताराम रेड्डी (चंद्रयानगुट्टा), तेगला अजित रेड्डी (मलकपेट) और अली बकरी (बहादुरपुरा) हैदराबाद के पुराने शहर क्षेत्र सहित दोनों उम्मीदवारों को बी-फॉर्म सौंपे। इस प्रकार, सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में बीआरएस उम्मीदवारों को बी-फॉर्म का वितरण पूरा हो गया है।

विजयवाड़ा मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान आयोजित

एक दिन में सर्वाधिक 24.5 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा मंडल ने सोमवार को पूरे विजयवाड़ा मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान का आयोजन किया। यह मेगा अभियान विजयवाड़ा मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक रामबाबू वाविलपल्ली की देखरेख में आयोजित किया गया। विजयवाड़ा में जांच के दौरान, अनियमित यात्रा के खिलाफ 3,484 मामले दर्ज करके एक ही दिन में 24.5 लाख रुपये का भारी जुर्माना वसूला गया। यह विजयवाड़ा डिवीजन के रिकॉर्ड में एक दिन में वसूला गया अब तक का सबसे अधिक जुर्माना है। विजयवाड़ा मंडल के सभी सेक्शनों में टीमें बनाकर कुल 48 ट्रेनों की जांच की गई। इस मेगा ड्राइव में स्क्वाड टीटीई, स्टेशन स्टाफ और नवनियुक्त प्रो-कमर्शियल क्लर्क, टिकट कलेक्टर ने भाग लिया। कर्मचारियों द्वारा सुबह और दोपहर में 12 घंटे के दो स्लॉट में जांच की गई। इस मेगा टिकट चेकिंग अभियान के हिस्से के रूप में, कल विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर एक मेगा फोर्ट्रेस चेक का आयोजन किया गया। कुल 86 टिकट चेकिंग स्टाफ और 10 आरपीएफ स्टाफ ने भाग लिया।

अकेले विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर 1,294 मामलों की बुकिंग से 8.68 लाख रुपये की वसूली हुई। अभियान के दौरान नौ अनधिकृत विक्रेताओं पर भी मामला दर्ज किया गया और उन पर 45 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। पूरे मेगा टिकट चेकिंग अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा के 1,641 मामले, अनियमित यात्रा के 1,825 मामले दर्ज किए गए और टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा क्रमशः 15.41 लाख रुपये और 9.10 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। रामबाबू वाविलपल्ली, सीनियर डीसीएम ने कहा कि टिकट चेकिंग अभियान का उद्देश्य टिकट रहित, अनियमित यात्रा और बिना बुक किए गए सामान पर अंकुश लगाना और आदतन अपराधियों के बीच नैतिक भय पैदा करना है। यह अभियान न केवल राजस्व के रिसाव को रोकने के लिए था, बल्कि वास्तविक रेल यात्रियों की आरामदायक और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भी था। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे परेशानी मुक्त टिकट बुकिंग के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप डाउनलोड करें और पेपरलेस और कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने में हमारी मदद करें। विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए पाटिल ने मेगा टिकट चेकिंग अभियान के सफल आयोजन और एक ही दिन में अब तक का सबसे अधिक जुर्माना दर्ज करने के लिए टिकट चेकिंग स्टाफ की सराहना की।

कविता ने रश्मिका मंदाना के वीडियो मामले में कार्रवाई की मांग की

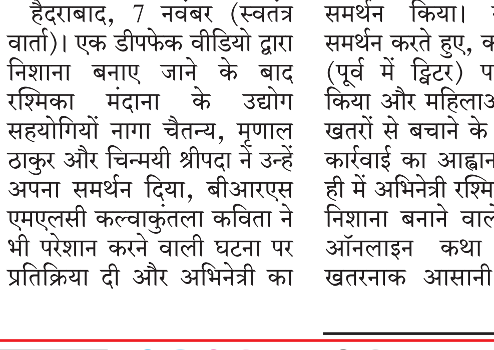

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक डीपफेक वीडियो द्वारा निशाना बनाए जाने के बाद रश्मिका मंदाना के उद्योग सहयोगियों नागा चैतन्य, मृणाल ठाकुर और चिन्मयी श्रीपदा ने उन्हें अपना समर्थन दिया, बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने भी परेशान करने वाली घटना पर प्रतिक्रिया दी और अभिनेत्री का समर्थन किया। रश्मिका का समर्थन करते हुए, कविता ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट किया और महिलाओं को साइबर खतरों से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया। हाल ही में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को निशाना बनाने वाले डीपफेक ने ऑनलाइन कथा हेरफेर की खतरनाक आसानी को उजागर किया है। भारतीय महिलाओं को साइबर खतरों से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। के. कविता ने रश्मिका के पीछे मजबूती से खड़े होकर, मशहूर हस्तियों और नेटिज़न्स ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए अभिनेता को बहुत समर्थन दिखाया है। बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन, नागा चैतन्य, मृणाल ठाकुर, चिन्मयी श्रीपदा जैसे लोगों ने अभिनेता के समर्थन में पोस्ट किया है। इससे पहले, अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों को एक संदेश में, पुष्पा अभिनेता ने साझा किया था कि वह डीपफेक वीडियो से वास्तव में आहत हुई थीं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, "ईमानदारी से कहूं तो ऐसा कुछ, न केवल मेरे लिए, बल्कि हममें से हर एक के लिए बेहद डरावना है, जो आज प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के कारण बहुत अधिक नुकसान की चपेट में है।" अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से जुड़े हालिया डीपफेक वीडियो ने सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा कर दिया है, कई लोगों ने इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा की हैं। विचाराधीन डीपफेक वीडियो में ज़ारा पटेल नाम की एक महिला दिखाई गई थी। उन्होंने यह वीडियो 9 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था।

औद्योगिक अभ्यास पर कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद,7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय धातु संस्थान, हैदराबाद चैप्टर ने दो दिवसीय कार्यशाला "गैर धातुकर्म के लिए धातुकर्म: औद्योगिक अभ्यास" का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन जयेश रंजन (आईएएस), प्रमुख सचिव (आईटीई और सी) और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, तेलंगाना द्वारा किया गया। विभिन्न एमएसएमई, निजी उद्योगों, शिक्षा जगत से लगभग 150 पेशेवरों ने भाग लिया। धातुकर्म, ऊष्मा उपचार, संक्षारण, पाउडर धातुकर्म, एनडीटी, धातु जुड़ाव, धातु कार्य के बुनियादी सिद्धांतों पर व्याख्यान दिए गए व चर्चाएँ की गई। धातुकर्म संबंधी समस्याओं के संबंध में प्रतिभागियों के प्रश्नों का भी संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा आईआईएम हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ एसके झा ने कार्यक्रम के प्रायोजकों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मिधानि के निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) मुत्तुकुमार भी उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रपत्र 10-01 सार्वजनिक अधिसूचना

PUB/1225

एतद्वारा दक्षिण मध्य रेलवे से जुडे निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि, तत्संबंधित दमरे के उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को तत्संबंधित निर्दिष्ट तिथि या उसके बाद ऊर्जाकरण (एनर्जाइज) किया जायेगा तथा निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनों को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइनों के निकट न पहुंच सकेगा न कोई कार्य ही कर सकेगा। विद्युतीकरण किया जानेवाला सेक्शनः मौजूदा ट्रैक डब्ल्यूसीएल साइडिंग का, न्यू पीआरपीआय स्टेशन से दम डिवीजन के काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शन के माणिकगढ तथा गडचंदूर सेक्शन से जुडा विद्युतीकरण कार्य। ओएचइ मास्ट लोकेशन नं. -डब्ल्यूसीएल 0/1/(किमी/चैनेजः00/89.70एम) से एलओसी डब्ल्यूसीएल-3/02(किमी/चैनेजः 03/117.70एम)

ऊर्जाकरण की प्रस्तावित तिथि :10-11 -2023

प्रपत्र 10-02 (एसीटीएम पैरा 21020, वाल्यूम।।, पार्ट्, सुधार पर्ची सं. 32, दि.09.10.2020)
एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

आम जनता को, 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में अधिसूचित किया जाता है कि, मौजूदा ट्रैक डब्ल्यूसीएल साइडिंग का, न्यू पीआरपीआय स्टेशन से दम डिवीजन के काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शन के माणिकगढ तथा गडचंदूर सेक्शन से जुडा विद्युतीकरण कार्य। ओएचइ मास्ट लोकेशन नं. डब्ल्यूसीएल0/1/(किमी/चैनेजः00/89.70एम) से एलओसी डब्ल्यूसीएल-3/02(किमी/चैनेजः 03/117.70एम) तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के उपरोक्त सेक्शन के दक्षिण मध्य रेलवे के, सभी लेवल क्रासिंग्स पर सड़क के स्तर से 4.78 एम की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के साथ हाइट गेजेस लगाए गए हैं ताकि अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर (संपर्क वायर) के खतरनाक निकटता से रोका जा सके, जो लेवल क्रासिंग्स पर रेल स्तर से न्यूनतम 5.5 एम की ऊंचाई पर हो।

उर्जाकरण की तिथि: 10.11.2023

आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, हाइट गेज का उल्लंघन कतई नहीं करता हो।

अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं--

I)हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट

Ii)मटेरियल या उपकरण जो वाहन में लदान करने पर सामग्री व तत्संबंधित वाहन को खतरा।

.iii) संबंधित कंडक्टर्स के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम।

A1689 वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/टीआरडी/ सिकंदराबाद

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 230 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.11 2080 बुधवार, 8 नवंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी, चौहान में 'बैकवर्ड कौन' का कॉम्पिटीशन : खड़गे

ग्वालियर में कहा- भाजपा में 5 पांडव, मोदी-शिवराज, ईडी, सीबीआई और आईटी

ग्वालियर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को ग्वालियर की चुनावी सभा में कहा, भाजपा में पांच पांडव हैं- ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स (आईटी) और ऊपर से चौहान और मोदी। ये पांडव अलग हैं।

उन्होंने कहा, मोदी साहब बार-बार यही कहते हैं कि मैं गरीब का बेटा हूं। मुझे आगे बढ़ाएं। यही बात चौहान (सीएम शिवराज) साहब भी करते हैं। दोनों में कॉम्पिटीशन है कि कौन ज्यादा बैकवर्ड है। मोदी हैं या चौहान हैं।

मोदी सिर्फ कांग्रेस को गालियां देने के लिए मुंह खोलते :

मध्यप्रदेश में व्यापमं घोटाला हुआ, भाजपा के भ्रष्टाचार से महाकाल की मूर्तियां टूटीं, 18 साल में 18 हजार किसान ने सुसाइड कर लिया, भाजपा नेता ने आदिवासी बच्चे के मुंह पर पेशाब किया, तब कहां थे? ये बोलते ही नहीं। कांग्रेस को

गालियां देने के लिए अपने मुंह की पट्टी खोलते हैं।

इंदिरा-राजीव ने देश को एक रखने के लिए कुर्बानियां दीं :

इंदिरा गांधी के समय हर गरीब हमारे साथ था। आज धर्म के नाम पर जो हुकूमत कर रहे हैं, वे सभी को खत्म कर रहे। धर्म-धर्म, जाति-जाति में झगड़ा करा रहे। गरीब को और गरीब, अमीर को और अमीर बना रहे। ये आंकड़े कह रहे हैं, मैं नहीं। देश को एक रखने के लिए इंदिरा गांधी ने 32 गोलियां खाईं। राजीव गांधी ने भी कुर्बानी दी।

हमने संविधान बचाया, इसीलिए मोदी पीएम बने :

ये भाजपा के लोग देश के लोकतंत्र के लिए, आजादी के लिए नहीं लड़े। ये सिर्फ नौकरी ढूंढते रहे। ब्रिटिश के साथ मिलकर रहे। और ये लोग पूछते हैं कि कांग्रेस ने क्या किया? कांग्रेस देश को एक रखने के लिए कोशिश नहीं करती तो आज देश की तस्वीर बदल जाती। कांग्रेस ने संविधान-लोकतंत्र बचाया, इसीलिए मोदी पीएम बने, शाह गृहमंत्री बने।

'गरीब' गरीब को नहीं अंबानी-अडाणी को देख रहा :

देश में किसे- क्या मिल रहा, इसके लिए हम जातीय जनगणना कराएंगे। मोदी खुद कहते हैं कि मैं बहुत गरीब हूं। मैं एक चायवाला हूं। बैकवर्ड हूं। फिर ये गरीब जनगणना क्यों नहीं कराता? गरीबों के लिए स्कीम क्यों नहीं बनाता? ये गरीब, गरीबों को नहीं अडाणी-अंबानी को देख रहा है।

मिजोरम में 77.047 मतदान

आइजोल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मिजोरम की 40 विधानसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 7 बजे से शुरू हुई वोटिंग शाम 4 बजे खत्म हो गई। राज्य में 77.04 प्रतिशत मतदान हुआ। सेरछिप में सबसे ज्यादा 77.78 प्रतिशत तो सियाहा में सबसे कम 52.02 प्रतिशत मतदान हुआ। आइजोल में 65.06 प्रतिशत वोटिंग हुई। मिजोरम में 2018 के विधानसभा चुनाव में 81.61 प्रतिशत वोट पड़े थे।

गवर्नर हरि बाबू कंभमपति ने आइजोल साउथ में सुबह 8:15 बजे वोटिंग की। मुख्यमंत्री जोरमथंगा सुबह 7 बजे के करीब वोट डालने आए थे, लेकिन ईवीएम मशीन में खराबी के चलते लौट गए। चार घंटे बाद वापस आकर उन्होंने वोट डाला।

वहीं, मिजोरम कांग्रेस के अध्यक्ष लालसावता ने दावा किया कि मिजोरम में हम पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। हम 22 सीट जीतने जा रहे हैं।

जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के कार्यकारी अध्यक्ष और आइजोल नॉर्थ-III से पार्टी के उम्मीदवार के सपडांगा ने भी अपना वोट डाला।

भारत पूरी ताकत से जंग रुकवाए : ईरानी राष्ट्रपति

रईसी ने पीएम मोदी से फोन पर बात की
हमास से जंग लड़ रहे भारत के 200 यहूदी

तेल अवीव, 7 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग को आज एक महीना पूरा हो चुका है। इस बीच ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने जंग को लेकर पीएम मोदी से फोन पर बात की। उन्होंने कहा, भारत से उम्मीद है कि वो फिलिस्तीनियों पर हो रहे जुल्म को रोकने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएगा। फिलिस्तीनियों की हत्या से सभी आजाद देश गुस्से में हैं।

रईसी ने कहा, अगर नाजियों के खिलाफ यूरोप की लड़ाई साहस भरा काम था, तो बच्चों की हत्या करने वाले यहूदी शासन के खिलाफ लड़ाई की निंदा नहीं की जा सकती है। वहीं पीएम मोदी ने तनाव को रोकने, मानवीय सहायता पहुंचाने और मिडिल-ईस्ट में शांति स्थापित करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके अलावा दोनों देशों के आपसी कारोबार चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट भी बातचीत का मुद्दा रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में रहने वाली यहूदी कम्युनिटी के करीब 200 लोग इस वक्त आईडीएफ का साथ दे रहे हैं। ये सभी नेई मेनाशे कम्युनिटी से ताल्लुक रखते हैं। यह जानकारी शेवी इजराइल नामक गैर सरकारी संगठन ने दी है। इसके मुताबिक, हाल के दिनों में 75 लोग इजराइल पहुंचे। ये सभी ट्रेंड फाइटर हैं। इनमें तो कुछ एक्टिव पोस्ट पर, तो कुछ रिजर्व में रखे गए हैं। शेवी संगठन दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले इजराइलियों के लिए काम करता है। नेई मेनाशे कम्युनिटी के बारे में कहा जाता है कि वो इजराइल के विलुप्त होती जनजाति से आते हैं।

वहीं सोमवार देर रात इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास के खात्मे के बाद गाजा में सुरक्षा की जिम्मेदारी इजराइल के पास होगी। नेतन्याहू ने कहा, जब हम ऐसा नहीं करते थे तब वहां हमास का आतंक उस पैमाने तक फैल गया, जिसका हमें अंदाजा नहीं था। इजराइली पीएम ने पहली बार ये भी स्वीकार किया है कि बंधकों के निकलने और फिलिस्तीनियों तक सहायता पहुंचाने के लिए वो जंग को थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोक सकते हैं। उन्होंने कहा, हम स्थिति का मुआयना करके जरूरत पड़ने पर कुछ घंटों का विराम घोषित कर सकते हैं।

भारत ने सफलतापूर्वक किया 'प्रलय' बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

बालासोर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने मंगलवार को सफलतापूर्वक सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल प्रलय का परीक्षण किया। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह परीक्षण ओडिशा तट पर अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। बता दें कि प्रलय मिसाइल डीआरडीओ द्वारा विकसित की गई है। अधिकारियों ने बताया यह परीक्षण सुबह 9.50 बजे किया गया और इसने अपने सभी उद्देश्यों को पूरा किया।

ट्रैकिंग उपकरणों से मिसाइल की ट्रैजेक्टरी का विश्लेषण किया गया। बता दें कि प्रलय मिसाइल की रेंज 350-500 किलोमीटर है और यह 500-1000 किलो पेलोड ले जाने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल एलएसी और एलओसी पर तैनाती के लिए विकसित की गई है। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि चीन डोंग फेंग 12 और रूस की इस्केंडर मिसाइलों की तुलना भारत की प्रलय मिसाइल से हो सकती है। यूक्रेन युद्ध में रूस ने इस्केंडर मिसाइल का खूब इस्तेमाल किया है। बता दें कि पाकिस्तान के पास भी इस रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है।

गौरतलब है कि एक महीने पहले ही भारतीय वायुसेना ने लंबी दूरी की हवा से लॉन्च की जाने वाली ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। वायुसेना ने बंगाल की खाड़ी में यह परीक्षण किया गया, जिसमें फाइटर जेट सुखोई-30एमकेआई से ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल लॉन्च की गई। यह मिसाइल 1500 किलोमीटर की दूरी तक अपने लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। ब्रह्मोस मिसाइल भारत के सबसे घातक हथियारों में से एक है।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की कार से हुआ भीषण एक्सीडेंट

तीन बच्चों की हालत गंभीर, एक टीचर की मौत

छिंदवाड़ा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की कार हादसे का शिकार हो गई। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी जिससे एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन स्कूली बच्चे घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब प्रहलाद पटेल छिंदवाड़ा से जनसंपर्क कार्यक्रम निपटा कर नरसिंहपुर लौट रहे थे। सिंगोड़ी बाईपास के पास निजी स्कूल से बच्चों को लेकर लौट रहे एक टीचर की बाइक को उनकी कार ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे भूरा मोहगांव निवासी निरंजन चंद्रवंशी बुरी तरह से जख्मी हो गए, जबकि उसके साथ बैठे तीन बच्चे भी घायल हो गए, तत्काल केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने अन्य स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं, उपचार के दौरान शिक्षक निरंजन चंद्रवंशी (35) को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि तीन बच्चों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

प्रहलाद पटेल का पैर में चोट :

हादसे के दौरान प्रहलाद पटेल के पैर में भी मामूली चोट आई है। वहीं, उन्होंने तत्काल घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसे के कुछ देर बाद प्रहलाद पटेल दूसरे वाहन से नरसिंहपुर निकल गए। इस दौरान काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए थे, यहां से प्रहलाद पटेल के जाने के बाद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के द्वारा नारेबाजी भी की गई। भाजपा कार्यकर्ता भी यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ता के खिलाफ नारे लगाते नजर आए।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 8 नवंबर - 2023

चुनावी चकल्लस में रेवड़ियों के साथ जोड़ियों की चर्चा

मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में इस बार रेवड़ियों के साथ राजनीतिक जोड़ियों को लेकर भी खूब बवाल मचा है। बात 'शोले' के 'जय- वीरू' से शुरू होकर मेरे अपने के श्याम-छेनू से होते हुए 'गब्बरसिंह और सांभा' तक पहुंची।

इस जोड़ियों का जिक्र कभी राजनीतिक विरोधियों का चरित्र उजागर करने तो कभी सियासी संदर्भ में अपनी अटूट मैत्री जताने के भाव से किया जा रहा है। लेकिन जिस शाश्वत मैत्री को दर्शाने के लिए जिन जोड़ियों का जिक्र किया गया, वो स्वयं अपने आप में नकारात्मक फिल्मी चरित्र रहे हैं। ऐसे में ऐसी उपमा देने और रूपक बांधने वाले नेताओं का मानस और सोच पर भी सवाल उठते हैं।

चाहे कांग्रेस हो या भाजपा, राम का नाम किसी न किसी न संदर्भ में चुनाव में लिया जा रहा है, लेकिन किसी ने भी किसी की तुलना 'राम- लखन' की जोड़ी से नहीं की, शायद इसलिए क्योंकि राजनीति में नैतिक जीवन जीने, मर्यादाओं में रहने और वचन निभाने की बात महज जुमलेबाजी से ज्यादा नहीं है। ऐसे में कोई राम- लखन नहीं बनना चाहता। बनना चाहता है तो 'जय वीरू' या 'श्याम छेनू वगैरह।' गहराई से देखें तो यह भारतीय राजनीति और राजनेताओं के मानस में आई गुणात्मक गिरावट को भी परिलक्षित करता है।

कहते हैं कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है और न ही कोई कायम दुश्मन। राजनीतिक दोस्ती और दुश्मनी अवसरवाद और स्वार्थ सिद्धी के हिसाब से संचालित होती है और बिखरती है। यहां कब जानी दुश्मन एक- दूसरे को गले लगाने लगें और कब एक- दूसरे का गला काटने लगें, कोई नहीं जानता और ऐसा करने के

वाजिब तर्क भी गढ़ लिए जाते हैं।

मप्र के विधानसभा चुनाव बीजेपी और कांग्रेस का गणित

मप्र के विधानसभा चुनाव में इस बार जहां मतदाताओं को खुलकर रेवड़ियां बांटने की दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियों में होड़ मची है, वहीं दोनो पार्टियों के शीर्ष नेता एक दूसरे को खारिज करने अथवा स्वयं को 'दो जिस्म एक जान' बताने के लिए मिथक बन चुकी फिल्मी जोड़ियों के नामों का सहारा ले रहे हैं।

चुनाव प्रचार के घमासान में बात 'शोले' के अमर चरित्र 'जय और वीरू' की जोड़ी के जिक्र से शुरू हुई। राज्य में कांग्रेस के दो शीर्ष नेताओं कमलनाथ और दिग्विजय के बीच अनबन की खबरों का खंडन करते कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने मीडिया से कहा कि दोनो शोले के जय और वीरू की जोड़ी हैं। अर्थात दोनो मिलकर एक ही लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं, जिसका मकसद बदला लेना है। लेकिन सुरजेवाला भूल गए कि शोले के जय और वीरू पेशे से चोर थे, जिन्हें डाकुओं से बदला लेने की सुपारी एक ठाकुर ने दी थी।

जय और वीरू की दोस्ती भले 'दम तोड़ने तक कायम' रहने वाली थी। लेकिन उनकी पृष्ठभूमि नकारात्मक थी। बीजेपी ने इस तुलना को हाथों-हाथ लेकर कांग्रेस पर जवाबी हमले शुरू कर दिए। मजे लेने के अंदाज में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि 'जय- वीरू' 'की यह जोड़ी लूट के माल के लिए है।

प्रदेश भाजपाध्यक्ष वी.डी.शर्मा ने इसे कांग्रेस की लुटेरी जोड़ी बताया। इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने पलटवार किया कि शिवराज जी, जय और वीरू ने ही अत्याचारी गब्बर सिंह का हिसाब किया था।

मध्य प्रदेश 18 साल से अत्याचार से त्रस्त है। अब अत्याचार के अंत का समय आ गया है। लेकिन इन्हीं 'जय वीरू' में केन्द्रीय मंत्री और दिमनी सीट से भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र सिंह तोमर ने 'पक्की दोस्ती' का सकारात्मक तत्व बूझते हुए स्वयं को और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को 'जय- वीरू की जोड़ी बताया। उस वक्त उनका आशय शायद डाकू गब्बर का खात्मा करने वाले जय- वीरू से था। इसका अर्थ यह हुआ कि भाजपा वाले 'जय-

वीरू' की जोड़ी की व्याख्या भी सुविधा से परिवारवादी अंदाज में करते हैं।

शिवराज सिंह चौहान की श्याम छेनू की जोड़ी

उधर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने जब जय-वीरू की दो व्याख्याएं सामने आईं तो उन्होने तुरंत ट्रैक बदला और कमलनाथ- दिग्विजय की जोड़ी को गुलजार की यादगार फिल्म 'मेरे अपने' की जोड़ी 'श्याम-छेनू' से कर दी। ये जोड़ी भी गांव के रंगदारों की थी, जिनमें मोहल्ले पर कब्जे को लेकर प्रतिस्पर्द्धा चलती है।

ये चरित्र भी समाज के लिए नकारात्मक ही थे। इस पर कमलनाथ का पलटवार था कि शिवराजजी अपनी अदाकारी के लिए मशहूर हैं। अब नरेन्द्र तोमर भी फिल्मी पात्रों पर शोध कर रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष किया कि अब भाजपा इमर्जेंसी मीटिंग बुलाकर तय कर ले कि इन दोनो में गब्बर है और सांभा है।

यानी मामला अब चोरी, रंगदारी से बढ़कर डाका डालने वाले चरित्रों तक पहुंच गया। चरित्र हनन के आरोप-प्रत्यारोपों के बीच भाजपा नेता और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी सभा में जनता से पूछा कि 'जय वीरू' कौन थे तो जवाब आया 'चोर थे।' यही नहीं एक सभा में ज्योतिरादित्य ने खुद को ऐसा काला कौआ बताया जो झूठ बोलने वाले को काटता है। उनका निशाना भी उनकी पूर्व पार्टी कांग्रेस के शीर्ष नेता थे। अब यह अलग बात है कि झूठ बोलने वाले कौव्वे का कोई इलाज शास्त्रों में नहीं बताया गया है।

हैरानी की बात यह है कि हिंदी फिल्मों में नायकों की जो जोड़ियां चर्चा में रही हैं, वो प्रायः नकारात्मक चरित्रों से सम्बन्धित ही हैं। भले ही महिमा मंडित करने के लिए बाद में उनसे सत्कर्म कराने पर दिया गया हो। मसलन फिल्म 'विक्टोरिया नंबर 203 के किडनैपर राजा और राना की जोड़ी हो या फिर गुमशुदा करोड़पति लड़की को खोजने वाले कथित 'दो जासूस' धरमचंद करमचंद की जोड़ी हो। एक हिट जोड़ी फिल्म 'छोटे मियां, बड़े मियां' के दो पुलिस इंस्पेक्टर दोस्तों 'अर्जुनसिंह और प्यारेमोहन' की भी है, लेकिन उनसे अपनी तुलना कोई राजनेता नहीं करना चाहता।

अब सवाल यह है कि राजनेताओं को 'जय- वीरू टाइप चरित्र ही क्यों भाते हैं? ऐसी दोस्तियां ही उन्हें अनुकरणीय क्यों लगती हैं? इसका राजनेताओं के मनोविज्ञान और नैतिकता से कितना और कैसा सम्बन्ध है?

क्या वो जनता के मानस को बेहतर ढंग से समझते हैं और क्या जनता भी ऐसे ही चरित्रों और दोस्तियों को सत्ता सिंहासन पर विराजमान होना क्यों देखना चाहती है? और अगर ऐसे ही चरित्र समाज को स्वीकार्य हैं तो हमे राजनीति में नीतिमत्ता की बात क्यों कर करना चाहिए?

हवा में घुलता जहर

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट सख्त नजर आई। आज सुनवाई के दौरान जस्टिस कौल ने पंजाब, हरियाणा, यूपी और राजस्थान सरकारों को सख्त आदेश दिया है कि पराली जलाना तुरंत बंद किया जाए। उन्होंने कहा- प्रदूषण को देखते हुए हमारा सब्र खत्म हो रहा है, अगर हमने एक्शन लिया तो हमारा बुलडोजर रुकेगा नहीं। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को भी निर्देश दिया कि ठोस कचरा खुले में न जलाया जाए, क्योंकि दिल्ली को साल दर साल प्रदूषण से जूझने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता है। जस्टिस कौल ने केंद्र से कहा कि वह किसानों को सब्सिडी देने और दूसरी फसलों की पैदावार के लिए प्रेरित करे, ताकि ठंड से पहले पराली जलाना बंद हो सके। मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी। यह फैसला दिल्ली में वायु प्रदूषण के लगातार खतरनाक स्तर को कम करने के लिहाज से बेहद अहम है। यहां की हवा पिछले 8 दिनों से बेहद खराब है। बता दें कि ठंड का मौसम आते ही दिल्ली और आसपास की हवा ऐसी हो जाती है जो बेहद खतरनाक कही जा सकती है। सबसे बडी मुश्किल यह है कि जब तक हालात बेकाबू न हो जाए तब तक सरकार कोई भी ठोस कदम उठाने से हिचकिचाती रहती है। अफसोस तो यह है कि आम नागरिक भी प्रदूषण के कारणों पर सहयोग करने को तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि हर साल ऐसी स्थिति बनती है और लोगों का स्वास्थ्य बिगडता चला जाता है। दिल्ली सरकार ने भी आड-इवन का आसान रास्ता अपना रखा है, जिसके तरह तेरह से बीस नवंबर तक दिल्ली में यह नियम लागू रहेगा। हालांकि हवा में घुलते जहर के असर को कम करने के लिए पिछले दिनों उठाए गए बड़े कदमों के क्रम में यह दूसरा फैसला है। दिल्ली में प्राथमिक स्कूलों को दस नवंबर तक बंद रखने की घोषणा की गई है। राजधानी में इस समस्या के मद्देनजर ग्रैप-4 की पाबंदियां पहले से ही लागू हैं। हर साल ठंड की शुरुआत में हवा के घनीभूत होने के साथ ही पीएम-5 और अन्य घातक सूक्ष्म कणों के असर से जनजीवन बाधित होने लगता है। इसके बाद भी सरकार तब कोई बड़ा फैसला नहीं करती है, जब तक मामला हाथ से न निकल जाए। सम-विषम व्यवस्था के बाद दिल्ली की सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों की संख्या में कमी आना स्वाभाविक है। इससे हवा में घुलने वाले प्रदूषण में कमी आने की भी उम्मीद की जा सकती है। सवाल है कि प्रदूषण में बढ़ोतरी पर काबू पाने के मामले में अगर सम-विषम सहित अन्य उपायों को इतना ही कारगर माना जाता है तो इन्हें समय रहते लागू क्यों नहीं किया जाता? क्या ऐसा संभव नहीं है कि हवा में खतरनाक तत्त्व घोलने वाले कारकों पर समय रहते लगाम लगाया जाए, इसके साथ-साथ आम लोगों के बीच भी जागरूकता अभियान चलाया जाए। लोगों को बताया जाए कि इस समस्या से लड़ने में उनकी भी कुछ जिम्मेदारी है? यों भी तापमान में कमी के साथ अगर हवा में ठहराव की स्थिति बनती है, तो धूल और धुआं के अलावा अन्य तत्त्व मिल कर वायु प्रदूषण की समस्या को जटिल एवं जानलेवा बना देते हैं। इसकी वजह से वायु की गुणवत्ता खराब हो जाती है। अक्टूबर के आखिरी दिनों में वायु गुणवत्ता सूचकांक में दिल्ली की तस्वीर बिगड़नी शुरू हुई थी और तब से यह कमोबेश 'बहुत खराब' की श्रेणी में ही है। अब सम-विषम व्यवस्था के अलावा ग्रैप-4 लागू होने के बाद स्थिति में सुधार की संभावना व्यक्त की जा रही है, लेकिन जब तक इस समस्या का दीर्घकालिक एवं वैज्ञानिक समाधान नहीं निकाला जाएगा, तब तक हर साल इसी तरह तात्कालिक उपायों के जरिए संकट को संभालने की कोशिश करनी पड़ेगी। अफसोस की बात यह भी है कि वायु प्रदूषण से जिस तरह खतरे पैदा होते हैं, उसके भुक्तभोगी आम लोग होते हैं, मगर जब तक सरकार कोई सख्त नियम नहीं लागू करती, तब तक अपनी ओर से लोग वैसा सुनिश्चित करने की कोशिश शायद ही करते हैं।

ऑफर ही ऑफर

अरुण अर्णव खरे

दीपावली के आने की जितनी खुशी होती है, दीपावली के नजदीक आते ही जान सि कु ड़ ने लगती है ।घर का सर्वसम्मत और निर्विवाद मुखिया होने के बावजूद मेरी स्थिति अल्पमत सरकार के मुखिया जैसी हो जाती है । यह भी सच है कि मुझे मुखिया पद से अपदस्थ किए जाने का कोई खतरा नहीं है और न ही किसी की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की संभावना है लेकिन सभी मेरी ओर अजीब सी ललचाई नजरों से देखने लगते हैं जैसे सरकार के आखिरी साल में मंत्री पद पाने के लिए विधायक हाई कमान की ओर ताकते पाए जाते हैं । दस दिन बाद ही दीपावली थी । हर दिन की तरह उस दिन भी मैं सुबह की चाय मिलने की प्रतीक्षा में था कि छोटी बेटी चाय के साथ दो टोस्ट लेकर आ गई । मैं चौंका और पूरब की तरफ देख कर कन्फर्म किया कि सूरज अपनी निर्धारित दिशा से ही निकला है या नहीं । बेटी जो छुट्टी के दिन दस बजे से पहले नहीं उठती है आज छः बजे चाय के साथ हाजिर है, यह तो गजब हो गया । मैंने कप उठाया और सिप लेने जा ही रहा था कि वह बगल में बैठ गई और बहुत प्यार से बोली - पापा, कल का पेपर नहीं देखा आपने, ट्रिपल कैमरे वाले स्मार्टफोन पर तीन माह का रिचार्ज फ्री और पाँच सौ रुपए छूट का आफर चल रहा है; देखा तो था .. पर मुझे नए मोबाइल की जरूरत नहीं है अभी; - मैंने चाय का सिप लेते हुए कहा ।पापा, आप भी .. मैं आपकी नहीं अपनी बात कर रही हूँ । मैं कबसे पुराने वर्सन वाले मोबाइल से काम चला रही हूँ, सेल्फी तक सही नहीं आती उससे । मुझे ये वाला मोबाइल चाहिए इस दीवाली पर, पुराना स्मार्टफोन मम्मी को दे दूँगी, इसी बहाने वह भी स्मार्ट हो जाएँगी बेटी ने लड़ियाते हुए अपना निर्णय सुना दिया । मुझे एकाएक समझ में नहीं आया कि बेटी को क्या कहूँ ? सुबह से लेकर देर रात तक अथक रूप से व्यस्त रहकर सबका काम समय पर करने वाली माँ बेटी को स्मार्ट नहीं लग रही है । माँ को स्मार्ट होने के लिए पुराने फोन की जरूरत है । मतलब व्यक्ति के पास स्मार्टफोन नहीं तो वह स्मार्ट नहीं । मैं सोच ही रहा था कि कुलदीपक जी प्रकट हो गए, यह उस सुबह का दूसरा आश्चर्य था । वह भी स्नेह जताते हुए बोले - पापा पिछली दीवाली पर आपने लेपटॉप दिलाया था, सोचता हूँ इस बार बाइक ले लूँ, स्कूटी से कॉलेज जाने पर निगेटिव फीलिंग आती है, दोस्त लोग अजीब निगाह से देखते हैं, बैठने से कतराते हैं । इस बार 150 सीसी बाइक के साथ फ्री म्यूजिक सिस्टम का ऑफर भी है, घर में म्यूजिक सिस्टम है भी नहीं .. बहुत बढ़िया मौका है पापा । मुख्यमंत्री ने भी इस बार सैलरी

दीपावली से पहले देने की घोषणा कर दी है .. उन्हें भी फिकर है कि बच्चों की दीपावली अच्छे से मने .. तो फिर डन समझूँ मैं कुछ कहता कि बड़ी बेटी भी आ गई । मैंने उसकी ओर कातरता से देखा और उसने मेरी ओर परम संतोषी भाव से देखते हुए कहा - पापा इस बार मेरी कोई डिमांड नहीं है, आप जो दिलाएँगे मैं खुशी-खुशी ले लूँगी .. बस इतना ध्यान रखिए कि छुटकी और छोटे से कम न हो जैसा इन लोगों ने बताया है, तुम भी बता दो मेरे मुँह से निकला । कल मंजरी ने मुझे मोटी कह कर छेड़ा था, आप बताइए, क्या मैं सच मैं मोटी लगती हूँ ? यदि आप मेरे मन का ही दिलाना चाहते हैं तो मुझे इलिप्टिकल एक्सरसाइज मशीन दिलवा दीजिए ।

सत्तर घंटे काम में बुराई क्या है ?

हाल में इन्फोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने एक पॉडकास्ट के दौरान यह विचार क्या व्यक्त कर दिया कि देश के उत्थान के लिए युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने को तत्पर रहना चाहिए, कि बवाल हो गया। वामपंथी-उदारवादी, कॉरपोरेट जगत के लोग, यहां तक कि अध्यापकगण भी उन पर टूट पड़े। वामपंथियों का कहना था कि यह तो कर्मचारियों का शोषण होगा, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। कॉरपोरेट जगत के लोगों ने कहा कि देश को आगे ले जाना है, तो उद्योगों में ज्यादा पूंजी निवेश और उच्च तकनीक का इस्तेमाल होना चाहिए। किसी का कहना था कि अब तो कृत्रिम मेधा का जमाना है, ऐसे में, चैटजीपीटी से काम करवाना चाहिए, न कि मनुष्यों से। एक उपन्यासकार का कहना था कि पैंतीस घंटे में भी सत्तर घंटे से ज्यादा काम किया जा सकता है। सबसे विचित्र टिप्पणी एक पूर्व प्रोफेसर की थी। उन्होंने कहा कि नारायणमूर्ति तो मात्र आर्थिक समृद्धि के उद्देश्य से काम, काम और अधिक काम की बात कर रहे हैं, जबकि हमें अच्छा और सार्थक जीवन जीने की आवश्यकता है। अच्छे और सार्थक जीवन से उनका तात्पर्य था कि हमारे पास खाली समय होना चाहिए, जिसमें हम अपने को जान सकें, डूबते सूरज के सौंदर्य को देखते हुए विन्सेंट वॉन गॉग को याद कर सकें, या किसी पीले फूल पर मंडराती तितली को देखकर ध्यानमग्न हो सकें।

ऐसे लोग भूल रहे हैं कि जो भी आदमी नौकरी करता है, अपनी मर्जी से करता है, भले वह नौकरी करना उसकी विवशता ही क्यों न हो। नौकरी कर लेने के बाद उसका काम के बोझ संबंधी शिकायत करना अनैतिक है और नियम विरुद्ध भी। आपको किसी ने बंदूक दिखाकर नौकरी करने के लिए बाध्य तो नहीं किया था।

नारायणमूर्ति की आलोचना करने के दुराग्रह में ऐसे लोग दो और बातों की अनदेखी कर रहे हैं। पहली यह कि देश में रोजगार मिलना इतना कठिन है कि अधिकतर युवा जो काम मिल जाए, वही करने को तैयार रहते हैं। अपने लंबे सेवाकाल में मैंने हजारों युवाओं से बात की है। सबका यही कहना था कि उन पर जिम्मेदारियां हैं और वे विदेशों की भांति ऐसी नौकरी की प्रतीक्षा में घर पर बेकार बैठे नहीं रह सकते, जिसमें उन्हें काम से संतुष्टि प्राप्त हो। उनकी पहली प्राथमिकता पेट में रोटी के लिए पैसे कमाने की है।दूसरी बात यह कि अच्छे संस्थानों से इंजीनियरिंग/एमबीए आदि किए हुए जो युवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अच्छी नौकरी पा जाते हैं, उनका सारा फोकस इस पर होता है कि उन्हें कितना मोटा पैकेज मिल रहा है। आजकल बहुराष्ट्रीय कंपनियां जितनी मोटी तनख्वाह दे सकती हैं, उतनी सरकार में सर्वोच्च पदों पर भी नहीं मिलती। मोटे वेतन के कारण ही वे युवा पॉश कॉलोनियों में मकान ले पाने में सक्षम होते हैं, आधुनिक सुख-सुविधापूर्ण जीवन बिताते हैं, महंगी कारें रखते हैं, फाइव-स्टार होटलों में डिनर लेते हैं, घर पर दोस्तों के साथ शानदार पार्टियां करते हैं, छुट्टियां मनाने विदेश जाते हैं और बच्चों को महंगे स्कूलों में पढ़ाते हैं। ये सभी चीजें आजकल जीवन में सफलता का मापदंड बन गई हैं। इन्हें हासिल करने के लिए आज के युवा सत्तर घंटे तो क्या, उससे ज्यादा काम करने के लिए भी तैयार हैं। उन्हें डूबते सूरज का सौंदर्य या फिर तितलियां देखने का कोई शौक नहीं है।

ध्यान रखना चाहिए कि जिन लोगों ने अपना व्यवसाय खुद खड़ा किया है, वे सप्ताह में सातों दिन 18 से 20 घंटे जी-तोड़ मेहनत करते हैं। यही नहीं, निजी डॉक्टर, वकील, आर्किटेक्ट, दुकानदार आदि को सप्ताह में सत्तर घंटे से ज्यादा ही काम करना पड़ता है। पुलिस की नौकरी में चौबीस घंटे ड्यूटी पर रहना पड़ता है। लेकिन उन्होंने या उनके परिवारजनों ने कभी शिकायत नहीं की है, क्योंकि वे जानते हैं कि बेहतर जीवन जीने के लिए खाली समय के सुख का त्याग करना ही पड़ता है। ध्यान रखना चाहिए कि नारायणमूर्ति ने देशहित में सदाशयतावश एक सुझाव मात्र दिया था, कोई फतवा जारी नहीं किया था।

स्वाभिमान से उपजी एकता

संजीव ठाकुर

करीबन आठ सौ से हजार वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेक जीवन का बलिदान देने और विभिन्न संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस संघर्ष से प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है अब कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा। स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग-अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर ,मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं । कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी,मराठी,तेलगु,और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं। मूलतः हमें राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिकता के विद्वेष, ईर्ष्या, जलन और सीमा तथा भाषाई विवाद से परे हटकर देश में अखंडता, सांप्रदायिक सद्भावना का एक शुद्ध वातावरण समाज में तैयार करना होगा, जिसके फलस्वरूप हम विकास की मुख्यधारा में अपना व्यक्तिगत योगदान राष्ट्र के प्रति दे संके। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि ₹भारत संपूर्ण विश्व में एक अकेला ऐसा राष्ट्र है जहां मंदिरों ,मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों का एक एकात्मक सह अस्तित्व कायम है₹।

वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति सद्भावना एवं किसी भी राष्ट्र की अखंडता एकता एकरूपता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। आतंकवादी कभी अमेरिका और कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक प्रदेशों को अपना निशाना बनाकर आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं और आतंकवाद ने कई राज्यों में अपार जनहानि तथा संपत्ति की क्षति पहुंचाई है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्रीय एकता अखंडता को भंग करने का पुरजोर प्रयास किया है। राजनीतिक पार्टियों के मंसूबों तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं के कारण भी अलग-अलग जातियों संप्रदाय तथा पूजा के पवित्र स्थानों को लेकर समाज को अलग करने का बीजारोपण भी किया है। राजनीतिक पार्टियों के चंद राजनेता वोट बैंक बनाने के लिए कभी अल्पसंख्यकों में अलगाव के बीच बोलने का प्रयास करते हैं। कभी आरक्षण के नाम पर पिछड़े वर्गों को देश की मुख्यधारा से बहकाने का प्रयास करते हैं, और कभी किसी विशेष जाति प्रांत या भाषा के हकदार बन कर देश की एकता, अखंडता को खंडित करने का पुरजोर प्रयास करते हैं। यह अत्यंत निंदनीय एवं चिंतनीय सामाजिक पहलू है, जिस संदर्भ में हमें गहन विचार करने की आवश्यकता भी है। सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य वर्ग सुचारू रूप से भाईचारे में अखंड विश्वास रखते हैं एवं सामान्य जीवन करने में विश्वास रखते हैं। पर राजनैतिक मंसूबों के कारण कुछ राजनेता इन सभी संप्रदायों को आपस में लड़वाकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास करते हैं। पर यह एक अत्यंत विचारणीय पहलू है कि राष्ट्रीय अखंडता एकता तथा सहयोग को बनाए रखने के लिए केवल राजनेता या प्रशासनिक अधिकारियों का कार्य न होकर हम सबका यह कर्तव्य भी है कि हमें एकजुट होकर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को सदैव बनाए रखने का सतत प्रयास करना चाहिए। हम यदि ऐतिहासिक रूप से देखें की अनेक धर्मो जातियों और अनेक भाषाओं वाला भारत देश पूर्व में अनेक विसंगतियां के बावजूद सदैव एकता के सूत्र में बंधा रहा है। भारत देश में पूर्व में भी अनेक विदेशी जातियां आई और धीरे-धीरे भारत की मूल धारा में समाहित होती गई। भारत में आगमन के साथ इन्हीं जातियों की परंपराएं, विचारधाराएं, संस्कृति, संस्कार भारत की मुख्य धारा में एक रूप हो गई

और भारत की सांप्रदायिक सौहार्द की भावना आज भी वैसी की वैसी ही है। भारत के जिम्मेदार नागरिक होने के कारण हमारी बड़ी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इस देश की अखंडता एकता समरूपता और परंपरा को मजबूत बनाकर विश्व के सामने एक मिसाल के रूप में पेश करें। यह सार्वभौमिक सत्य है कि कोई देश यदि संगठित एक रूप और शक्तिमान होता है तो सारा विश्व उसकी इस ऊर्जा शक्ति को चिन्हित कर उसका सम्मान करता है। और उस पर आक्रमण या किसी भी तरह के प्रतिबंध लगाने से भयभीत रहता है। जब तक हम एकता के सूत्र में बंधे तब तक हम मजबूत एवं शक्तिशाली हैं और जब हम खंडित या विघटित हुए तब तब देश कमजोर हुआ है। अब हमें इन विघटनकारी ताकतों और विध्वंस कारी शक्तियों को नियंत्रण में लाकर इन्हें देश से बाहर भगाना होगा और इन पर प्रभावी नियंत्रण कर के देश की संप्रभुता एकता को बनाए रखना होगा। इसके लिए देश के संचार माध्यम, मीडिया, साहित्यकारों, कलाकारों को राष्ट्रीय एकता के लिए अपने को समर्पित भाव से सामने लाकर देश की सेवा करनी होगी।

'हैलोवीन' का स्कूली पाठ

हमारे समाज का एक वर्ग पश्चिमी सभ्यताओं की कुरूपताओं और विद्रूपताओं को अंगीकार कर अपने-आपको उन्नत समझने की मानसिकता पालने लगा है। अभी यह बीमारी बड़े शहरों के नव-धनाढ्य और छद्म-बौद्धिक वर्ग में है, जो अपनी संस्कृति के गंभीर यथार्थ, मानवीय हितों और जमीनी हकीकतों से स्वयं को जान-बूझकर दूर कर रहा है और दिखावे को अपना रहा है। आशंका यह है कि विडंबना का यह काला साया भविष्य में धीरे-धीरे छोटे शहरों, कस्बों तक फैल जाएगा और उसके वाहक होंगे वहां कुकुरमुत्तों की तरह उग चुके तथाकथित अंग्रेजी माध्यम के स्कूल, जिनका अंग्रेजी भाषा के सारगर्भित और लालित्यपूर्ण साहित्य से बच्चों को परिचित कराने का दूर-दूर तक कोई मकसद नहीं है। वे तो मानो बच्चों को हैलोवीन जैसी विद्रूपताओं के गर्त में धकेलने को ही अपना मकसद और इसे हासिल कर लेने में ही अपनी सफलता मानते हैं। विडंबना यह भी है कि युवा माता-पिता इस काले वीभत्स साये की जबर्दस्त गिरफ्त में हैं और बाल मन पर थोपी जा रही अप-संस्कृति के माध्यम से हो रहे कुठाराघात को रोकने के लिए तत्पर नहीं, बल्कि उसके प्रति सहयोगात्मक रवैया अपना रहे हैं। हो सकता है, यह उनकी विवशता हो, क्योंकि उन्हें सोसाइटी में रहना है। और, दादा-दादी या नाना-नानी जैसे बुजुर्ग क्या करें, जो जीवन के अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर होते हुए अपने कमाऊ बेटे-बहू या बेटी-दामाद के पास रह रहे हैं और अपने पोते-पोतियों, नाती-नातिनों को

हैलोवीन जैसे पर्व मनाते देख रहे हैं? वे तो बस अपने बचपन को याद कर सकते हैं, जब वे खुद बच्चे थे और कभी मोहल्ले में घर-घर जाते थे, बुजुर्गों के पैर छूते थे, आशीर्वाद के साथ सुसंस्कारित होने की अच्छी-सी कोई सीख और मिठाई पाते थे। अब बदले हुए परिवेश में वे अपने पोते-पोती, नाती-नातिनों को क्या कहें? दैत्य-राक्षसी का मेकअप सजाकर या मुखौटा पहनकर अपने घर आए बच्चों को क्या आशीर्वाद; क्या सीख दें? दिक्कत यह है कि बाल शिक्षण के क्षेत्र में गुणवत्ता उन्नयन का अपना कोई देशज शिक्षाविद नजर नहीं आता। पिछली सदी में दार्शनिक और बाल शिक्षण सिद्धांतकार विवेकानंद, महर्षि अरविंद, रवींद्रनाथ टैगोर और महात्मा गांधी ने भारतीय संदर्भ में आदर्श बाल शिक्षा के सिद्धांत प्रतिपादित किए थे। महात्मा गांधी प्रणीत 'नई तालीम' या 'बुनियादी शिक्षा' को त्याज्य मान लिया गया। हालांकि यह भी एक सच्चाई है कि उनके ही कई सिद्धांतों और पहलुओं को पिछले कुछ दशकों में बने शिक्षा आयोगों ने अपनी रपटों में प्रकारांतर से और नए नाम से अपनी निजी सोच और निजी उपलब्धि बताते हुए शामिल किया है।

विचारणीय यह भी है कि लोग मैकाले को भारत में अंग्रेजियत के संस्कार फैलाने की उसकी बदनीयत भरी शिक्षा नीति के लिए आलोचना का शिकार बनाते तो नहीं थकते, किंतु स्वाधीनता संग्राम के दौरान ही अंग्रेजी पद्धति का साहस के साथ प्रतिकार करने वाले गुजरात के बाल शिक्षाविद गिजु भाई वधेका और बंबई (अब मुंबई) की तारा बाई मोडक को कभी याद नहीं करते, जिन्होंने अपनी कर्मठता और नवाचारी शिक्षण पद्धतियों से बाल शिक्षा के नए आयाम प्रस्तुत किए थे। स्वातंत्र्योत्तर भारत में स्व. नारायण भाई देसाई की दूरदृष्टिपूर्ण शैक्षिक सोच से विकसित सनोसरा (जिला भावनगर, गुजरात) स्थित लोक भारती विद्यालय और पूर्व मध्य भारत प्रांत के शिक्षामंत्री रहे स्व. काशीनाथ जी त्रिवेदी की प्रेरणा से टवलाई (जिला धार, मध्य प्रदेश) में स्थापित ग्राम भारती आश्रम के सुमंगल स्कूल में कई दशकों से बच्चों को नैतिक मूल्यों से जुड़े रहकर कर्मनिष्ठ सदाचारी नागरिक बनाने योग्य शिक्षा दी जाती रही है। बच्चों में सुसंस्कारों का बीजारोपण करने के लिए जिन शिक्षाविदों ने अपना जीवन खपा दिया, वे भी आज सुनियोजित तरीकों से भुला दिए गए हैं। हाल के वर्षों में देश में भारत की प्राचीन विरासत और संस्कृति की रक्षा के लिए बहुत से अभियान शुरू किए गए हैं। एक अभियान बाल संस्कारों की रक्षा के लिए क्यों नहीं?

दिवाली पर बिल्कुल भी न करें ये गलतियां आती लक्ष्मी भी जाती हैं लौट

रोशनी का पर्व दिवाली देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। धनतेरस के साथ दिवाली पर्व आरंभ हो जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी के साथ भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। माना जाता है कि दीवाली के दिन मां लक्ष्मी पृथ्वी पर आती हैं और अपने भक्तों के ऊपर कृपा बरसाती हैं। इस दिन मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा में किसी भी प्रकार कमी न रह जाएं। इसकी खूब कोशिश करते हैं। शास्त्रों के अनुसार, दिवाली के खास मौके पर कुछ नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। जानिए दिवाली के मौके पर क्या करें और क्या नहीं, जिससे मां लक्ष्मी की असीम कृपा प्राप्त होती रहे।

दिवाली पर क्या करें

दिवाली के दिन रंगोली बनाना शुभ माना जाता है। इसलिए घर के प्रवेश द्वार के दोनों ओर आटा या फिर विभिन्न रंगों का इस्तेमाल करके रंगोली बना सकते हैं। इससे मां लक्ष्मी अति प्रसन्न होती है।

दिवाली के दिन तोरण लगाना काफी शुभ माना जाता है। इसलिए आम के पत्ते, फूल आदि का इस्तेमाल करके तोरण बना लें और इसे घर के प्रवेश द्वार में टांग दें। माना जाता है कि ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह तेजी से बढ़ जाता है। इसके साथ ही सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

दिवाली के खास मौके पर घर और ऑफिस को अच्छी तरह से सजाना चाहिए। इससे शुभ फलों की प्राप्ति होती है। दिवाली के दिन झाड़ू का पूजन करना शुभ माना जाता है। इसलिए इस दिन नई झाड़ू की पूजा करने के साथ सफेद रंग का धागा अवश्य बांधे।

दिवाली पर प्रवेश द्वार के दोनों ओर दीपक जलाकर जरूर रखें। इसे मां लक्ष्मी अति प्रसन्न होती है।

अपार धन-दौलत की प्राप्ति

दिवाली के दिन क्या करें

दिवाली के दिन शराब का सेवन बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती है।

दिवाली के दिन घर का वातावरण शांत रहने दें। ऐसे में किसी भी प्रकार का वाद-विवाद करने से बचें।

आमतौर पर संध्या बेला में सोना की मनाही होती है। इसलिए दिवाली के दिन भी शाम के समय बिल्कुल भी न सोएं।

ऐसा करने से घर से दरिद्रता नहीं जाती है।

किसी भी स्त्री का बिल्कुल भी अपमान नहीं करना चाहिए। इससे अशुभ फलों की प्राप्ति होती है।

घर के हर एक कोने में दीपक अवश्य जलाएं। कुएं, हैंडपंप, टंकी आदि के पास दीपक अवश्य रखें।

दिवाली की शाम झाड़ू बिल्कुल भी न लगाएं। इससे मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं।

दिवाली के खास मौके पर किसी को भी लैदर, धारदार चीजें या फिर पटाखे न दें। इससे रिश्तों में खटास बढ़ती है।

59 साल बाद धनतेरस पर बन रहा है दुर्लभ संयोग, इन राशियों को मिलेगा भाग्य का साथ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल धनतेरस पर काफी शुभ योग बन रहे हैं। ऐसे में कुछ राशियों को विशेष लाभ मिल सकता है। हिंदू धर्म में धनतेरस का विशेष महत्व है। इस दिन सोना-चांदी सहित अन्य चीजों की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल धनतेरस का दिन काफी खास है, क्योंकि कई ग्रहों की स्थिति में बदलाव हुआ है। माना जा रहा है कि ऐसा संयोग करीब 59 साल के बाद बना है। बता दें कि इस बार गुरु बृहस्पति अपनी राशि मेष में, शुक्र अपनी मित्र राशि कन्या राशि में और सूर्य तुला राशि में विराजमान रहेंगे। इसके साथ ही शनिदेव भी अपनी राशि कुंभ राशि में करीब 30 साल बाद विराजमान हुए हैं, जिससे शश योग का भी निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही देवताओं के गुरु बृहस्पति अपनी सातवीं दृष्टि से सूर्य को देख रहे हैं। धनतेरस में बन रहे इस योग से कुछ राशि के जातकों को अचानक धन लाभ के साथ बिजनेस, व्यापार में खूब मुनाफा हो सकता है। आइए जानते हैं धनतेरस का दिन किन राशियों को मिलेगा भाग्य का साथ।

मेष राशि – मेष राशि में गुरु बृहस्पति विराजमान है। ऐसे में इस राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। लंबे समय से रुके काम पूरे हो सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बीत सकता है। वैवाहिक जीवन में खुशियां ही खुशियां आ सकती हैं। लंबे समय से रुके काम पूरे हो सकते हैं। स्वास्थ्य भी अच्छा रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को भी लाभ मिलने वाला है। व्यापार में भी खूब मुनाफा मिल सकता है।

मिथुन राशि – ग्रहों की स्थिति के हिसाब से मिथुन राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। धनतेरस के मौके पर भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिससे लंबे समय से रुके काम पूरे होने के साथ धन-संपदा की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य भी अच्छा रहने वाला है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों को मेहनत का फल मिलेगा। उच्च अधिकारी आपका काम देखते हुए पदोन्नति या इंक्रीमेंट दे सकते हैं। व्यापार करने वाले लोगों को भी मुनाफा मिलने के पूरे आसार नजर आ रहे हैं। निवेश करने की सोच रहे हैं, तो इस अवधि में कर सकते हैं। इससे आपको भविष्य में काफी लाभ मिल सकता है।

मकर राशि – मकर राशि के जातकों को भी काफी लाभ मिल सकता है। मेहनत का पूरा फल मिलने के साथ कार्यस्थल में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। कर्ज से छुटकारा मिलने के साथ आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। इसके साथ ही आय के नए स्तोत्र खुलेंगे। बिजनेस में भी कोई बड़ी डील हाथ लग सकती है। शारीरिक और मानसिक समस्याओं से निजात मिल सकती है। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। वैवाहिक जीवन में भी खुशियां बनी रहेगी। पार्टनर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों की भी किस्मत चमक सकती हैं। नई नौकरी तलाश कर रहे लोगों को अब सफलता हासिल हो सकती हैं।

दिवाली के अगले दिन बुध ग्रह होंगे उदय

इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम

दिवाली से बाद कई महत्वपूर्ण ग्रहों की चाल में बदलाव होने जा रहा है। जिसमें ग्रहों के राजकुमार बुध ग्रह का नाम भी शामिल है। आपको बता दें कि व्यापार के दाता बुध ग्रह दिवाली के ठीक एक दिन बाद 13 नवंबर को उदय होने जा रहे हैं। जिसका प्रभाव सभी राशियों के जातकों पर देखने को मिलेगा। लेकिन 3 राशियां ऐसी हैं, जिनको बुध ग्रह के उदय होने से विशेष लाभ हो सकता है। मतलब इनकी किस्मत चमक सकती है। साथ ही कारोबार में अच्छा लाभ हो सकता है। आइए जानते हैं ये राशियां कौन सी हैं...

वृश्चिक राशि – आप लोगों के लिए बुध ग्रह का उदय होना लाभकारी साबित हो सकता है। क्योंकि बुध ग्रह आपकी राशि से लग्न भाव में उदित होंगे। इसलिए इस समय आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। साथ ही आपकी कार्य करने की शैली अच्छी रहने वाली है। वहीं आप अपनी बुद्धिमानी से कई अच्छे निर्णय लेने में सफल रहेंगे। ये फैसले आपके हित में साबित होंगे। करियर में भी बुध आपका खूब साथ देंगे। वहीं इस समय आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। जीवनसाथी का आपको सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही बुध ग्रह आपकी राशि से सप्तम और कर्म भाव के स्वामी हैं। इसलिए इस समय आपको काम- कारोबार में अच्छी तरक्की मिलेगी। साथ ही व्यापारियों को कारोबार में अच्छा लाभ होगा।

मकर राशि – बुध ग्रह का उदय होना मकर राशि के जातकों को शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि बुध ग्रह आपकी राशि से इनकम और लाभ स्थान पर उदित होंगे। इसलिए इस समय आपकी आय में इजाफा होगा। साथ ही आय के नए स्त्रोत बनेंगे। वहीं आपकी आर्थिक स्थिति इस दौरान बहुत ही शानदार रहेगी। व्यापारी वर्ग के लोगों के लिए भी यह समय बेहतरीन रहने वाला है। साथ ही निवेश से लाभ होगा। वहीं बुध ग्रह आपको शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में अच्छा लाभ करा सकते हैं। वहीं बुध ग्रह आपकी राशि के स्वामी शनि देव के मित्र हैं, इसलिए आपको बुध ग्रह का उदित होना अनुकूल साबित हो सकता है।

दिवाली के दिन घर में लगाएं ये 5 लकी प्लांट

कभी नहीं होगी धन की कमी, मां लक्ष्मी का रहेगा आशीर्वाद

हिंदू धर्म में दिवाली के त्योहार का विशेष महत्व है। इस दिन मां लक्ष्मी के साथ गणेश जी की पूजा करने का विधान है। मां लक्ष्मी के आगमन की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। ऐसे में वास्तु शास्त्र में भी कुछ नियमों के बारे में बताया गया है जिन्हें अपनाकर आप मां लक्ष्मी की असीम कृपा पा सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, दिवाली से पहले या फिर दीपावली के दिन घर में कुछ खास प्लांट लगा सकते हैं। इन्हें घर में लगाने से महालक्ष्मी की असीम कृपा प्राप्ति होगी।

फॉर्च्यून प्लांट – दिवाली के मौके पर आप फॉर्च्यून प्लांट घर में लगा सकते हैं। इसे कॉर्न प्लांट भी कहते हैं। यह पौधा घर में लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

इसके साथ ही हर क्षेत्र में सफलता मिलने के साथ रुके हुए काम एक बार फिर से शुरू हो जाते हैं। इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है।

तुलसी का पौधा

कार्तिक मास में तुलसी का पौधा सबसे शुभ माना जाता है। वहीं दिवाली के दिन लगाया जाए, तो कई गुना अधिक फलों की प्राप्ति होती है। इसे घर में लगाने

सकारात्मक एनर्जी तेजी से बढ़ती हैं। इसके साथ बी मां लक्ष्मी की कृपा से हर क्षेत्र में सफलता मिलने के साथ धन-धान्य की बढ़ोतरी होती है।

अपराजिता– घर में दिवाली के मौके पर अपराजिता का पौधा लगा सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस पौधे को घर में लगाने से मां लक्ष्मी अति प्रसन्न होती हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अपराजिता बेल को पूर्व,

उत्तर, उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना शुभ होता है। इसके अलावा मुख्य प्रवेश द्वार के दाएं ओर लगाना भी शुभ माना जाता है।

जेड प्लांट – वास्तु शास्त्र के अनुसार, धन-ऐश्वर्य, सुख-समृद्धि देने वाला ये प्लांट दिवाली के दिन लगाना काफी शुभ माना जाता है। इसे आप घर के अलावा ऑफिस में भी लगा सकते हैं। इससे बिजनेस में बढ़ोतरी के साथ धन लाभ होता है। इसे आप अपने घर की पूर्व दिशा में लगा लें।

रबड़ का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रबड़ के पौधे को काफी शुभ माना

जाता है। इसे घर में लगाने से सदैव खुशहाली बनी रहती हैं और नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती हैं। इसे वित्तीय वृद्धि और धन का प्रतीक माना जाता है। रबड़ के पौधे से निकलने वाला सफेद दूर सकारात्मकता का प्रतीक होता है। इसलिए इसे घर में लगाने से करियर, बिजनेस में बढ़ोतरी होती है। इसे घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। इसे घर के बाहर बिल्कुल भी न रखें।

धनतेरस पर 3 तरह के दीये जलाने का है विधान, टल जाती है अकाल मृत्यु!

धनतेरस का लोगों को सालों भर से इंतजार होता है। लोग इस दिन जमकर खरीददारी करते हैं। क्योकी इस दिन खरीददारी के दृष्टिकोण सें सबसे शुभमाना जाता है। ख़रीददारी के साथ इस दिन पूजा पाठ का भी विधान है। इस दिन प्रदोष काल में माता लक्ष्मी की आराधना की जाती है। इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर मे सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसके साथ ही धनतेरस के दिन दीया जलाने की परम्परा है।यह परम्परा प्राचीन काल से ही चलता आ रही है। वहीं धनतेरस पर घर में तीन तरह के दीये जलाए जाते हैं।

तीन तरह के दीये जलाएं

धनतेरस के दिन पहला दीया यम का जलाया जाता है। जो प्रदोष काल में जलाया जाता है। इस दीये में घी नहीं बल्कि सरसो का तेल डाला जाता है। और इस दी ये को दक्षिण दिशा में जलाना चाहिए। इससे अकाल मृत्यु टाला जाता है।

धनतेरस पर यक के दीयाके अवाला घर के मुख्य द्वार पर दो दीये जलाने चाहिए। इसके साथ हीएक दीया तुलसी के पौधे के पास जलाएं। एक दीया माता लक्ष्मी के पास जलाना चाहिए। वहीं,एक दीया घर की छत पर जलाना चाहिए। ये दीयेघी के जलानेचाहिए। इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर मे सुख समृद्धि बनी रहती है और बीमारी से छुटकारा मिलता है।

धनतेरस के दिन तीसरे तरह के दीये भी घी से ही जलाना चाहिए। इस दिये को घर और मंदिर में गाय के घी के जलाने से घर मे आर्थिक वृद्धि होती है और कर्ज का बोझ कम होता है।

दीपावली में दीया तेल से जलाना चाहिए या घी से

दीपोत्सव का त्यौहार नजदीक है और इस दिन दीपक जलाने का विशेष महत्व है। लेकिन दीया जलाने से संबंधी लोगों में कई तरह की भ्रातियां हैं जिसमें दीपक घी का जलाना चाहिए या तेल का। दीपक मिट्टी का हो या फिर किसी धातु का, घर के पूजा घर या मंदिर में घी, तेल, सरसो, तिल या चमेली के तेल सहित अलग अलग तरह के तेलों से दीपक जलाने का प्रचलन है। जिनका महत्त्व भी अलग-अलग होता है। हिन्दू धर्म में घी का दीपक जलाना सबसे शुभ माना गया है लेकिन घी का दीपक तेल के दीपक के मुकाबले महंगा पड़ता है इसलिए लोग तेल का दीप ही ज्यादा जलाते हैं।

मिट्टी का दीपक पंच तत्वों का प्रतीक है जो अष्ट लक्ष्मी की कृपा दिलाता है। तेल आरोग्य प्रदान करता है। वहीं घी एक ख़ास प्रक्रिया के बाद मथ कर निकला पदार्थ है जो दीप के साथ आहूत का कार्य कर देवताओं को प्रसन्न करता है। साथ ही हर चीज का अपना महत्त्व है।

मिट्टी के दीपक का महत्त्व

मानव शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना है जिसमें सिर्फ मिट्टी ही है। जिसकी वजह से मानव शरीर को देखा जा सकता है अन्यथा 4 तत्वों में शरीर नहीं दिखेगा, अदृश्य हो जायेगा। इसलिए यदि मनुष्य को इस लौकिक जगत का दुख सुख चाहिए तो मिट्टी का ही दीपक जलाना चाहिए यह शुद्धता, पवित्रता, पंच तत्वों का प्रतीक है। मिट्टी के दीपक से ही हमे अष्टलक्ष्मी की कृपा मिल सकता है।

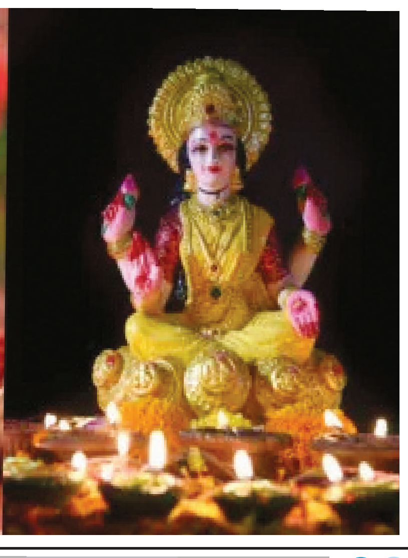

मिट्टी के दीये घी से जलाएं या फिर तेल से

तेल आरोग्यता प्रदान करता है। साथ ही शत्रुओं से रक्षा कर विजयी प्रदान करता है। ऐसे में घर के बाहर तेल का दीया जलाना चाहिए।

वहीं देव स्थान में 1,5 या 11 घी के दीपक जलाना चाहिए इससे समृद्धि मिलती है। घी शुद्घता, पवित्रता और ब्रम्ह का प्रतीक है। देवताओं को रुचिकर है, यज्ञ, हवन इत्यादि में घी की आहूति होती है। ऐसे में घी ना सिर्फ दीपाक बल्कि आहुति का भी कार्य करता है। इसलिए दीपक मिट्टी के घी का ही जलाना चाहिए।

घर के बाहर या अन्यत्र जगह तेल का दीपक भी जलाया जा सकता है। कुछ देवताओं में रुचिकर जैसे शनिदेव को तेल प्रिय है। बजरंगवाली को चमेली का तेल। सनातन धर्म में घी का दीपक सबसे शुभ माना गया है। घी का दीपक जलाना आर्थिक तौर पर मंहगा होता है इसीलिए अधिकत्तर लोग तेल का दिया जलाते हैं।

आदर जैन के साथ ब्रेकअप की खबरों को तारा सुतारिया ने किया कंफर्म

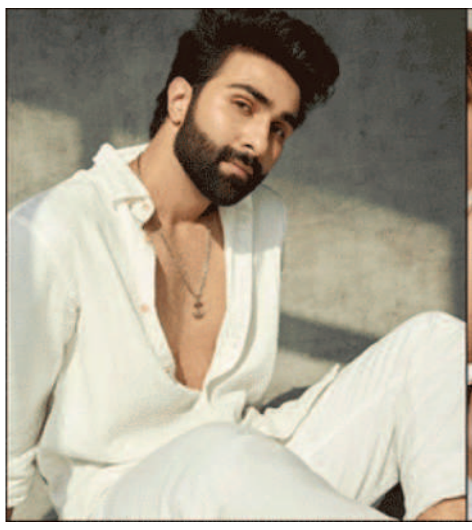

तारा सुतारिया ने ब्रेकअप की खबरें को कंफर्म कर दिया है। उन्होंने कहा है कि वो किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं। उनके इस बयान से ये संकेत मिल गया है कि आदर जैन के साथ उनका रिश्ता खत्म हो चुका है। तारा ने बताया कि आदर के साथ उनका रिश्ता खत्म हो गया है। इसी के साथ अपने रिलेशनशिप पर अपडेट देते हुए उन्होंने बताया कि वो अभी सिंगल हैं। दोनों की ब्रेकअप की खबर का खुलासा कुछ समय पहले ही हुआ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक तारा सुतारिया और आदर जैन का ब्रेकअप हो चुका है। कपल ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। ब्रेकअप के बाद भी कपल अच्छे दोस्त की तरह रहेगा। इससे पहले दोनों ने अपने रिश्ते को लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की थी।

हालांकि एक बार तारा ने आदर के बर्थडे पर साथ की एक फोटो शेयर की थी। फोटो के कैप्शन में उन्होंने लिखा था- कभी तेरा कभी मेरा कभी हमारा! हैप्पी बर्थडे टू माय फेवरेट पर्सन।

2018 में पहली बार मिला था कपल

आदर और तारा की मुलाकात दिवाली पार्टी पर हुई थी। दोनों कॉमन फ्रेंड के जरिए मिले थे, इसके बाद अक्सर कई मौकों पर कपल को साथ स्पॉट किया गया। रिलेशनशिप के रूमर्स के बाद से ही तारा कपूर फैमिली के साथ हर छोटे बड़े फंक्शन में शामिल हुआ करती थीं। करीब 4 साल एक-दूसरे को डेट करने के बाद आदर और तारा ने अलग होने का फैसला लिया।

राज कपूर के नाती हैं राज कपूर

आदर रीमा जैन और मनोज जैन के बेटे हैं। रीमा जैन दिवंगत राज कपूर की बेटी हैं। कपूर खानदान से ताल्लुक रखने के नाते उनका रुझान भी हमेशा फिल्मों की तरफ रहा और एक्टिंग की ही करियर ऑप्शन के तौर पर चुना। आदर ने 2017 में कैदी बैंड के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वो फिल्म मोगुल और हैलो चार्ली में दिखे। हालांकि आदर की तीनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं किया है।

तारा ने करण जौहर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वहीं, वो जल्द ही फिल्म 'अपूर्वा' में दिखाई देंगी। फिल्म को 15 नवंबर को' डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म में तारा के साथ-साथ राजपाल यादव, अभिषेक बनर्जी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म से वो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू भी कर रही हैं।

उनको इसके पहले कभी इतने इंटेंस किरदार में नहीं देखा गया है। फिल्म के डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट हैं, जिन्हें 2022 में रिलीज हुई फिल्म हुड़दंग, और 2020 में रिलीज हुई वेब-सीरीज रसभरी के लिए जाना जाता है।

35 साल बाद साथ काम करेंगे कमल हासन और मणिरत्नम : फिल्म का टाइटल है ठग लाइफ

साउथ के सुपरस्टार कमल हासन और फिल्ममेकर मणि रत्नम 35 साल बाद साथ काम करने जा रहे हैं। इस फिल्म का टाइटल 'ठग लाइफ' है। सोमवार को मेकर्स ने इसका एक अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में कमल एक ठग के गेट अप में जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं। फिल्म में कमल के अलावा तृषा कृष्णन, दुलकर सलमान और जयम रवि जैसे कलाकार नजर आएंगे। यह अगले साल थिएटर्स में रिलीज होगी।

फिल्म 'नायकन' से होगा कनेक्शन

रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म का कनेक्शन 35 साथ पहले रिलीज हुई कमल हासन और मणि रत्नम की ही फिल्म 'नायकन' से हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अनाउंसमेंट टीजर में कमल ने अपने किरदार का नाम रंगाराया शक्तिवेल नायकर बताया है। वहीं फिल्म 'नायकन' में उनके किरदार का नाम शक्तिवेल नायकर था।

जबरदस्त एक्शन कर 5 लोगों को मार गिराया

इस वीडियो में कमल कहते हैं, 'ऐसा लगता है जैसे इन्होंने मेरे जन्म के वक्त ही मेरे माथे पर लिख दिया था कि शक्तिवेल नायकर क्रिमिनल है, गुंडा है, यकूजा है।' इसके बाद कमल उन्होंने मारने आए 5 लोगों को मार देते हैं। इस फिल्म को कमल ने मणि रत्नम के साथ मिलकर प्रोड्यूस भी किया है। म्यूजिक एआर रहमान का होगा और फिल्म की एडिटिंग श्रीकर प्रसाद करेंगे। फिल्म अगले साल थिएटर्स में रिलीज हो सकती है।

हाल ही में रिलीज हुआ इंडियन-2 का टीजर

बीते शुक्रवार को ही कमल हासन की अपकमिंग फिल्म 'इंडियन-2' का टीजर रिलीज हुआ था। इसे सुपरस्टार रजनीकांत ने ट्विटर पर लॉन्च किया था। यह फिल्म भी कमल की 1996 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'हिंदुस्तानी' की सीक्वल है। उम्मीद है कि इसे अगले साल की शुरुआत में रिलीज किया जाएगा।।

मौनी रॉय ने डांसर की बायोपिक करने की जताई इच्छा : बोली, 'क्लासिकल डांस का बहुत शौक है

इन दिनों मौनी रॉय डेटिंग बेस्ड रियलिटी शो 'टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया' में बतौर क्वीन ऑफ हार्ट्स नजर आ रही हैं। उनकी मानें तो वे रियल लाइफ में बहुत ही इमोशनल हैं और इस शो की शूटिंग के दौरान, वे खुद को कई बार भावुक होने से नहीं रोक पाईं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान, मौनी ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े कुछ दिलचस्प बातें शेयर कीं। बातों-ही-बातों में उन्होंने इंडियन क्लासिकल डांसर की बायोपिक का हिस्सा बनने की ख्वाहिश भी जताई।

खुद को इमोशनल होने से नहीं रोक पाई

इस शो में जो ह्यूमन इमोशंस मैंने अनुभव किए वो बहुत ही अलग हैं। कहने को मैं 'क्वीन ऑफ हार्ट्स' हूं लेकिन मुझे एहसास होता था कि मैं भी इस सोशल एक्सपेरिमेंट का हिस्सा हूं। जो कुछ कंटेस्टेंट्स इस जर्नी के दौरान महसूस करते थे, मैं भी उनके साथ-साथ वह इमोशंस से गुजरती थी। ये एक ऐसा रियलिटी शो है जो स्क्रिप्टेड नहीं हैं।

शो साइन करने के दौरान, मैंने सोचा भी नहीं था कि इन इमोशंस से मुझे भी गुजरना होगा। मैंने सोचा था कि मैं अपना 100% शो को दूंगी और बस अपना काम खत्म करके घर लौट आऊंगी। लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं होता था। मैं बहुत ही इमोशनल इंसान हूं और इस शो में मेरे इमोशंस काफी बाहर आए। मैं खुद को इमोशनल होने से नहीं रोक पाई।

पार्टनर के साथ अच्छी बॉन्डिंग है

जी हां, मुझे लगता है कि हर व्यक्ति इससे गुजरता है। हालांकि, अब तक मेरे पार्टनर के साथ मेरी बॉन्डिंग बहुत अच्छी है और मुझे किसी तरह की कोई शिकायत नहीं। देखिए, प्यार की परीक्षा हम सब देते है। ये शो एक ऐसा लव एक्सपेरिमेंट हैं, एक ऐसा सोशल एक्सपेरिमेंट हैं जहां एक कपल अपने मन से आता है। शुरुआत में मेरी भी यही सोच थी कि कोई कपल इस तरह के शो का हिस्सा क्यों बनेगा? लेकिन वक्त के साथ समझ आया कि इनके एक-दूसरे के लिए कई सवाल है जिसका जवाब शायद उन्हें इस शो में मिले।

बचपन से ही डांस करने का बहुत शौक

इंडियन क्लासिकल डांसर की बायोपिक का हिस्सा बनना चाहूंगी। मुझे बचपन से ही डांस करने का बहुत शौक है। यदि मौका मिला तो मैं कोई डांस ड्रामा का हिस्सा बनना चाहूंगी खासतौर पर कोई इंडियन क्लासिकल ड्रामा। मुझे क्लासिकल डांसिंग से बहुत ज्यादा लगाव है। बचपन में थोड़ा बहुत सीखने का मौका मिला था लेकिन उसे आगे नहीं बढ़ा पाई।

वैसे तो मुझे हर किस्म का डांस पसंद है लेकिन मेरा फेवरेट या यूं कहे कि मेरा झुकाव क्लासिकल डांसिंग की तरफ ज्यादा है। इसमें भी कत्थक मेरा फेवरेट डांस फॉर्म है। अभी तो मुझे डांस सीखने का मौका बिलकुल नहीं मिलता लेकिन ये एक ऐसी चीज है जिसके लिए समय निकालना चाहूंगी। काश, डांस फिर से सीखने का मौका मिला और कोई सिखाए तो, जरूर करना चाहूंगी।

ब्रह्मास्त्र की सक्सेस के बाद आया बदलाव

ब्रह्मास्त्र की सक्सेस के बाद, जिस तरह के ऑफर्स मिल रहे हैं, उसमें बदलाव है। सबसे अच्छी बात ये है कि अब चुनने के लिए बहुत कुछ है जो पहले नहीं था। मैं अब केवल अच्छा काम करना चाहती हूं, अलग-अलग किस्म के रोल करना चाहती हूं। मैं इस बात पर बहुत फोकस्ड हूं।

डेली सोप बहुत बड़ी जिम्मेदारी

देखिए, अभी तो नहीं कर पाउंगी और इसकी वजह बस यही है कि टीवी में आपको बहुत टाइम देना पड़ता है। एक डेली सोप बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि आपने उस शो के लिए कमिटमेंट दी है तो आपको अपना 100% देना ही होगा और वह भी हर दिन। मैं इसके लिए तैयार नहीं। लेकिन हां, यदि टीवी पर कुछ और करने का मौका मिला, तो जरूर सोचूंगी।

'नागिन' शो देने के लिए एकता कपूर की शुक्रगुजार रहूंगी

आज जो कुछ भी मेरे पास है, वह इसी शो की वजह से है। इस शो के जरिए मैं ज्यादा लोगों तक पहुंच पाई। वह इतना पॉपुलर शो sहै। सिर्फ मैं ही नहीं, जिन-जिन एक्टर्स ने नागिन का किरदार अब तक निभाया, मुझे यकीन है कि हर एक को कुछ-न-कुछ उस शो से जरूर मिला होगा। मेरे लिए 'नागिन' किसी आशीर्वाद से कम नहीं। मैं हमेशा एकता मैम (एकता कपूर) को ये शो देने के लिए शुक्रगुजार रहूंगी।

टाइगर-3 को झेलना पड़ सकता है नुकसान : शुक्रवार को रिलीज होती तो 60 करोड़ की ओपनिंग लेती फिल्म

फिल्म टाइगर-3 की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। पहले दिन के लिए अब तक 1.5 लाख टिकट बिक चुके हैं। रिलीज से पहले ही फिल्म ने तकरीबन 4.2 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। अभी फिल्म को रिलीज होने में 6 दिन का वक्त है, इसलिए ये आंकड़े और बढ़ सकते हैं।

फिल्म पहले दिन 45 से 50 करोड़ की ओपनिंग ले सकती है। हालांकि टाइगर-3 को कुछ मायनों में नुकसान भी झेलना पड़ सकता है। फिल्म दीपावली वाले दिन (रविवार को) रिलीज हो रही है। ट्रेड एक्सपर्ट्स की माने तो दीपावली के दिन फिल्म रिलीज करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। लोग उस दिन त्योहार मनाते हैं, शाम को लक्ष्मी पूजा होती है। ऐसे में लोगों के लिए फिल्म देखना एक गैरजरूरी काम हो जाता है।

अगर इसे दो दिन पहले यानी शुक्रवार को रिलीज करते तो फिल्म आराम से 60 करोड़ की ओपनिंग ले सकती थी। अमूमन फिल्में शुक्रवार को ही रिलीज होती हैं। इससे फिल्मों को वीकेंड का फायदा मिल जाता है।

शुक्रवार को रिलीज करते तो 60 करोड़ की ओपनिंग ले सकती थी फिल्म - ट्रेड एनालिस्ट

फिल्म ट्रेड एनालिस्ट ने कहा, 'मेकर्स ने फिल्म को रविवार को रिलीज कर बहुत साहसी फैसला लिया है। अगर शुक्रवार को रिलीज करते तो फिल्म आराम से 60 करोड़ से ज्यादा की ओपनिंग ले सकती थी।

अमूमन देखा जाता है कि दीपावली पर फुट फॉल्स कम ही रहता है, लोग थिएटर जाने की बजाय घर में रहकर त्योहार मनाना ज्यादा पसंद करते हैं। दीपावली में शाम वाले शोज थोड़े ड्रॉप हो जाते हैं। हालांकि जिसे फिल्म देखना है वो किसी भी कीमत पर फिल्म देखेंगे ही।' अतुल मोहन ने आगे कहा, 'मेरे ख्याल से फिल्म 40 से 45 करोड़ रुपए की ओपनिंग ले सकती है। हालांकि, आने वाले वक्त में फिल्म को वर्ल्ड कप से नुकसान हो सकता है। इस वक्त पूरे देश पर क्रिकेट फीवर चढ़ा हुआ है।

सेमीफाइनल और फाइनल मैच अब शुरू होने वाले हैं। ऐसे में लोगों का रुझान अभी थोड़ा बहुत उधर है। भारत वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। आने वाले हफ्ते में सबसे ज्यादा चर्चा इसी की होगी।' फिल्म शुक्रवार की बजाय रविवार को क्यों रिलीज हो रही है, इसका जवाब जानने के लिए हमने देश के फेमस फिल्म क्रिटिक और एनालिस्ट तरण आदर्श से बात की। तरण ने कहा, 'दीपावली के दो दिन पहले लोग तैयारियों में व्यस्त रहते हैं, उनके पास फिल्में देखने का वक्त नहीं रहता।

शायद यही सोच कर मेकर्स फिल्म को दीपावली पर रिलीज कर रहे हैं। हालांकि, दीपावली वाले दिन भी शाम पांच बजे से रात 9 बजे तक शोज डाउन ही रहेंगे। इस वक्त पर लोग लक्ष्मी पूजा करते हैं। हालांकि, जिन लोगों ने एडवांस बुकिंग करा ली है, वो तो फिल्म देखने जाएंगे ही। इसके अलावा नॉन हिंदू कम्युनिटी वाले भी फिल्म के लिए जरूर जाएंगे। जो बैचलर्स हैं या घरों से दूर रहते हैं, उनके लिए भी ये एक अच्छा ट्रीट हो सकता है। अभी तक का जो अनुमान है उस हिसाब से फिल्म 45 करोड़ की ओपनिंग ले रही है। हालांकि, रिव्यूज सही आए तो फिल्म पहले दिन 50 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर सकती है।'

एक डिस्ट्रीब्यूटर ने कहा, 'जिस तरीके से एडवांस बुकिंग हो रही है, फिल्म को लेकर जो माहौल बना हुआ है, हो सकता है कि ये हिंदी फिल्म इतिहास की सबसे बड़ी ओपनर बन जाए। हो सकता है कि ये सबसे ज्यादा कमाने वाली हिंदी फिल्म बन जाए।

संभावना है कि ये फिल्म जवान और पठान का रिकॉर्ड तोड़ देगी। चूंकि फिल्म में शाहरुख खान और ऋतिक रोशन का कैमियो है, इसे देखते हुए फिल्म की कमाई ऐतिहासिक हो सकती है। कोई भी बड़ी फिल्म इसके साथ क्लैश नहीं करना चाहती है, थिएटर्स में फिल्म सिंगल रन करेगी। इसका भी बहुत फायदा होने वाला है।'

आमला पॉल ने बॉयफ्रेंड जगत देसाई से कर ली सीक्रेट मैरिज

अजय देवगन की फिल्म 'भोला' में डॉक्टर स्वरा का किरदार निभाने वाली साउथ एक्ट्रेस अमाला पॉल ने दूसरी शादी कर ली है। अमाला ने अपने बिजनेसमैन बॉयफ्रेंड जगत देसाई को अपना लाइफ पार्टनर बनाया है। जगत गोवा के एक लग्जरी होम स्टे के सेल्स हैड हैं। एक्ट्रेस ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए दी है। कपल ने कोच्चि स्थित एक होटल में यह सीक्रेट मैरिज की। अमाला साउथ में थलापति विजय, अल्लू अर्जुन और धनुष समेत कई बड़े एक्टर्स के साथ काम कर चुकी हैं।

10 दिन पहले ही एक्सेप्ट किया था मैरिज प्रपोजल

अमाला की शादी इस वजह से भी चर्चा में हैं क्योंकि एक्ट्रेस ने 10 दिन पहले ही बॉयफ्रेंड जगत देसाई के साथ सगाई की थी। उन्होंने 26 अक्टूबर को अपने 32वें बर्थडे पर एक पोस्ट शेयर करते हुए यह जानकारी दी थी कि उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड जगत का मैरिज प्रपोजल एक्सेप्ट कर लिया है। अमाला ने जगत के प्रपोजल का एक वीडियो भी शेयर किया था।

मैचिंग आउटफिट्स में नजर आया कपल

अब 10 दिनों के अंदर ही कपल ने सीक्रेट मैरिज करके अपने फैंस को इस बारे में जानकारी दी है। एक पोस्ट शेयर करते हुए अमाला ने लिखा, 'हम दो आत्माएं हैं पर हमारी डेस्टिनी एक ही है। अपने डिवाइन पार्टनर के साथ जीवनभर हाथ में हाथ डालकर चलना है।' इन तस्वीरों में कपल मैचिंग आउटफिट्स में नजर आ रहा है। जहां अमाला ने लैवेंडर कलर का लहंगा पहना है वहीं जगत मैचिंग कलर की शेरवानी में नजर आए।

2014 में हुई थी अमाला की पहली शादी

अमाला ने इससे पहले डायरेक्टर विजय से शादी की थी। उन्होंने विजय के निर्देशन में बनी दो फिल्मों में काम किया था। 2014 में दोनों ने शादी की और 2016 में दोनों का तलाक हो गया था। 2020 में कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि एक्ट्रेस ने मुंबई बेस्ड एक सिंगर से शादी कर ली है। बाद में एक्ट्रेस ने इसे अफवाह करार दिया था।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के खत्म होते ही 'अक्षरा' की लगी लॉटरी, नए शो में होगी एंट्री?

टीवी के पॉपुलर शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में जेनरेशन लीप आ चुका है. इस सीरियल में 'अक्षरा' का किरदार अब खत्म हो चुका और अब 'अक्षरा' और 'अभिनव' की बेटी 'अभिरा' सीरियल की कहानी को आगे बढ़ाएगी. शो में जेनरेशन लीप आने के साथ ही सीरियल की पुरानी स्टारकास्ट का सफर खत्म हुआ और शो में नए एक्टर्स की एंट्री हो गई है. 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा के किरदार में नजर आईं एक्ट्रेस प्रणाली राठौर की शो खत्म होते ही लॉटरी लग गई है.

एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस प्रणाली राठौर को 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के खत्म होते ही नया शो ऑफर हो चुका है. हालांकि, अभी तक शो के नाम और बाकी चीजों की डिटेल्स सामने नहीं है और न ही अभी एक्ट्रेस ने शो के बारे में कोई खुलासा किया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वह जल्द ही दूसरे शो में लीड रोल निभाते नजर आने वाली हैं.

'अक्षरा' बन जीता दिल

साल 2020 में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की 'अक्षरा' सीरियल 'बैरिस्टर बाबू' में दिखी. उसके बाद उन्होंने 'क्यों उत्थे दिल छोड़ आए' में काम किया. साल 2021 एक्ट्रेस के लिए बहुत खास रहा क्योंकि इसी साल उन्हें टीवी के सबसे चर्चित शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में कास्ट किया गया. ये शो एक्ट्रेस के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ. इस शो ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई.

सारा अली खान ने दो हफ्ते में घटाया बेली फैट, फोटो शेयर कर दिखाया ट्रांसफॉर्मेशन

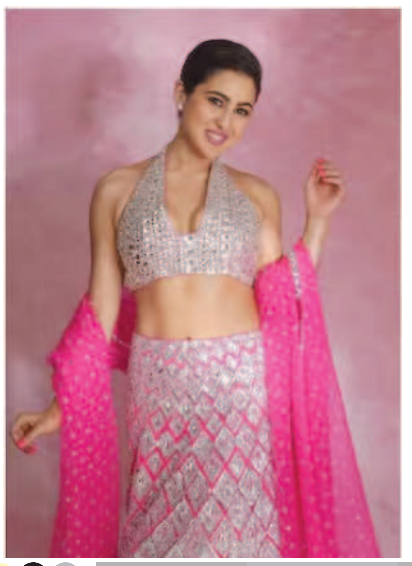

मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में सारा अली खान ने लाइमलाइट बटोर ली. पिंक कलर के आउटफिट में सारा कमाल दिख रही थीं. वहीं अब पार्टी के एक दिन बाद एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि उन्होंने महज दो हफ्ते में अपना बेली फैट घटा लिया है.उन्होंने अपनी एक फोटो शेयर करते हुए अपना ट्रांसफॉर्मेशन दिखाया है. सारा अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर तीन तस्वीरों का एक कॉलाज पोस्ट किया है. सबसे ऊपर उनकी एक जिम आउटफिट में एक फोटो है जो कि टॉप से क्लिक की गई है. इस तस्वीर में सारा ब्लैक स्पोर्ट्स ब्रा और लाइट ब्लू ट्राउजर पहने अपनी फैट बेली को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. वहीं बाकी दो तस्वीरों में वे ट्रैडिशनल आउटफिट में अपनी फ्लैट बेली फ्लॉन्ट कर रही हैं.

सारा को हुआ बेली फैट घटाने पर गर्व

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए सारा ने कैप्शन में बताया है कि पहले उन्हें ये फोटो अपलोड करते हुए हिचकिचाहट हो रही थी लेकिन उन्हें काफी गर्व भी महसूस हो रहा है. उन्होंने लिखा- 'ईमानदारी से कहूं तो इस टॉप फोटो को अपलोड करने में बहुत अनकंफर्टेबल महसूस हुआ. लेकिन मुझे सच में गर्व है कि मैंने इसे 2 हफ्ते में एक साथ पा लिया. वजन का इशू हमेशा मेरे लिए स्ट्रगलिंग रही है.'

'फिटनेस एक सफर है...'

सारा ने आगे दो लोगों को अपने बेली फैट घटाने का क्रेडिट भी दिया है. उन्होंने आगे लिखा- 'मुझे ट्रैक पर रखने के लिए @dr.siddhant.bhargava और @food.darzee को सच में थैंक्यू. हॉलीडे कैलोरी को अलविदा, लेकिन सबसे अहम बात यह है कि पछतावे से शांति पाएं. फिटनेस एक सफर है इसलिए बस चलते रहें.'

मध्य प्रदेश में गरजीं मायावती

बोलीं- धन्नासेठों की पार्टी है कांग्रेस, इनके झांसे में मत आना

भोपाल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां अपना दमखम लगाने में जुटी हैं। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने लोगों से कहा कि वे जाति आधारित गणना की कांग्रेस की मांग के झांसे में नहीं आएं। बसपा प्रमुख ने मध्य प्रदेश के अशोक नगर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर को भारत रत्न देने में भी देरी की थी। मायावती ने आगे कहा कि कांग्रेस के झांसे में नहीं आएं जो जाति आधारित गणना की मांग कर रही है। आजादी के बाद कांग्रेस शासन में काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी, लेकिन कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। चुनाव करीब आने पर कांग्रेस जाति आधारित जनगणना की बात कर रही है। मायावती ने कहा कि बीजेपी ने दलितों और आदिवासियों का शोषण किया है। वहीं मायावती ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों को पूंजीपतियों और धन्ना सेठों की पार्टी बताते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की अब तक की सरकारों ने लोगों के लिए कोई काम नहीं किया और न ही दलितों पर कोई ध्यान दिया। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस और बीजेपी की सरकारों ने आरक्षण को खत्म करने का काम ही किया है। बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक लाया गया, लेकिन उसमें ऐसी कोई व्यवस्था लागू नहीं की गई,

उद्धव शिवसेना के नेता अनिल परब के करीबी को अदालत से झटका

रिसॉर्ट को गिराने पर रोक का आदेश रद्द

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रत्नागिरी की एक अदालत से सदानंद कदम को बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता अनिल परब के करीबी कदम के दापोली में बने साईं रिजॉर्ट को गिराने पर लगी रोक के आदेश को रद्द कर दिया है। रत्नागिरी के खेड़ की जिला अदालत ने चार नवंबर को जारी आदेश में कहा कि यह मामला सिर्फ निर्माण कानूनों के उल्लंघन का मामला नहीं है, बल्कि वादी (कदम) ने तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) नियमों और विनियमों के प्रावधानों का भी उल्लंघन किया है। पीठ ने कहा कि अगर इस तरह के ढांचे के निर्माण को बचाया जाता है तो यह गैरकानूनी होगा।

यह है मामला

गौरतलब है, कदम ने परब से एक प्लॉट खरीदा था। बाद में उस जगह पर रिसॉर्ट बनाया। जून 2021 में, रत्नागिरी कलेक्टर ने इसे गिराने का नोटिस जारी किया गया था क्योंकि इसे बनाने से पहले अनुमति नहीं ली गई थी। कदम ने बाद में रत्नागिरी के खेड़ में एक सिविल अदालत के समक्ष नोटिस के खिलाफ मुकदमा दायर किया। यहां अदालत ने इस साल मार्च में रिसॉर्ट को गिराने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने कलेक्टर के माध्यम से निषेधाज्ञा आदेश के खिलाफ अपील दायर की।

अपने जोखिम पर किया निर्माण

खेड़ के वर्तमान जिला न्यायाधीश पी एस चांदगुडे ने चार नवंबर के आदेश में निषेधाज्ञा के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि अगर इस तरह के ढांचे के निर्माण को बचाया जाता है तो यह गैरकानूनी होगा। कदम ने इस रिसॉर्ट का निर्माण अपने जोखिम पर किया था। वह निर्माण के समय शर्तों के बारे में जानते थे कि नो डेवलपमेंट जोन के भीतर निर्माण करने की अनुमति नहीं है। उच्चतम न्यायालय के पूर्व के एक आदेश का हवाला देते हुए जिला अदालत ने कहा कि देश के कानून का पालन करना होगा और उसे लागू करना होगा।

एक एकड़ जमीन पर कराया गया रिजॉर्ट का निर्माण

साई रिजॉर्ट एनएक्स के संबंध में जांच के दौरान यह पता चला था कि दापोली रत्नागिरी में स्थित 42.14 गुंटा (एक एकड़ से अधिक) की भूमि पर बनाया गया है। ईडी की चार्जशीट में कहा गया है कि इसे विभास साठे से अनिल परब ने एक करोड़ रुपये में खरीदा था। इसका सौदा 1.80 करोड़ रुपये में तय किया गया था और परब ने जमीन खरीदने के लिए 80 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी का इस्तेमाल किया, जिससे इसकी वास्तविक कीमत कम हो गई।

रिजॉर्ट के निर्माण में नियमों का किया गया उल्लंघन

चार्जशीट में कहा गया, अनिल परब ने अपने बेहिसाब पैसे का निवेश करके साई रिजॉर्ट एनएक्स का निर्माण कराया। साथ ही सीआरजेड आईआईआई नियमों का भी उल्लंघन किया गया। ईडी ने कहा कि परब के सहयोगी और आरोपी सदानंद कदम ने कृषि भूमि की खरीद और इसके निर्माण के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एमपी के रण में पीएम मोदी समेत कूदे बीजेपी के कई दिग्गज

फिर प्रचार से क्यों दूर हैं प्रज्ञा ठाकुर?

भोपाल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हर दिन आठ से 10 सभाएं कर रहे हैं, जबकि केंद्रीय नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने मध्य प्रदेश में डेरा जमा रखा है। साथ ही हर दिन अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा कर जनसभा को संबोधित कर रहे हैं, लेकिन ऐसे में भोपाल सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने विधानसभा चुनावों से दूरी बना रखी है। अब उनकी यह दूरी सियासी चर्चाओं का कारण बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, वे बीमार हैं और मुंबई में हैं, लेकिन पार्टी के अंदर से आ रही खबरें कहती हैं कि भोपाल के कुछ पार्टी उम्मीदवारों ने अनुरोध किया था कि वह अपने क्षेत्र में प्रज्ञा ठाकुर के बिना भी प्रचार कर सकते हैं। उनके आने से समीकरण बदल सकते हैं, इसीलिए उनका नाम स्टार प्रचारकों में भी शामिल नहीं था। बता दें कि अपने तीखे बयानों से प्रज्ञा चर्चा में रही हैं, उनके भाषण कट्टर होते हैं और भोपाल में बड़ी संख्या अल्पसंख्यकों की है। दरअसल, भोपाल लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आठ विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें बैरसिया, भोपाल उत्तर, नरेला, भोपाल दक्षिण-पश्चिम, भोपाल मध्य, गोविंदपुरा, हुजूर और सीहोर विधानसभा शामिल हैं। इन आठ विधानसभा सीटों में 2018 के चुनाव में तीन पर कांग्रेस विधायक, जबकि बाकी पांच पर बीजेपी का कब्जा था।

हिंसा से अछूते क्षेत्रों में इंटरनेट, मोबाइल सेवा बहाल करे सरकार, मणिपुर हाईकोर्ट का निर्देश

इंफाल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को परीक्षण के आधार पर मोबाइल टावरों को चालू करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि राज्य सरकार ऐसे सभी जिला मुख्यालयों में लगे मोबाइल टावरों को चालू करे जो जातीय हिंसा से प्रभावित नहीं है। यह निर्देश मणिपुर सरकार द्वारा राज्य में मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध को 8 नवंबर तक बढ़ाए जाने के बाद आया है। मुख्य न्यायाधीश सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति गोलमेई गाइफुलशिलु काबुई की खंडपीठ द्वारा जारी एक आदेश में राज्य से उन क्षेत्रों में सेवाएं बढ़ाने को कहा गया जो हिंसा से अप्रभावित थे। अदालत ने राज्य से मोबाइल इंटरनेट डेटा सेवाओं को निलंबित करने या उन पर अंकुश लगाने के संबंध में जारी सभी आदेशों की प्रतियां अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने को भी कहा है। मामले की अनुपालना के लिए अगली सुनवाई 9 नवंबर को तय की गई है। बता दें कि सितंबर में कुछ दिनों को छोड़कर, मणिपुर में 3 मई से जातीय झड़पें होने के बाद से मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा हुआ है। अभी हाल ही में एक भीड़ ने यहां मणिपुर राइफल्स के शिविर पर हमला कर सभी शस्त्रागार को लूटने का प्रयास किया था, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों को हवा में कई राउंड गोलियां चलानी पड़ी थीं। राज्य सरकार द्वारा इंटरनेट प्रतिबंध को इस आशंका के बाद बढ़ाया गया था कि ₹असामाजिक तत्व नफरत भरे भाषणों और नफरत भरे वीडियो को वायरल करने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं,जिससे जनता की भावनाओं को भड़काया जा सकता है।

दिल्ली में महिला कांस्टेबल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, घर में लटकी मिली लाश

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की एक 26 वर्षीय महिला कांस्टेबल को उत्तरी दिल्ली में उसके घर पर लटका हुआ पाया गया, मंगलवार को पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात पीसीआर कॉल पर शास्त्री नगर में एक घटना की सूचना मिली. मकान मालिक ने फोन कर शव मिलने की खबर दी. घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस ने महिला कांस्टेबल को दुपट्टे से लटका हुआ पाया. मकानमालिक ने उसके शव को देखा, अंदर से बंद कमरे को तोड़ दिया और पीसीआर कॉल की. पुलिस अधिकारी ने कहा, एचआरएच में उसे मृत घोषित कर दिया गया.

झुग्गी बस्ती में पांच साल की बच्ची से बलात्कार, गला रेत कर हत्या की गई

भुवनेश्वर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भुवनेश्वर में एक झुग्गी बस्ती में पांच साल की बच्ची की कथित रूप से बलात्कार के बाद गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। घटना सोमवार शाम को एयरफील्ड थाना अंतर्गत सुंदरपाड़ा क्षेत्र के केला साही में हुई, जब बच्ची अपने घर में अकेली थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी भी झुग्गी बस्ती का ही निवासी है। आरोपी पीड़ित के घर में घुसा और कथित रूप से घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया। पुलिस को दी गई शिकायत में बच्ची के माता पिता ने कहा कि काम से लौटने पर उन्हें बच्ची घर पर नहीं मिली और काफी तलाश करने पर उन्हें बिस्तर के नीचे उसका शव मिला। पास के एक दुकानदार ने दावा किया कि आरोपी के साथ बच्ची उनकी दुकान पर चॉकलेट खरीदने आई थी। उसने कहा कि अन्य लोगों ने भी आरोपी को उसके घर में घुसते और बाहर निकलते देखा था। एयरफील्ड के थाना प्रभारी अशोक नायक ने कहा कि आरोपी को पकड़ने के लिए एक विशेष दस्ते ने जांच शुरू की। नायक ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिला कि आरोपी ने अकेले ही अपराध को अंजाम दिया।

शर्मनाक: पौने दो करोड़ की शादी के बाद महिला डॉक्टर से मांगा फ्लैट और ऑडी कार, चिकित्सक पति पर सनसनीखेज आरोप

सोनीपत (हरियाणा), 7 नवंबर (एजेंसियां)। सोनीपत की महिला चिकित्सक ने अपने चिकित्सक पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। विवाहिता का आरोप है कि उनसे फ्लैट और ऑडी गाड़ी की मांग की जा रही है। शादी में पौने दो करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बाद भी विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। चिकित्सक का आरोप है कि उन पर तलाक का दबाव बनाए जाने के बाद से परिवार सदमे में है। परिवार के छह सदस्यों की मौत हो चुकी है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह चिकित्सक है। उनकी शादी जनवरी, 2019 को चिकित्सक से हुई थी। परिवार ने शादी में 1.75 करोड़ रुपये खर्च किए थे। वह परिवार की इकलौती बेटी थी, इसलिए परिवार ने धूमधाम से शादी की थी। महिला चिकित्सक ने बताया कि शादी के एक दिन बाद ही वह अपनी ससुराल दिल्ली गई तो उसके पति ने कहा था कि वह उससे शादी नहीं करना चाहता था, उसके परिवार ने उनसे रुपये ऐंठने के लिए यह शादी कराई है। वह उसे कभी अपनी पत्नी का दर्जा नहीं देंगे। उनके पति ने कहा था कि वह अन्य महिला के साथ चार साल से रह रहे हैं। वह केवल दोस्त की तरह रिश्ता निभा सकते हैं। उन्होंने 19 जनवरी, 2020 को उसने शादी रजिस्टर्ड कराने को कहा तो पति ने कहा कि वह उसकी पत्नी ही नहीं है। महिला चिकित्सक का आरोप है कि ससुराल ने उनको दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया है। बाद में उनके पति ने उनके पास तलाक के कागजात भेज दिए। बाद में उनसे रोहिणी में फ्लैट के साथ ही ऑडी गाड़ी के लिए दो करोड़ रुपये की मांग की।

आरक्षण पर महाराष्ट्र सरकार में रार

शिंदे के प्लान पर भुजबल ने लगाया ओबीसी का ग्रहण

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का आश्वसन मिलने के बाद आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मनोज जरांगे पाटील ने भले ही अपना अनशन खत्म कर दिया हो, लेकिन सीएम एकनाथ शिंदे के प्लान पर सरकार में ही दो फाड़ हो गए हैं। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने साफ-साफ शब्दों में कहा है कि मराठा आरक्षण के लिए ओबीसी के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे से अलग आरक्षण दिया जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो इसका विरोध करेंगे और सरकार में रहते हुए संघर्ष करेंगे। ओबीसी समाज चुप नहीं बैठेगा। इस तरह से छग्गन भुजबल ने सीएम शिंदे के प्लान पर ग्रहण लगा दिया है। मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए शिंदे सरकार ने कुनबी जाति का ओबीसी प्रमाणपत्र देने का दांव चला है, लेकिन इसका अब खुलकर ओबीसी समुदाय के नेता विरोध करने लगे हैं। ओबीसी नेताओं ने बैठकें भी शुरू कर दी हैं तो शिंदे सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने बीड जिले में उस जगह का दौरा किया, जहां मराठा

आंदोलन के दौरान आग जलाई गई थी। नेताओं के घरों और दफ्तरों में आग लगाने वाले आंदोलनकारियों की भुजबल ने कड़ी आलोचना की और ओबीसी के अधिकारों के लिए लड़ने का ऐलान किया।

ओबीसी नेताओं को निशाना बनाना एक साजिश- भुजबल

छग्गन भुजबल ने कहा कि तेली, माली समुदाय और ओबीसी समाज के नेता हैं तो क्या आप उनके घर और कार्यालय को जला देंगे। भुजबल ने कहा कि संदीप क्षीरसागर, जयदत्त क्षीरसागर, प्रकाश सोलंके के घर पर हमला किया गया। समता परिषद के सुभाष राऊत के होटल पर हमला किया गया। ओबीसी नेताओं को निशाना बनाया गया। यह मराठा समुदाय की एक सहज प्रतिक्रिया नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश थी। बीड में शिवाजी महाराज की छवि भी तोड़ी गई, जिसे हम कैसे सहन कर सकते हैं। भुजबल ने पुलिस पर भी सवाल उठाए और कहा कि प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने क्यों नहीं रोका। भुजबल ने कहा कि जिस जालना जिले में अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद के सम्मेलन में शरद पवार ने ओबीसी को आरक्षण देने की मांग की थी, अब उसी जालना जिले में ओबीसी समुदाय के आरक्षण को खत्म करने की तैयारी की साजिश की जा रही है। इस तरह से उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज को अब एकजुट होकर संघर्ष करने की जरूरत है। ओबीसी के हक और अधिकार के लिए हमेशा लड़ने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार में रहते हुए भी वो इसके खिलाफ लड़ेंगे।

ओबीसी समुदाय के साथ अन्याय नहीं होने देंगे- भुजबल

छग्गन भुजबल ने कहा कि आरक्षण मिलता है तो भी सभी लोगों को फायदा नहीं होता। आरक्षण गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं है। ऐसे में यदि आरक्षण की समस्या को हमेशा के लिए हल करना है और सभी समुदायों के लिए न्याय करना है तो फिर जातीय आधारित जनगणना कराई जानी चाहिए। जातिगत जनगणना से सभी समुदायों के आंकड़े सामने आएंगे तब जाकर आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। भुजबल ने साफ किया कि महाराष्ट्र में ओबीसी समुदाय के साथ किसी को भी अन्याय नहीं करने देंगे। भुजबल ने जिस तरह से ओबीसी को लेकर तेवर दिखाए हैं, उससे मराठा आरक्षण देने के शिंदे प्लान पर ग्रहण लग सकता है।

फिलहाल अलग से आरक्षण देना मुमकिन नहीं

दरअसल मराठा समुदाय को फिलहाल अलग से आरक्षण देना मुमकिन नहीं है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उसे पहले ही रद्द कर दिया था। ऐसे में शिंदे सरकार ने मराठा आरक्षण मुद्दे के संबंध में सुप्रीम कोर्ट में क्यूरेटिव पिटीशन दायर करने के प्रस्ताव पर राज्य सरकार को सलाह देने के लिए विशेषज्ञों की तीन सदस्यीय समिति गठित कर रखी है। सुप्रीम कोर्ट से यह मामला कब हल होगा, इसकी कोई तय सीमा नहीं है। मराठा समुदाय आरक्षण को लेकर पीछे हटने को तैयार नहीं है। ऐसे में एकनाथ शिंदे ने ओबीसी समुदाय में आने वाली कुनबी जाति का प्रमाणपत्र देकर मराठा समुदाय को आरक्षण के दायरे में लाने की रणनीति बनाई है।

मराठ समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाण दिए जाने का विरोध क्यों?

मराठ समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाण दिए जाने को लेकर ओबीसी समाज विरोध कर रहा है, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि मराठा समुदाय के शामिल किए जाने से उनका हक मारा जा रहा है। ऐसे में सीएम शिंदे यह बताने में जुटे हैं कि मराठा और कुनबी जाति के लोग एक-दूसरे के साथ भोजन करते थे और आपस में विवाह करते थे। मराठा और कुनबी सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से घनिष्ठ संबंध रखते थे। ऐसे में सीएम छग्गन भुजबल ने जिस तरह से ओबीसी के साथ अन्याय न किए जाने का मुद्दा उठाया है, उससे मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र दिए जाने का विरोध तेज हो सकता है।

द्वारका में कार में मिली प्रॉपर्टी डीलर का शव, आत्महत्या की आशंका

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के द्वारका सब्सिटी इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर के द्वारा गोली मारकर खुदकुशी की आशंका जताई जा रही हैं. मामला द्वारका सेक्टर 8 में हुआ है. हालांकि पुलिस को शुरुआती जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. लेकिन पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मानकर जांच कर रही है. डीसीपी द्वारका एम हर्षवर्धन ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि मृतक की पहचान 31 साल के अंकित के रूप में हुई है. वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ द्वारका के पास गोयला डेयरी गांव में रहता था और प्रॉपर्टी डीलर का काम यहां करता था. सोमवार को पुलिस को सूचना मिली की एक गाड़ी में युवक को गोली लगी है. वह गाड़ी में ही मरा पाया गया है. मौके पर पहुंची पुलिस टीम को एक युवक गाड़ी के अंदर मृत पड़ा हुआ मिला. उसके सर से खून निकल रहा था. सर में गोली मारे जाने के पुलिस को निशान मिले. पुलिस ने जब युवक की तलाशी ली तो कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ.

दिल्ली में सभी निगम कर्मचारियों को मिलेगा दिवाली बोनस

मेयर शैली ओबेरॉय ने की घोषणा

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा कि इस बार दिवाली पर दिल्ली नगर निगम के सभी कर्मचारियों को बोनस दिया जाएगा। 6900 रुपये रेगुलर कर्मचारियों को और 240 दिन काम करने वाले डेलीवेजर को 1184 रुपये का बोनस दिया जाएगा। इससे पहले बीते सोमवार को दिल्ली सरकार ने भी दिवाली पर अपने कर्मचारियों को बोनस देने का एलान किया था। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री केजरीवाल ने खुद की थी। सरकार ने एलान किया था है कि इस बार कर्मचारियों को बोनस दिया जाएगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलान करते हुए कहा था कि दिवाली पर सरकार ग्रुप बी और सी के कर्मचारियों को सात हजार रुपये का बोनस देगी। मुख्यमंत्री ने कहा था कि दिल्ली सरकार के सभी कर्मचारी मेरा परिवार हैं। त्योहारों के इस महीने में हमने दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को सात हजार रुपये का बोनस देने का ऐलान किया है।

दर्जी ने आईपीएम की वर्दी पहनी और लगा गाड़ियों को चेक करने, पहुंच गई असली पुलिस

अहमदाबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात से एक अनूठा मामला सामने आया है। सूरत पुलिस ने खुद को आईपीएम अधिकारी बताकर रौब झाड़ने के आरोपी 26 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी महज 10वीं कक्षा तक पढ़ा है और दर्जी है। एक कंपनी में काम करता है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त भगीरथ गढ़वी ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, बिहार का मूल निवासी मोहम्मद सरमज आलम लोगों को प्रभावित करने के लिए पुलिस की वर्दी में सार्वजनिक स्थानों पर घूमता था। उन्होंने बताया कि आलम दुकानों पर जाता था और पुलिस की वर्दी में तस्वीरें खिंचवाना पसंद करता था। आरोपी आलम ने अपराधिक घटनाओं पर आधारित टीवी धारावाहिकों से प्रेरित होकर ऐसा करने का दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी 'क्राइम पेट्रोल' सीरियल से खासा प्रभावित था।

जब असली पुलिस पहुंची तो क्या हुआ?

गढ़वी ने कहा कि सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति खुद को पुलिस अधिकारी बताकर शहर के उधना इलाके में सड़क पर वाहनों को रुकने के लिए कह रहा है, जिसके बाद पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और आलम को पकड़ लिया। गढ़वी ने बताया कि आलम ने खाकी वर्दी पहन रखी थी और उसके कंधे पर आईपीएस अधिकारी का बैज लगा हुआ था।

नकली पिस्तौल भी खरीदी थी

आरोपी के पास से खिलौने वाला वॉकी टॉकी और नकली पिस्तौल भी बरामद किया गया। पुलिस से पूछताछ में बताया कि उसने ऑनलाइन आईपीएस का बैज और दूसरी चीजें खरीदी थीं। पुलिस के मुताबिक प्राथमिक छानबीन में इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि आरोपी ने किसी तरह की उगाही या किसी अपराध को अंजाम दिया था। सूरत पुलिस, आईपीसी की धारा 170 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

पत्नी से हुई बकझक तो पति के सिर सवार हुआ खून, चाकू उठाया और काट डाला गला

पानीपत, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत से दिल को दहला देने वाली एक घटना सामने आई है। शहर के तहसील कैम्प के पटेल में घरेलू कलह में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी का गला काट दिया। पति ने पत्नी के गले पर चाकू से एक नहीं बल्कि कई बार वार किया, जिससे महिला के गले पर शॉर्प कट लग गया। खून से लथपथ हालत में महिला को गंभीर हालत में नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया, जिसके बाद मायके वालों ने उसे एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया है

सॉफ्ट हिंदुत्व की पिच पर कमलनाथ की धुआंधार बैटिंग

श्रीलंका में भी मंदिर बनाने की दी गारंटी

भोपाल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में सॉफ्ट हिंदुत्व की पिच पर प्रदेश कांग्रेस चीफ कमलनाथ जबरदस्त बैटिंग कर रहे हैं। उन्होंने न केवल मध्य प्रदेश बल्कि देश से बाहर श्रीलंका में भी मंदिर बनाने की चुनावी घोषणा की है। कमलनाथ कह रहे हैं कि आस्था और विश्वास के साथ खुशहाल मध्य प्रदेश का निर्माण हो, यह मेरा संकल्प है और मैं इसे साकार करने के लिए वचनबद्ध हूं। कांग्रेस के कद्दावर नेता कमलनाथ लगातार मतदाताओं को वचन दे रहे हैं। माना जाता है कि हिंदुत्व बीजेपी की चुनावी फील्ड है,

लेकिन मौके की नजाकत को भांपते हुए कमलनाथ भी अपने सॉफ्ट हिंदुत्व का एजेंडा आगे बढ़ाने में पीछे नहीं हैं। बीजेपी सनातन, अयोध्या में राम मंदिर, उज्जैन के महाकाल और ओंकारेश्वर के आदि शंकराचार्य लोक के नाम पर मतदाताओं को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। तो वहीं मध्य प्रदेश में कांग्रेस भी अब सॉफ्ट हिंदुत्व के रास्ते पर चल दी है। इसी बीच कमलनाथ ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आते ही श्रीलंका में सीता माता मंदिर के निर्माण का कार्य पूर्ण किया जाएगा। कमलनाथ ने अपनी सॉफ्ट हिंदुत्व की छवि को आगे बढ़ते हुए न केवल हिंदुत्व बल्कि सर्वधर्म के लिहाज से भी 11 गारंटी दी हैं। कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर (एक्स) पर लिखा, आस्था और विश्वास के साथ खुशहाल मध्य प्रदेश का निर्माण हो, यह मेरा संकल्प है और मैं इसे साकार करने के लिए वचनबद्ध हूं।

दिवाली से पहले गन्ना किसानों को दिया बड़ा तोहफा

चंडीगढ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोशल मीडिया प्लेटफोर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके इस बात की जानकारी दी कि गन्ने की प्रति क्विंटल दर 372 रुपये से बढ़ाकर 386 रुपये कर दी गई है. जो किसानों के लिए ख़ुशी की बात है. देश में ये दर गन्ने की सबसे उंची दर हो गई. पंजाब में गन्ने 380 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बेचे जा रहे हैं. ये नई कीमत चालू पेराई सत्र से लागू हो जाएगी.

दिवाली से पहले ही किसानों को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है. गन्ना किसानों को बड़ा लाभ देने के लिए सरकार ने गन्ने की कीमतों में इजाफा किया है. जिसका लाभ किसानों को सीधे मिलेगा. ये फायदा हरियाणा सरकार ने राज्य के किसानों को दिया. गन्ना के दाम में सरकार ने 14 रुपये की वृद्धि की. जिससे गन्ने की कीमत में प्रति

क्विंटल इजाफा हो गया.

मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

हरियाणा राज्य के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इसी मौसम के लिए गन्ने की कीमतों में 14 रुपये का इजाफा किया. जिसके बाद कीमत 386 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा भी की जा चुकी है. अभी राज्य में गन्ने 372 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से बिक रहे हैं. सीएम ने नई कीमतों का ऐलान करने के साथ ही उम्मीद जताई है कि इसका लाभ सीधे गन्ना किसानों को मिलेगा.

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोशल मीडिया प्लेटफोर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके इस बात की जानकारी दी कि गन्ने की प्रति क्विंटल दर 372 रुपये से बढ़ाकर 386 रुपये कर दी गई है. जो किसानों के लिए ख़ुशी की बात है. देश में ये दर गन्ने की सबसे उंची दर हो गई. पंजाब में गन्ने 380 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बेचे जा रहे हैं. ये नई कीमत चालू पेराई सत्र से लागू हो जाएगी.

और बढ़ेगी कीमत

आने वाले समय में कई राज्यों में चुनाव होने वाले हैं. जिसके कारण भी कहा जा रहा है कि गन्ने की कीमत में आने वाले साल भी इजाफा देखने को मिल सकता है. इस साल की शुरुआत में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गन्ने की कीमत 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई थी. उसके बाद ही दाम 372 रुपये प्रति क्विंटल हुए थे.

इस बार कीमतों में हुए इजाफा से गन्ना किसानों को दिवाली से पहले ही तोहफा मिल गया. अब कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने भी दावा किया है की राज्य में कांग्रेस सरकार आने पर गन्ने की कीमत 450 रुपये प्रति क्विंटल कर दी जाएगी.

जीडीपी वृद्धि से रोजगार की गुणवत्ता और मात्रा बढ़ेगी, आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक बोले

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार केवी सुब्रमण्यन ने देश के रोजगार परिदृश्य और भारत की जीडीपी वृद्धि पर अपनी राय दी है। सुब्रमण्यन ने जोर देकर कहा कि आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के विश्वसनीय आंकड़े स्पष्ट रूप से भारत में रोजगार की मात्रा और गुणवत्ता दोनों में महत्वपूर्ण सुधार का संकेत देते हैं।

सुब्रमण्यन ने कहा, 'लॉकडाउन के दौरान और दूसरी लहर के दौरान, रोजगार की स्थिति खराब हो गई और यह कुछ ऐसा है जो पीएलएफएस डेटा में बहुत स्पष्ट रूप से दिखाया गया है जो पीएलएफएस डेटा की विश्वसनीयता को और बढ़ाता है लेकिन अगर आप अब समग्र रूप से देखते हैं, तो रोजगार की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और कोविड से पहले के स्तर की तुलना में बेहतर हो गया है।' सुब्रमण्यन के अनुसार, पीएलएफएस के आंकड़ों से पता चलता है कि नियमित कर्मचारियों और वेतनभोगी श्रमिकों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो 2017-18 में 11.5 करोड़ से बढ़कर 13 करोड़ हो गई है, जो 13 प्रतिशत सुधार को दर्शाता है।

यह सकारात्मक प्रवृत्ति महिलाओं में उल्लेखनीय रही, जिसमें 29.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और पुरुषों के बीच, 8.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। औपचारिक रोजगार में भी 1.2 करोड़ या 25.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसके अलावा, सुब्रमण्यन ने बताया कि सामान्य स्थिति में बेरोजगारी दर (यूआर) 2017-18 और 2019-20 के बीच 6.0 प्रतिशत से घटकर 4.8 प्रतिशत हो गई। श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 49.8 प्रतिशत से बढ़कर 53.5 प्रतिशत हो गई, और श्रमिक-जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 46.8 प्रतिशत से बढ़कर 50.9 प्रतिशत हो गया। ये सुधार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ पुरुषों और महिलाओं दोनों के बीच देखे गए थे। हाल के रुझानों पर प्रकाश डालते हुए, सुब्रमण्यन ने कहा कि औपचारिक क्षेत्र में रोजगार 2019-20 के 5.9 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 6.3 करोड़ हो गया, जो रोजगार क्षेत्र में निरंतर सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि डेटा स्पष्ट रूप से भारत में रोजगार की मात्रा और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि के संकेत देता है।

इस वर्ष अब तक स्थापित हुए 30.4 हजार स्टार्टअप, इन शहरों से सबसे ज्यादा आ रहे नए उद्यमी

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ़ इंडिया की जारी हुई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश में इस समय 1.14 लाख पंजीकृत स्टार्टअप काम कर रहे हैं। इनमें 30.4 हजार स्टार्टअप केवल इसी कैलेंडर ईयर में (अक्तूबर माह तक) रजिस्टर किए गए हैं। सबसे ज्यादा नए स्टार्टअप दूसरे-तीसरे स्तर के शहरों में स्थापित हो रहे हैं। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने भी इन शहरों में पहुंचकर स्टार्टअप को बढ़ावा देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इंटरनेट सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के हिसाब से भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर आता है। देश का लगभग 98 फीसदी क्षेत्र इस समय 4G सेवाओं का उपयोग कर रहा है। इंटरनेट सेवाओं के इस विस्तार ने डिजिटल क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप को बेहतर क्षेत्र उपलब्ध कराया है। सस्ती इंटरनेट सेवा और सस्ते स्मार्टफोन की उपलब्धता ने भी देश में डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। यही कारण है कि तकनीक क्षेत्र में स्टार्ट अप की संख्या न केवल लगातार बढ़ रही है, बल्कि डिजिटल सेवा क्षेत्र का लगातार विकास हो रहा है। इससे इन स्टार्टअप कंपनियों को भी भारी लाभ हो रहा है।डिजिटलीकरण का सबसे बड़ा लाभ यह हो रहा है कि तकनीक के कारण अब केवल बड़े मेट्रो शहरों में रहकर कंपनी चलाने की बाध्यता समाप्त हो गई है। अब बड़ी संख्या में स्टार्टअप लखनऊ, पटना, प्रयागराज, वाराणसी, देहरादून, भोपाल जैसे दूसरे-तीसरे दर्जे के शहरों में भी खुल रहे हैं। इसका व्यापक असर हुआ है। इससे न केवल रोजगार के अवसरों को सुदूर क्षेत्रों में पहुंचाने में मदद मिली है, बल्कि सस्ते श्रम की उपलब्धता के कारण स्टार्टअप की लागत भी कम हुई है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में स्टार्टअप को डिजिटलीकरण का बड़ा लाभ मिला है। इससे ग्रामीण आबादी को भी उच्च तकनीकी सेवाओं का लाभ दे पाने में मदद मिली है। क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि इस सेक्टर के कारण ही प्रधानमंत्री कौशल योजना के अंतर्गत 1.4 करोड़ लोगों को प्रशिक्षण दे पाना संभव हुआ है। यदि डिजिटल सेवाओं के स्टार्टअप का सहयोग न मिलता तो इस लक्ष्य को प्राप्त करना मुश्किल होता। जनधन खाता जैसी योजनाओं की लोकप्रियता का कारण भी बैंकिंग सेवाओं के डिजिटलीकरण में खोजा जा सकता है।

केंद्र की नीतियों का भी असर

टाई-दिल्ली-एनसीआर (TiE) के अध्यक्ष आलोक मित्तल ने कहा कि स्टार्टअप और उद्योगों के प्रति सरकार के खुले नजरिये ने देश में स्टार्टअप कंपनियों को स्थापित करने में मदद की है। केंद्र सरकार और टाई दोनों ही नए उद्यमियों को आर्थिक सहयोग दे रही है। विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस 2020 रिपोर्ट में भी यह कहा गया था कि भारत में व्यापार करने की दृष्टि से स्थिति अनुकूल हुई है। इस पैमाने पर भारत 2014 में 142वें स्थान पर था, जो 2020 तक 63वें स्थान पर आ गया है। इस रैंकिंग में भारत लगातार सुधार कर रहा है।

डीजीजीआई ने फर्जी कंपनियों के सहारे 275 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का किया खुलासा, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जीएसटी इंटेलीजेंस महानिदेशक (डीजीजीआई) ने सोमवार को फर्जी कंपनियों की मदद से जीएसटी चोरी का बड़ा खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। डीजीजीआई के अधिकारियों ने बताया कि 102 फर्जी कंपनियों ने एक हजार से अधिक लोगों को फर्जी ई-वे बिल जारी किया, जिससे 275 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की गई। इन फर्जी कंपनियों का कारोबार 1,481 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है।

वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी और व्यापक डेटा एनॉलिसिस के आधार पर डीजीजीआई, मेरठ इकाई ने इस सिंडिकेट का खुलासा किया है। गिरफ्तार चार लोगों में अमित कुमार झा, रोशन चौधरी, मुकेश कुमार झा और वंश प्रताप सिंह

शामिल हैं। पूरे फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड अमित बताया जा रहा है। वहीं रोशन प्लेसमेंट कंसल्टेंसी फर्म में काम करता था, जो पैन, आधार, बिजली बिल, पता प्रमाण और जीएसटी पंजीकरण के लिए जरूरी दस्तावेज तैयार कराता था।

अधिकारियों के मुताबिक, केवाईसी के लिए हासिल दस्तावेज का इस्तेमाल यह लोग फर्जी कंपनियां खोलने में करते थे। मुकेश के पास बैंक खाते खोलने, नकदी प्रवाह का प्रबंधन करने और इन नकली उद्यमों के सभी वित्तीय लेनदेन की देखरेख करने की जिम्मेदारी थी।

चौथे आरोपी वंश प्रताप सिंह ने गुप्त कार्यालय खोल रखा था, जहां गोपनीय तरीके से बिल, ई-वे बिल बनाना, जीएसटी रिटर्न दाखिल करने और धोखाधड़ी वाली फर्मों के बिक्री-खरीद बही-खाते को बनाए रखने जैसी अहम गतिविधियां संचालित होती थीं। धोखाधड़ी के इस कारोबार के संचालन में मदद के लिए इस सिंडिकेट ने कई लोगों की भर्ती की हुई थी। फर्जी कंपनियों के खाते खुलवाने में कुछ बैंक कर्मियों की मिलीभगत के भी सुबूत मिले हैं।

कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल जब्त

छापे के दौरान लैपटॉप, डेस्कटॉप, इलेक्ट्रॉनिक स्टोरेज डिवाइस, पैन कार्ड, आधार कार्ड, चेक-बुक, 25 से अधिक मोबाइल फोन, ओटीपी प्राप्त करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सिम कार्ड, शेल कंपनियों के रबर स्टैम्प सहित भारी मात्रा में साक्ष्य जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों को आर्थिक अपराध न्यायालय, मेरठ ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सोने की कीमतों में 250 रुपये की गिरावट, चांदी 650 रुपये लुढ़की

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 250 रुपये टूटकर 61,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, "विदेशी बाजारों में मंदी के रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का हाजिर भाव 250 रुपये गिरकर 61,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। चांदी भी 650 रुपये टूटकर 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ क्रमशः 1,970 डॉलर प्रति औंस और 22.75 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार करते दिखे।

सेंसेक्स 16 अंक की गिरावट के साथ 64,942 पर बंद, होनासा कंज्यूमर का शेयर 4% बढ़ा

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी मंगलवार को फ्लैट कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 16 अंक की गिरावट के साथ 64,942 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 5 अंक की गिरावट देखने को मिली, यह 19,406

के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 में तेजी और 14 में गिरावट देखने को मिली है।

मामाअर्थ की पैरेंट कंपनी होनासा कंज्यूमर की शेयर बाजार में आज एंट्री हुई। कंपनी का शेयर NSE पर 1.85% प्रीमियम के साथ 330 रुपए पर हुआ। लिस्टिंग के बाद इसमें थोड़ी और तेजी देखने को मिली और ये 13.10 रुपए (4.04%) बढ़कर 337.10 रुपए पर बंद हुआ।

मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए। वहीं फार्मा, PSE, मेटल शेयरों में तेजी रही। वहीं रियल्टी, ऑटो शेयरों पर दबाव देखने को मिला। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे कमजोर होकर 83.27 रुपए पर बंद हुआ।

हॉकिंस कूकर्स का मुनाफा 14.3% बढ़ा

हॉकिंस कूकर्स ने आज वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे जारी कर दिए हैं। दसके अनुसार इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 14.3% बढ़ा है, और से 30.8 करोड़ से बढ़कर 35.2 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। वहीं आय 8.7% घटी है। ये 297.3 करोड़ से घटकर 271.6 करोड़ रुपए रह गई है।

कल बाजार में रही थी तेजी

इससे पहले कल यानी सोमवार (6 नवंबर) को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 594 अंक की तेजी के साथ 64,958 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 181 अंक की तेजी रही, यह 19,411 के स्तर पर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 26 में तेजी और सिर्फ 4 में गिरावट देखने को मिली है।

दक्षिण कोरिया ने शेयरों के शॉर्ट सेलिंग पर लगाया बैन, जानें भारत पर क्या होगा असर?

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के फाइनेंशियल रेग्यूलेटर ने वहां के शेयर बाजार में शॉर्ट सेलिंग पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है. दक्षिण कोरिया के फाइनेंशियल सर्विस कमीशन ने ये बैन लगाया है जो कि जून 2024 तक लागू रहेगा. दक्षिण कोरिया के शॉर्ट सेलिंग पर बैन लगाने का फैसला वहां के स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड सभी स्टॉक्स पर लागू होगा.

2024 में दक्षिण कोरिया में चुनाव होने वाला है. लेकिन घरेलू शेयर बाजार में ग्लोबल संस्थागत निवेशकों की ओर गैरकानूनी नेकेड शॉर्ट सेलिंग का मामला देखा जा रहा था. ऐसे में चुनावों से पहले रिटेल निवेशकों को खुश करने के चलते शॉर्ट सेलिंग पर बैन लगाने का फैसला लिया गया है. वहां के रेग्यूलेटर ने गैरकानूनी शॉर्ट सेलिंग को लेकर विदेशी संस्थागत इंवेस्टर्स के खिलाफ कार्रवाई करने के भी संकेत दिए हैं. इस शॉर्ट सेलिंग में बगैर शेयर को खरीदे या फिर ये कंफर्म किए बगैर कि शेयर को भविष्य में खरीदा जाएगा, शेयरों की शॉर्ट सेलिंग की जाती है. भारत में नेकेड शॉर्ट सेलिंग की इजाजत रेग्यूलेटर नहीं देता है.

बॉम्बे हाईकोर्ट ने जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की याचिका खारिज की

बंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बंबई उच्च न्यायालय ने जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने बैंक ऋण चूक से जुड़े धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को 'अवैध' बताते हुए चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की खंडपीठ ने कहा कि याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता और इसलिए इसे खारिज किया जाता है। अदालत ने कहा कि गोयल के पास जमानत याचिका जैसे अन्य वैधानिक उपायों का लाभ उठाने का विकल्प खुला है। गोयल ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी जिसमें उन्होंने दावा किया था कि ईडी ने मामले में उन्हें अवैध रूप से गिरफ्तार किया है। गोयल ने अपनी याचिका में दावा किया कि उनकी गिरफ्तारी अवैध है क्योंकि यह धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों का पालन किए बिना की गई।

उन्होंने एक विशेष अदालत के आदेशों को भी चुनौती दी, जिसने उन्हें पहले ईडी की हिरासत में और उसके बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। ईडी ने याचिका का विरोध किया और कहा कि कानूनी प्रक्रिया का पालन करने के बाद गिरफ्तारी की गई। इसमें कहा गया है कि गोयल की हिरासत जरूरी है क्योंकि वह टालमटोल कर रहे हैं और जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। एजेंसी ने अपने हलफनामे में यह भी कहा कि गोयल द्वारा दायर याचिका पूरी तरह से झूठी, तुच्छ, अफसोसजनक, कानून की दृष्टि से गलत है और गलत इरादे से दायर की गई है।

ईडी ने कहा कि यह याचिका कानूनी हिरासत से बचने का एक साधन मात्र है। गोयल वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं और केनरा बैंक में 538 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में मुंबई की आर्थर रोड जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें ईडी ने एक सितंबर को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया था, जिसने उन्हें 14 सितंबर तक एजेंसी की हिरासत में भेज दिया था। गोयल को 14 सितंबर को दो सप्ताह की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

गोयल ने अपनी याचिका में दावा किया कि उनकी गिरफ्तारी मनमानी, अनुचित और उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना ईडी द्वारा की गई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

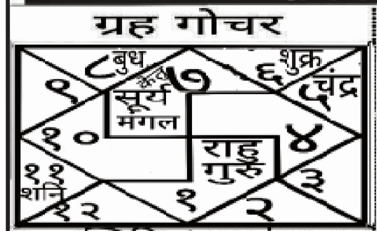

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने, ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2549, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-20
सूर्य अस्त - 17-38
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 08 -23- तक उपरान्त एकादशी
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष, बुधवार 08 November
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी - 19- 19- तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - ऐंद्र - 16 - 09 - तक उपरान्त वैधृति
करण- विष्टि - 08 -23 - तक उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल प्रातः- 08-24 तक

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	तुला	में
चंद्र-	सिंह	में
मंगल	तुला	में
बुध-	वृश्चिक	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कन्या	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
तुला...	04-50	बजे
वृश्चिक.	07-00	बजे
धनु.....	09-13	बजे
मकर..	11-20	बजे
कुंभ...	13-10	बजे
मीन --	14-48	बजे
मेष--	16-24	बजे
वृष--	18-09	बजे
मिथुन..	20-09	बजे
कर्क...	22-22	बजे
सिंह...	00-34	बजे
कन्या..	02-41	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:59 से 13:25 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:20 - 07:44	शुभ	उत्पात	17:38 - 19:16	अशुभ
अमृत	07:44 - 09:09	शुभ	शुभ	19:16 - 20:50	शुभ
काल	09:09 - 10:34	अशुभ	अमृत	20:50 - 22:25	शुभ
शुभ	10:34 - 11:59	शुभ	चंचल	22:25 - 23:59	शुभ
रोग	11:59 - 13:25	अशुभ	रोग	23:59 - 01:35	अशुभ
उत्पात	13:25 - 14:50	अशुभ	काल	01:35 - 03:09	अशुभ
चंचल	14:50 - 16:16	शुभ	लाभ	03:09 - 04:44	शुभ
लाभ	16:16 - 17:38	शुभ	उत्पात	04:44 - 06:20	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं। हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे। अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा। हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
दिन शांत रहेगा। पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी। आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें। कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा। आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है। आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा। आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे। छात्रवृति भी मिल सकती है। कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें। अपने रूटीन को बदलने के बारे में सोच रहें हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा। आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए। अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं.लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें। आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
एकरसता आपको अच्छी न लगती। इससे आप बोर अनुभव करते हैं। आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे। अपनी दिनचर्या बदलें।इसमें फिटनेस को जगह दें। किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं। आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें। ऑफिस में नयी पहचान बनेगी। कुल मिलकर दिन हल्का-फुल्का गुजरेगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं। लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें। आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें। तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है। इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं। इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं। आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं। इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा। आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं। कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी। आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी। आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है। सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें,आपको सफलता जरुर मिलेगी।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है। अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं। आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा। इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी। हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें। आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा। बाद में आप अच्छा और आत्मविश्वास से भरा अनुभव करेंगे।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

डीपफेक से बना रशिमका मंदाना का वीडियो

कैसे पहचानें कोई वीडियो रियल है या डीपफेक

एआई के लिए महज कुछ सेकेंड का काम, इसके शिकार लोग क्या करें

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। एक ही फ्रेम में दो तस्वीरें दिख रही हैं। पहली इंस्टाग्राम सेलिब्रिटी जारा पटेल के असली वीडियो की है और दूसरी डीपफेक टेक्नोलॉजी से रश्मिका मंदाना का चेहरा लगाकर बनाए गए फेक वीडियो की। सोशल मीडिया पर हजारों लोगों ने रश्मिका के इस फेक वीडियो को असली समझ लिया क्योंकि उसमें दिख रहे एक्सप्रेशन बिल्कुल रियल लगते हैं। अमिताभ बच्चन से लेकर खुद रश्मिका मंदाना तक ने हैरानी जताई है। एक ट्विटर पोस्ट में रश्मिका ने लिखा, 'ईमानदारी से कहूं तो ऐसा कुछ न केवल मेरे लिए, बल्कि हममें से हर एक के लिए बेहद डरावना है। अगर मेरे साथ ये तब हुआ होता, जब मैं स्कूल या कॉलेज में थी, तो मैं इससे निपटने का सोच भी नहीं सकती थी।' डीप फेक क्या है, कैसे काम करता है और इससे निपटने के लिए कौन-से कानून हैं?

डीपफेक होता क्या है और कैसे बनाया जाता है?

डीपफेक शब्द पहली बार 2017 में यूज किया गया था। तब अमेरिका के सोशल न्यूज एग्रीगेटर Reddit पर डीपफेक आईडी से कई सेलिब्रिटीज के वीडियो पोस्ट किए गए थे। इसमें एक्ट्रेस एमा वॉटसन, गैल गैडोट, स्कारलेट जोहानसन के कई पोर्न वीडियो थे।

किसी रियल वीडियो, फोटो या ऑडियो में दूसरे के चेहरे, आवाज और एक्सप्रेशन को फिट कर देने को डीपफेक नाम दिया गया है। ये इतनी सफाई से होता है कि कोई भी यकीन कर ले। इसमें फेक भी असली जैसा लगता है। इसमें मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लिया जाता है। इसमें वीडियो और ऑडियो को टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर की मदद से बनाया जाता है।

एआई और साइबर एक्सपर्ट पुनीत पांडे बताते हैं कि अब रेडी टु यूज टेक्नोलॉजी और पैकेज उपलब्ध है। अब इसे कोई भी उपयोग कर सकता है। वर्तमान टेक्नोलॉजी में अब आवाज भी इम्प्रूव हो गई है। इसमें वॉयस क्लोनिंग बेहद खतरनाक हो गई है।

डीपफेक वीडियो बनाने का तरीका

सबसे पहले ऐसी फोटो या वीडियो की पहचान की जाती है, जिसमें नकली चेहरा और आवाज फिट की जा सके। तमाम चेहरे जुटाने को इनकोडर एल्गोरिदम और चेहरा बदलने को फेस स्वैप कहते हैं। दूसरा प्रोग्राम डीकोडर एल्गोरिदम होता है। फेस स्वैप होने के बाद एक्सप्रेशन डाला जाता है। फिर ऑडियो ऐड किया जाता है और वीडियो के एक-एक फ्रेम पर काम किया जाता है, ताकि वीडियो असली लगे। 24 फ्रेम यानी 24 इमेजेस से मिलकर एक सेकेंड का वीडियो बनता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने ये काम और आसान कर दिया है। पब्लिक डोमेन में कुछ ऐप हैं जिन पर केवल फोटो डालना होता है और संबंधित का फेक वीडियो या फोटो तैयार हो जाता है। इसके उदाहरण कई सोशल वीडियो चैट ऐप हैं जिनमें आप अपना चेहरा छिपाने के लिए लाइव मास्क लगा लेते हैं या कभी क्राउन पहन लेते हैं। जानकार कहते हैं कि जो परफेक्ट एआई तकनीक से वीडियो बने होते हैं उन्हें देखकर कोई भी मात खा सकता है। जब तक फेक वीडियो की सच्चाई पता चलती है, विक्टिम की इमेज डैमेज हो चुकी होती है। अमेरिका में हुई एक रिसर्च के अनुसार आमतौर पर 96% एआई बेस्ड डीपफेक वीडियो का उपयोग पोर्न बनाने में ही होता है। फेक वीडियो बनाने वाले इसकी पहचान करने वालों से दो कदम आगे हैं। 2018 में जब अमेरिकी रिसर्चर्स ने बताया कि फेक वीडियो पलकें नहीं हिलाते हैं, तो इसके कुछ महीने बाद ही फेक वीडियो में पलकें भी हिलने लगीं।

अभी तक ऐसा कोई सर्टिफाइड टूल नहीं आया है जो डीपफेक वीडियो की पहचान कर सके, लेकिन गूगल, अमेजन और मेटा सहित कई कंपनियां हैं जो इस पर लगातार कर काम कर रही हैं। फिर भी कुछ चीजों पर फोकस किया जाए तो वीडियो की असलियत सामने आ सकती है।

इससे निपटने के लिए भारत में अलग से कोई कानून नहीं

यूरोपीय यूनियन ने डीपफेक को रोकने के लिए एआई एक्ट के तहत कोड ऑफ प्रैक्टिस ऑन डिसइन्फॉर्मेशन' लागू किया है। इस पर साइन करने के बाद गूगल, मेटा, ट्विटर सहित कई तकनीकी कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर डीपफेक और फेक अकाउंट्स रोकने के लिए सख्त कदम उठाने होते हैं। इन्हें लागू करने के लिए छह महीने का समय दिया जाता है। कानून तोड़ने पर कंपनी को अपने सालाना ग्लोबल रेवेन्यू का 6% जुर्माना देना पड़ता है।

अमेरिका में डीपफेक टास्क फोर्स एक्ट लागू किया गया है। यह अभी इतनी सख्ती से काम नहीं कर रहा है। इसके तहत डीपफेक का एनुअल एनालिसिस, तकनीक के बारे में पता किया जाता है। अमेरिकी राज्यों कैलिफोर्निया और टेक्सास ने इसके अलावा अलग कानून भी पारित किए हैं। भारत में इसके लिए कोई कानून या नीति नहीं है। ऐसे सारे मामले आईटी एक्ट के तहत ही सुने जाते हैं।

साइबर मामलों के जानकार और सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट अनुज कुमार अग्रवाल कहते हैं कि भारत में इसे लेकर अलग से कानून नहीं है। हां, ऐसे वीडियो या जानकारी फैलाने वाले को आईटी एक्ट के तहत तीन से दस साल की सजा हो सकती है।

2008 में हुए एक संशोधन के कारण सोशल मीडिया कंपनियों को इसमें इस शर्त पर छूट मिली है कि वे जांच एजेंसियों को ऐसे मामलों में सहयोग करेंगी तो उन पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। साइबर लॉ की जानकार एडवोकेट स्नेहा सिंह बताती हैं कि अगर किसी के साथ डीपफेक जैसा कुछ हो तो वो स्थानीय पुलिस, साइबर सेल और cybercrime.gov.in पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। पुलिस धोखेबाजों के आईपी एड्रेस का पता लगा सकती है और ऐसे अपराधियों के स्थान का भी पता लगा सकती है जो डार्क वेब के पीछे छिपे हुए हैं। उन पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। साइबर अपराध के लिए टोल फ्री नंबर 1930 पर भी शिकायत कर सकते हैं।

असम के गुवाहाटी की रहने वाली एक लड़की को उसके एक दोस्त ने बताया कि उसकी न्यूड फोटो एक वेबसाइट पर बिक रही है। उसने अपने पिता के साथ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस वालों ने इसे आम शिकायत माना और भूल गए। इसके बाद लड़की ने खुद पड़ताल शुरू की।

नकली प्रोफाइल बनाकर जब उसने अपनी ही तस्वीरें खरीदी तो दंग रह गई। दरअसल ये वो तस्वीरें थीं जो सामान्य थीं और जिन्हें AI से न्यूड बनाया गया था। इन तस्वीरों को उसके सोशल मीडिया अकाउंट से उठाकर छेड़छाड़ की गई थी। उसे पहली बार पता चला कि वहां उसकी ही नहीं, असम समेत देश की हजारों महिलाओं की न्यूड तस्वीरें थीं जिन्हें देखकर लगता था कि ये नेचुरल हैं, जिन्हें उन्होंने अपने साथियों के साथ प्राइवेट मोमेंट्स के दौरान खींचा था। ये सारी तस्वीरें एआई से बनाई गई थीं।

जब दोबारा विक्टिम पुलिस के पास डीपफेक का कॉन्सेप्ट लेकर पहुंची तो पुलिस वाले कुछ समझ नहीं पाए, क्योंकि उन्होंने इससे पहले इसका नाम ही नहीं सुना था। आखिरकार लड़की ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट से असली-नकली तस्वीरें शेयर कीं और सबको बताया कि असम में किस तरह का गिरोह एक्टिव है और लड़कियों को कितना सतर्क रहना है।

डीपफेक तकनीक का उपयोग ज्यादातर पोर्नोग्राफी, घोटालों, धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी को बदनाम करने, इलेक्शन में हेर-फेर, सोशल इंजीनियरिंग, फाइनेंशियल फ्रॉड आदि चीजों के लिए किया जाता है।

भूपेश बोले- महादेव ऐप संचालक भाजपाइयों के करीबी

भिलाई में कहा- चुनाव में 50-55 आए तो 5-10 को ईडी ले जाएगी, 75 में गुंजाइश नहीं

भिलाई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महादेव ऑनलाइन सट्टा के संचालकों को भाजपा के बड़े नेताओं का करीबी बताया है। उनके मुताबिक इस बार विधानसभा चुनाव में 50-55 सीटें आईं तो 5-10 विधायकों को ईडी उठाकर ले जाएगी। लेकिन कांग्रेस 75 सीटें लाई तो कोई गुंजाइश नहीं बचेगी। उन्होंने ये बातें भिलाई के वैशाली नगर में प्रचार के दौरान कही।

भूपेश बघेल ने सोमवार शाम को दुर्ग में विधानसभा प्रत्याशियों के लिए रैली निकाली। इस दौरान दुर्ग शहर के कांग्रेस प्रत्याशी अरुण वोरा और दुर्ग ग्रामीण के प्रत्याशी गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे। रैली के बाद सीएम सत्ती चौरा मंदिर पहुंचे। यहां तीनों प्रत्याशियों ने माथा टेकर माता से आशीर्वाद लिया।

भूपेश बघेल बोले ईडी और आईटी के माध्यम से भाजपा चुनाव लड़ रही है। अपनी लकीर बढ़ा नहीं पाई और अब वो ईडी-आईटी के जरिए कांग्रेस की लकीर छोटी करने में लगी है। जिस तरह से ईडी के अधिकारियों ने प्रेस नोट जारी किया है वो निर्वाचन आयोग के नियमों के विपरीत है।

सीएम ने कहा कि उनके दिल्ली के नेताओं ने निर्वाचन आयोग से समय मांगा है तो उन्हें समय तक नहीं मिल रहा है। वो इस पर रोक लगाना चाहते हैं कि आप अगर कोई जांच कर रहे हैं और उसे पब्लिक डोमेन में डालते हैं तो उससे चुनाव प्रभावित हो सकता है। सबसे बड़ा इस समय तो निर्वाचन आयोग है, हमारे नेता उनके पास गए हैं। वो समय नहीं दे रहे हैं। सीएम ने कहा कि भाजपा जिसका नाम महादेव में डलवाना चाह रही है डलवा दे। आप लोग भी उसका मजा लीजिए। उन्होंने कहा उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, क्योंकि वो सीधे जनता के बीच हैं।

पत्रकारों को घर और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण

पत्रकारों को सुविधा देने की बात को लेकर सीएम ने कहा कि पत्रकारों का रिटायरमेंट 60 साल से बढ़ाकर 62 साल किया।

उनको जो पेंशन 5 हजार मिल रही थी उसे बढ़ाकर 10 हजार किया। ब्लॉक लेबल पर अधिमान्यता दी जा रही है।

आवास की बात है तो राजनांदगांव को मिल चुका है आप लोगों को भी उसी आधार पर मिलेगा। इस दौरान महिला पत्रकारों को अधिमान्यता में 33 प्रतिशत आरक्षण के सुझाव को सीएम ने सराहा और कहा कि आगे वो इसे करेंगे।

महादेव के संचालक सौरभ और रवि नेता प्रतिपक्ष के करीबी

महादेव बुक को सीएम ने भाजपा के करीबियों का बताया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति पैसा के साथ पकड़ा गया वो भारतीय जनता पार्टी के व्यक्ति के करीबी हैं। जो गाड़ी पकड़ी गई वो भाजपा के बड़े नेता को रिश्तेदार की गाड़ी है। जो लोग अभी तक सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल का नाम महादेव को लेकर सुनते थे। उनका फोटो नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के साथ दिखाई देता है।

परसों ईडी जो प्रेस नोट जारी की गई उसमें शुभम सोनी को अधिकारी बताया गया और अब वो महादेव का मालिक बन गया। प्रेस विज्ञप्ति ईडी जारी करती है। वीडियो भाजपा जारी करता है।

विधायक ढुल्लु महतो का धनबाद एसएसपी पर गंभीर आरोप

धनबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। धनबाद जिले के बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो ने धनबाद के एसएसपी संजीव कुमार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वो मुझे किसी झुठे मामले में फंसा सकते हैं या मेरी हत्या भी करा सकते हैं। विधायक ने कहा कि हाल में ही धनबाद के एक कारोबारी पर गोली चली थी मैंने उस वक्त पुलिस की कार्य शैली पर सवाल खड़ा किया था जिससे पुलिस प्रशासन में नाराजगी है। विधायक ने कहा कि कम लोग हैं जो आवाज उठा पा रहे हैं। मैंने आवाज उठाई तो मुझ पर दो बार मुकदमा किया गया और जेल भेजा गया। पुलिस का गलत रवैया और असली चेहरा मैंने सभी के सामने रखा है। इसकी वजह से प्रशासन का आक्रोश है। इसका नेतृत्व धनबाद के एसएसपी कर रहे हैं। मुझे अंदाजा है कि बहुत जल्द फिर से मुझ पर झुठे मुकदमे की तैयारी है। वो मुझे मरवा सकते हैं क्योंकि उनके हाथ में बहुत सारे अपराधी हैं। मेरे खिलाफ केंद्रीय एजेंसी से जांच करा लें अगर मुझ पर आरोप सबित होते हैं, तो मैं राजनीति और राज्य दोनों छोड़ने के लिए तैयार हूं।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

सीआरपीएफ के कई जवान घायल, बीजापुर में तीन नक्सली ढेर

नारायनपुर/बीजापुर/कांकेर/सुकमा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पहले चरण के लिए हो रहे मतदन के बीच सुकमा के ताड़मेटला और दुलेड में सीआरपीएफ और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। कोबरा 206 के जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई। मीनपा में पोलिंग पार्टी को सुरक्षा देने के लिए जंगलों में जवान तैनात थे। मुठभेड़ में कुछ जवानों के घायल होने की जानकारी है।

नारायणपुर में भी हुई मुठभेड़

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में ओरछा पुलिस स्टेशन के पास जंगल क्षेत्र में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बीच नक्सलियों के भाग जाने से एसटीएफ के जवान सुरक्षित हैं। इलाके की तलाशी की जा रही है। सोशल मीडिया पर मतदान केंद्रों को नक्सलियों द्वारा घेरने की वायरल सूचना गलत है और मतदान जारी है।

कांकेर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई।

लगभग आधे घंटे तक मुठभेड़ चली। बता दें कि चुनाव करवाने गए बीएसएफ और बस्तर फाइटर के जवानों के साथ माड़पखांजूर तथा उलिया जंगल में मुठभेड़ हुई। पखांजुर एएसपी ने पूरे मामले की जानकारी दी है।

कांकेर में बांदे थाना क्षेत्र में बीएसएफ़ एवं डीआरजी की टीम मतदान के लिए एरिया डोमिनेशन पे निकली थी। इसी दौरान डीआरजी के साथ पानावर के पास मुठभेड़ हुई। घटना स्थल से एके-47 बरामद की गई है। फिलहाल इलाके में सर्च कार्रवाई जारी है। कुछ नक्सलियों के घायल होने और मरने की संभावना है।

बीजापुर में सीआरपीएफ और नक्सलियों की मुठभेड़

बीजापुर के गंगालूर मार्ग पर एरिया डॉमिनेशन पर निकली सीआरपीएफ जवानों की पार्टी के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई। पुलिस ने दावा किया है कि नक्सली दो से तीन शव लेकर भाग रहे थे। वहीं घटनास्थल पर खून के धब्बे व घसीटने के निशान मिले हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को एरिया डॉमिनेशन पर निकली सीआरपीएफ 85 बटालियन की टीम गंगालूर मार्ग के पदेडा की दक्षिण दिशा की ओर निकली हुई थी। इसी पुलिस जवानों व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। करीब पांच से 10 मिनट मुठभेड़ चली। फिलहाल सभी जवान सुरक्षित है। पुलिस की सर्चिंग जारी हैं। कांकेर में मुठभेड़ के दौरान किसान को पेट में गोली लग गई। जानकारी के मुताबिक किसान खेत में मवेशी चरा रहा था तभी नक्सलियों के हमले से किसान घायल हो गया। घायल किसान को बांदे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घटना स्थल से एके-47 बरामद की गई।

शराब कारोबारी के ठिकानों पर आईटी का छापा

सोम ग्रुप के ठिकानों पर दबिश, 20 हजार करोड़ का है डिस्टलरीज कारोबार

बिलासपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आयकर की टीम ने मंगलवार की सुबह शराब कारोबारी सोम ग्रुप के बॉटलिंग प्लांट सहित अन्य ठिकानों पर दबिश दी। बताया जा रहा है कि शराब कारोबारी एमपी का रहने वाला है और 20 हजार करोड़ रुपए का उनका कारोबार है। सिरगिट्टी इंडस्ट्रियल एरिया में उनका मेसर्स लीजेंड के नाम से बॉटलिंग प्लांट है। भोपाल से सोम ग्रुप का संचालन किया जाता है।

आयकर विभाग के भोपाल, इंदौर, मुंबई की टीम करीब दर्जन भर गाड़ियों में सुबह सिरगिट्टी औद्योगिक परिक्षेत्र पहुंचे। यहां उन्होंने मेसर्स लीजेंड बॉटलिंग प्लांट में छापेमारी की। प्लांट सोम ग्रुप का है, जिसके मैनेजिंग डायरेक्टर भोपाल के जगदीश अरोरा हैं। टीम के साथ आए केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों ने प्लांट को घेर कर कब्जे में ले लिया। वहीं, अफसर सीधे दफ्तर में पहुंच गए। यहां अधिकारी

दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। शराब कारोबारी के भोपाल सहित अन्य ठिकानों में भी आयकर की छापेमारी चल रही है। बता दें कि यह ग्रुप राज्य गठन से काफी चर्चा में आया था। तब सीएम दिग्विजय सिंह के कार्यकाल के दौरान रायपुर में हुए शराब ठेका घोटाले में इस ग्रुप का नाम आया था। इस ग्रुप के साथ जुड़ने के बाद ही बड़ी संख्या में ठेकेदारों ने ठेके हासिल कर फर्जी डीडी जमा किए थे। इस मामले को लेकर बवाल मच गया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने रविवार सुबह राधिका नगर में भिलाई स्टील प्लांट के दो रिटायर्ड कर्मचारी और रिटायर्ड टीचर के मकान में छापा मारा। टीम की कार्रवाई करीब पौने घंटे तक चली। हालांकि तीनों ही जगह से टीम को कुछ नहीं मिला। इसके बाद टीम लौट गई। ईडी की टीम ने तीन दिन पहले भिलाई में ही हाउसिंग बोर्ड में ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में छापा मारकर करोड़ों रुपए बरामद किए थे।

भिलाई में ईडी की टीम ने हाउसिंग बोर्ड ब्लॉक नंबर-15 क्वॉर्टर नंबर-17 निवासी बप्पा दास के यहां छापा मारकर ढाई करोड़ कैश जब्त किया है।

ईडी ने कार्रवाई में लायी तेजी

रांची, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जमीन घोटाले और मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले की पड़ताल कर रही ईडी के अधिकारियों के खिलाफ साजिश करने के मामले में आज बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के बड़ा बाबू दानिश रिजवान से पूछताछ की जाएगी। उसे ईडी के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय बुलाया गया है।

क्यों होगी पूछताछ

ईडी ने जब तीन नवंबर को जेल में छापा मारा था तब बड़ा बाबू दानिश रिजवान का मोबाइल जब्त किया था। इस मोबाइल की जांच में ईडी को पता चला कि वह अपने मोबाइल से मनी लांड्रिंग के गवाहों को धमकी दे रहा था। ईडी को उसके मोबाइल से कई गवाहों के नंबर और बातचीत की रिकॉर्डिंग भी मिली है। इसी मामले को लेकर आज दानिश रिजवान से पूछताछ की जाएगी। उसे 11 बजे हाजिर होने को कहा है।

कल जेलर और गुरुवार को जेल अधीक्षक से पूछताछ

बड़ा बाबू के अलावा होटवार जेल के अधीक्षक और जेलर से भी पूछताछ की जाएगी। जेलर मो नसीम को 8 नवंबर को ईडी ऑफिस में हाजिरी लगाने का आदेश दिया गया है। जबकि जेल अधीक्षक हामिद अख्तर को 9 नवंबर को हाजिर होने को कहा है। ईडी की ओर से भेजे गए बुलावे को बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। वहीं चर्चा इस बात की भी है कि प्रवर्तन निदेशालय इन अधिकारियों के खिलाफ कड़े कदम भी उठा सकती है।

ईडी ने पीएमएलए कोर्ट में आवेदन देकर बताया था कि जेल में बंद प्रेम प्रकाश व अन्य अभियुक्त, जेल के अधिकारी और राज्य के कुछ प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से ईडी के अधिकारियों को झूठे मुकदमे में फंसाने की साजिश रच रहे हैं। इसके बाद कोर्ट से अनुमति लेकर ईडी ने शुक्रवार दोपहर रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में छापेमारी की। ईडी के अधिकारी दोपहर 3:30 बजे केंद्रीय कारा पहुंची और प्रेम प्रकाश सहित उससे संबंधित लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की।

सरना धर्म कोड, आज मोरहाबादी में महासभा

आदिवासी सेंगेल अभियान कर रहा नेतृत्व, झारखंड ही नहीं असम और अरुणाचल से भी जुटेंगे लोग

रांची, 7 नवंबर (एजेंसियां)। रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में आज आदिवासियों का महाजुटान होने जा रहा है। इस महाजुटान का नेतृत्व आदिवासी सेंगेल अभियान कर रहा है। यह महाजुटान सरना धर्म कोड को लागू कराने को लेकर दबाव बनाने के लिए हो रहा है। इसमें ने केवल झारखंड बल्कि असम और अरुणाचल प्रदेश से भी आदिवासी समुदाय के लोग शिरकत करेंगे। इस सभा को लेकर आदिवासी सेंगेल अभियान के प्रमुख सालखन मुर्मू ने कहा कि अब सांत्वना और आश्वासन से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कल मंजिल तक पहुंचाने का शंखनाद किया जाएगा। आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद सालखन मुर्मू ने कहा कि भारत में आदिवासियों को धार्मिक आजादी नहीं मिली है। हमको जोरदजबदस्ती हिंदू, मुस्लिम और ईसाई बनाया जा रहा है। यह एक

प्रकार का हिंदू राष्ट्र, मुसलमान राष्ट्र और ईसाई राष्ट्र का मामला है। तो क्यों न हम आदिवासी भी आदिवासी राष्ट्र की बात करें और झारखंड हमारा केंद्र है। 15 नवंबर को प्रधानमंत्री भी झारखंड पहुंच रहे हैं। ऐसे में हम कल से सरना धर्म कोड को लागू करने को लेकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।

दोपहर 12 बजे शुरू होगी सभा

आदिवासी सेंगेल अभियान के माधयम से सरना धर्म कोड की मांग तेज करने को लेकर कल रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित जनसभा की शुरुआत दोपहर 12 बजे होगी। यह जनसभा शाम चार बजे तक चलेगी। सालखन मुर्मू ने बताया कि जनसभा में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस जनसभा में धार्मिक आजादी के संघर्ष को मंजिल तक पहुंचाने का शंखनाद किया जाएगा। कल ही देश के विभिन्न राज्यों में रहने वाले छह करोड़ आदिवासियों के सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक गुलामी से आजादी के रोड मैप को तैयार किया जाएगा।

घरेलू हिंसा कानून में गुजारा भत्ता देने के आदेश पर हस्तक्षेप से इलाहाबाद हाई कोर्ट का इनकार

प्रयागराज, 7 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गुजारा भत्ता केस में एकमुश्त रकम लेकर पति-पत्नी के बीच समझौते के बाद घरेलू हिंसा कानून के तहत कार्रवाई में तीन हजार रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता देने के आदेश पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा, घटना के समय दोनों एक साथ रहते थे, इसलिए मजिस्ट्रेट के आदेश में कोई अवैधानिकता नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति शिवशंकर प्रसाद ने राम कुमार मिश्र की पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए दिया है। पीलीभीत निवासी ममता देवी व राजकुमार मिश्र की 2001 में शादी हुई। समय बीतने के बाद मनमुटाव हो गया और पत्नी ने धारा 125 में गुजारे का केस दर्ज किया, किंतु डेढ़ लाख रुपये एकमुश्त भुगतान की शर्त पर समझौता हो गया और केस खारिज कर दिया गया। बाद में पत्नी ने घरेलू हिंसा कानून के तहत केस दर्ज किया और गुजारे की मांग की।

मजिस्ट्रेट ने दिया प्रतिमाह तीन हजार गुजारा भत्ता देने का आदेश

मजिस्ट्रेट ने तीन हजार रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता देने का पति को आदेश दिया। इस आदेश के खिलाफ अपील अपर जिला सत्र न्यायाधीश पीलीभीत ने खारिज कर दी। इसे पुनरीक्षण अर्जी में चुनौती दी गई। पत्नी की तरफ से अधिवक्ता मोहम्मद आसिफ ने यह कहते हुए याचिका की पोषणीयता पर आपत्ति की कि अंतरिम आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका मान्य नहीं है। याची के अधिवक्ता पी के विश्वकर्मा का कहना था कि गुजारा मामले में समझौता हो चुका है। दोनों अलग रहते हैं। इसलिए घरेलू हिंसा कानून की कार्रवाई नहीं हो सकती, गुजारे को लेकर समझौता होने के बाद दोबारा गुजारा भत्ता देने का आदेश विधि विरुद्ध है। कोर्ट ने इन तर्कों को सही नहीं माना।

जिसने रची लूट की साजिश लुटेरों ने उसे भी मार डाला पुलिस को बताई वजह

मोतिहारी, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी जिले के रामगढ़वा थाना के शिव शक्ति राइस मिल के गेट पर हत्या एवं लूट मामले का पुलिस ने खुलासा किया है. इस मामलें में पुलिस ने तीन अपराधियों को हथियार एवं कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है. 27 लाख रुपए की लूट की साजिश कंपनी के कैशियर दिलीप सिंह ने ही खुद रची थी. दिलीप सिंह को पैसे की जरूरत थी और उसे घर बनाने का सपना था. अपने इसी सपना को पूरा करने के लिए स्थानीय अपराधियों के साथ मिलकर उसने लूट की योजना बनाई थी.

विधानसभा घेराव के दौरान

पटना में आंगनबाड़ी सेविकाओं पर वाटर कैनन से छोड़ा गया पानी, एक की मौत का दावा

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी पटना में मंगलवार को आंगनबाड़ी सेविकाओं पर पुलिस ने वाटर कैनन से पानी छोड़ा। आंगबाडी सेविकाएं विधानसभा घेराव करने के लिए निकली थीं। डेढ़-दो महीने से ये लोग हड़ताल पर हैं। आंगनबाड़ी सेविका उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर वादा खिलाफी का आरोप लगा रही हैं। एक आंगनबाड़ी सेविका की मौत का दावा किया जा रहा है। हालांकि इस पर प्रशासनिक पुष्टि नहीं की गई है। आंगनबाड़ी सेविकाओं का कहना है कि तेजस्वी यादव ने चुनाव के समय

बार-बार यह कहा था कि उनकी सरकार आने पर बिहार की सभी आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं का मानदेय दोगुना किया जाएगा। सरकार बन जाने के बाद आज तक इस पर अमल नहीं किया गया है। अब किसी के झूठे वादे और बहकावे में नहीं आने वाले हैं, जब तक हम लोग की बात नहीं मानी जाएगी हमलोग इस तरह का प्रदर्शन करते रहेंगे।

सिविल जज श्वेता सिंह ने सरकारी अस्पताल में कराई डिलीवरी

जनता को दिया सुविधाओं की बेहतरी का संदेश

फिरोजाबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सरकारी अस्पतालों में प्रसव से सामान्य परिवारों के सदस्य भी बचते हैं। ऐसे में एक महिला न्यायाधीश ने सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली के प्रति विश्वास जगाने वाला सराहनीय रास्ता चुना। उन्होंने स्वशासी राजकीय मेडिकल कालेज के अस्पताल में बेटे को जन्म दिया।

पुत्र को दिया जन्म

सिविल जज (जूनियर डिवीजन) श्वेता सिंह और उनके पति प्रभात कुमार सिंह यहां किशोर बोर्ड में न्यायिक अधिकारी हैं। श्वेता सिंह प्रसव पीड़ा होने पर वह रविवार शाम को 100 शैया अस्पताल में भर्ती हुईं। देर रात स्त्री रोग की विभागाध्यक्ष डा। प्रेरणा जैन ने डिलीवरी कराई। श्वेता सिंह ने पुत्र को जन्म दिया। सुबह अस्पताल के सीएमएस डा। नवीन कुमार जैन, बाल कल्याण समिति की सदस्य संगीता पांडेय उन्हें देखने पहुंचीं। संगीता पांडेय का कहना है कि यह सरकारी महिला अस्पताल किसी प्राइवेट अस्पताल से कम नहीं हैं।

उनकी सहयोगी श्वेता प्रारंभ से ही कहती थीं कि सरकारी अस्पताल समाज के लिए अच्छा कार्य कर रहे हैं, लेकिन समाज में निजी अस्पतालों के प्रति आकर्षण ज्यादा है। उन्होंने समाज को बेहतर संदेश देने के लिए सरकारी अस्पताल को चुना। वहीं सीएमएस ने बताया कि जच्चा-बच्चा स्वस्थ हैं। 100 शैया अस्पताल में सुविधाओं की कमी नहीं है। आम महिला हो या खास, सभी का ध्यान रखा जाता है। केवल जटिल केसों में ही आपरेशन करने की नौबत आती है।

नवंबर के अंत में शीतकालीन सत्र बुला सकती है योगी सरकार

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र इस महीने के आखिरी सप्ताह में बुलाये जाने की संभावना है। योगी आदित्यनाथ सरकार शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश कर सकती है। चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 का यह पहला अनुपूरक बजट होगा। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सरकार अयोध्या में चल रही विकास परियोजनाओं और राज्य भर में अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए पूरक अनुदान मांग सकती है। अयोध्या में मंदिर के अभिषेक की तारीख की घोषणा पहले ही हो चुकी है और यह अगले साल 22 जनवरी को होगा। अयोध्या में सड़क, बिजली और शहरी सुविधाओं से संबंधित विकास परियोजनाएं तेजी से क्रियान्वित की जा रही हैं और उनमें से कई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंदिर के उद्घाटन से पहले पूरा करने का लक्ष्य है। अनुपूरक बजट इसलिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि अगले साल अप्रैल या मई में लोकसभा

चुनाव होने हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार लोकसभा चुनाव से पहले प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करना चाहती है। यूपी के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 22 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 6,90,242.43 करोड़ रुपये का राज्य बजट पेश किया। 2023-24 में ऋण चुकौती को छोड़कर कुल व्यय 6,59,061 करोड़ रुपये होने का लक्ष्य है। यह 2022-23 के संशोधित अनुमान से 17 प्रतिशत की वृद्धि है। इस व्यय को 5,74,178 करोड़ रुपये की उधारी और 77,933 करोड़ रुपये की शुद्ध उधारी को छोड़कर, प्राप्तियों के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है। 2023-24 के लिए कुल प्राप्तियां (उधार के अलावा) 2022-23 के संशोधित अनुमान से 19.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। वित्त विभाग के सूत्रों ने कहा कि सरकार की संसाधन स्थिति काफी आरामदायक थी और सरकार के पास बाजार और वित्तीय संस्थानों से ज्यादा उधार लिए बिना नई कल्याण और विकास योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए संसाधन थे। कृषि क्षेत्र के लिए बिजली सब्सिडी, बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई परियोजनाएं, विधवा पेंशन और ग्रामीण आवास कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां राज्य सरकार खर्च बढ़ा सकती है। यह आंशिक रूप से अनुपूरक बजट के माध्यम से किया जा सकता है और फरवरी 2024 में राज्य विधानसभा में प्रस्तुत किए जाने वाले 2024-25 के बजट में प्रमुख व्यय किया जाएगा। चालू वित्त वर्ष में निजी ट्यूबवेल मालिकों की बिजली खपत पर सब्सिडी 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 2023-24 में 100 प्रतिशत कर दी गई और इस उद्देश्य के लिए 1,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सिंचाई परियोजनाओं के लिए 2023-24 में 10,952 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जिसमें लघु सिंचाई परियोजनाओं के लिए 3,400 करोड़ रुपये शामिल हैं। विधवा पेंशन योजना के लिए 2023-24 में 4,032 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। योजना के तहत 32.6 लाख निराश्रित विधवाओं को पेंशन प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत ग्रामीण आवास योजना के लिए 2023-24 में 12,39,877 घरों के निर्माण का लक्ष्य है।

तेलंगाना से शातिरों को बुलाकर बिहार से ठगी तेलुगु भाषी होते थे टारगेट

नवादा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के जामताड़ा की तर्ज पर बिहार का नवादा जिला भी इन दिनों साइबर अपराध का गढ़ बनता जा रहा है। नवादा में एक बार फिर से अनोखे तरीके से साइबर अपराध करने की घटना सामने आई है। अब तक आपने सुना होगा कि हिंदी अंग्रेजी भाषा के जरिए लोगों को फोन कॉल्स कर साइबर फ्रॉड किया जाता था मगर इस बार नए तरीके से साइबर ठगी लोगों के साथ की जा रही थी, जिसका उदभेदन नवादा साइबर थाने की पुलिस ने किया है। इस बार साइबर अपराध से जुड़े लोगों ने तेलंगाना से तेलुगु भाषा बोलने वाले लोगों को बुलाकर तेलुगू भाषी लोगों से साइबर अपराध कराया जा रहा था। लोगों को वहां से बुलाकर उन्हें टारगेट देकर अपराध कराया जा रहा था, जिसमें इन सभी ने लोगों से बड़े पैमाने पर साइबर ठगी कर रखी थी। नवादा साइबर थाना की अध्यक्ष प्रिया ज्योति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस गैंग और गैंग के काम करने के तरीके की जानकारी दी।

जिले में पहली बार हुई ऐसी घटना

साइबर थाना अध्यक्ष प्रिया ज्योति ने बताया कि कि जिले में यह पहली बार देखने को मिला है जहां दूसरे राज्य से लोगों को बुलाकर उनके राज्य के भाषा समझने वाले लोगों के साथ ठगी की गई है। उन्होंने बताया कि साइबर पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि वारसलीगंज थाना क्षेत्र के झौर ग्राम के भूषण कुमार उर्फ ओम विकास रंजन जो की तेलंगाना से चार व्यक्तियों को बुलाकर वारसलीगंज बाजार स्थित पटेल कॉलोनी में किराए के मकान में इन चारों तेलुगुवासी लोगों से साइबर अपराध करवाते थे। ये सभी अपराधी तेलुगु भाषा वाले लोगों को फोन कर तेलुगु भाषा में ठगी करते थे, जिसमें इन्होंने करोड़ों की ठगी कर रखी थी। इस ग्रुप के द्वारा तेलुगू भाषी लोगों से घनी फाइनेंस से लोन, इंडिया बुल से लोन, गैस एजेंसी दिलाने एवं सिंपल वन इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने के नाम पर उन्हें फोन करके रुपए ठगने का काम करते थे।

सांवला था पति तो जलाकर मार डाला

पत्नी को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

संभल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के अपर जनपद न्यायाधीश की अदालत ने पति को जला कर मार देने के एक मामले में एक महिला को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हरीश सैनी ने बताया कि यह मामला जिले के कुढ़ फतहगढ़ थाना क्षेत्र के विचेता गांव का है, जहां 15 अप्रैल, 2019 को प्रेमश्री उर्फ नन्ही ने सुबह 6 बजे सोते में पति सत्यवीर सिंह (25) पर पेट्रोल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना के समय, घर के लोग खेत में गेंहू की फसल काटने गए थे। उन्होंने बताया कि इस घटना में सत्यवीर का शरीर 90 प्रतिशत तक जल गया था जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक के भाई हरवीर सिंह ने थाना कुढ़ फतहगढ़ में सत्यवीर की पत्नी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। हरवीर सिंह ने कहा कि उसका भाई सांवले रंग का था और इसे लेकर अक्सर उसकी भाभी ताना मारा करती थी।

नोएडा में पिछले 24 घंटे में सात लोगों ने कथित तौर पर आत्महत्या की

नोएडा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पिछले 24 घंटे में सात लोगों ने अलग-अलग मामलों में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामलों की जांच कर रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जनपद गौतमबुद्ध नगर में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग मामलों में कथित तौर पर सात लोगों ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि आत्महत्या करने वालों की पहचान कर ली गयी है और पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मरने वाले लोगों की उम्र 16 से 57 साल के बीच है। प्रवक्ता ने बताया कि जिले के दनकौर थाना क्षेत्र के सलारपुर गांव के पास रविवार की देर रात 35 वर्षीय महिला का शव नाले से बरामद किया गया। पुलिस को शक है कि महिला की हत्या कर शव को यहां पर फेंका गया है, शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस बीच पुलिस ने बताया कि सोमवार को थाना जारचा क्षेत्र के प्यावली गांव के पास नहर में 25 साल के एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है।

सीवान की दो बहनों ने किया समलैंगिक विवाह, कहा- साथ जियेंगे साथ मरेंगे

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को गलत माना और इसलिए इसे कानूनी मान्यता देने से इंकार कर दिया, लेकिन समाज में कुछ ऐसे लोग मिल ही जाते हैं जो जबरन ऐसी जिंदगी जीना चाहते हैं। कुछ ऐसा ही मामला राजधानी पटना में देखने को मिला, जहां दो मौसेरी बहनें निकाह कर एक साथ रह रही हैं। उनका कहना है कि हमदोनों आजीवन एक साथ रहना चाहते हैं। अपने बारे में जानकारी देते हुए इन्होंने खुद को सीवान जिला के अहमद थाना क्षेत्र के एचएच नगर निवासी खुर्शीद अहमद की बेटी निवासी रोशनी खातून (21) और तरवार थाना क्षेत्र के मंजूर आलम की बेटी तराना खातून (18) है, जो पटना में एक साथ पति-पत्नी की तरह रह रही हैं।

स्कूल के अंदर बंदूक लेकर घूम रहे थे प्रिंसिपल ग्राम प्रधान बोले- दबंगई दिखाते हैं

अलीगढ़, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बता दें कि यहां लोधा थाना इलाके के हयातपुर बिझेड़ा गांव में एक प्राइमरी विद्यालय के प्रिंसिपल धर्मेंद्र कुमार शर्मा का स्कूल के अंदर बंदूक लेकर घूमने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बंदूक के साथ प्रिंसिपल को स्कूल में घूमता देख ग्रामीण एकत्रित हो गए। ग्रामीणों की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान मुनेंद्र कुमार ने मामले को संज्ञान में लेकर जिले के अन्य अधिकारियों को इसकी सूचना दी। वहीं, इस मामले की पुष्टि करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने कहा कि इस घटना कि विस्तृत रिपोर्ट बनाकर डीएम को भेजी जाएगी। ग्रामीणों का आरोप है प्रिंसिपल ने उनसे अभद्र व्यवहार किया। ग्राम प्रधान मुनेंद्र कुमार का दावा है कि उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा बच्चों को पढ़ाने की बजाय मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। ग्राम प्रधान ने आरोप लगाते हुए कहा कि जब ग्रामीण शिकायत लेकर प्रिंसिपल के पास जाते है तो वह अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए दबंगई दिखाते हैं।

'2024 के लोकसभा चुनाव में सपा 65 सीटों पर लड़ेगी'

संभल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों को लेकर सियासी माहौल अब गर्म होने शुरू हो चुका है। लोकसभा सीटों की संख्या के मामले में देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी सयासी हलचल तेज है। दरअसल 'इंडिया' गठबंधन के साथी और समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने हालिया कुछ बड़े संकेत दिए हैं। दरअसल, अखिलेश ने अपने कार्यकर्ताओं को सभी 80 सीटों पर तैयारी करने का निर्देश देते हुए कहा है कि सपा यूपी में दूसरी पार्टियों सिर्फ 15 सीटें देगी।

व्हाट्सएप कॉल पर कब्र खोदने की दी धमकी, फिर 12 लोगों को स्कॉर्पियो से कुचला

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज में जमीन विवाद में एक शख्स ने 12 लोगों को स्कॉर्पियो से कुचल दिया। जिसके बाद एक बुजुर्ग की मौत हो गई। जबकि चार लोग बुरी तरह घायल हो गए है। बांकी लोगों को भी हल्की चोटें आई है। मामला जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के श्रीपुर ओपी के मांझा चतुर्भुज गांव का है। यहां जमीन पर पुआल रखने के लिए दो पक्षों में मारपीट हुई। इसके बाद आरोपी ने दूसरे पक्ष को स्कॉर्पियो से रौंद दिया। मृतक की पहचान उस्मान मियां के रूप में हुई है। गाड़ी से कुचलकर उस्मान मियां की मौत के बाद कोहराम मच गया। घटना के बाद गांव के लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर एक बुजुर्ग की मौत और चार लोगों के बुरी तरह घायल होने के बाद मृतक के परिजन आक्रोशित हो गए और गाड़ी के साथ तोड़फोड़ करने लगे। तब मौके पर मौजूद पुलिस ने किसी तरह समझाबुझाकर लोगों को शांत कराया। पुलिस ने घायलों को आनन फानन में स्थानीय मरछियां देवी रेफरल अस्पताल फुलवरिया में भर्ती कराया जहां उनकी हालत गंभीर होने के बाद उन्हें डॉक्टरों ने सदर अस्पताल गोपालगंज रेफर कर दिया। यहां चार लोगों का इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि उनकी स्थिति गंभीर है। गाड़ी से कुचलकर घायल हुए लोगों की पहचाननूर आलम अंसारी के बेटे जुम्मन अंसारी,अली मियां के बेटे हकीम मियां, नूर मोहम्मद अंसारी का बेटे लड्डुन अंसारी और जुम्मन अंसारी के बेटे खुर्शीद अंसारी के रूप में हुई है।घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस कैंप कर रही है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि उस्मान मियां के जमीन के हिस्से में हमलावरों के परिजनों ने पुआल रखा था।

पांच हजार में कर दिया पत्नी का सौदा, पति ने घर में अपने सामने युवकों से करवाया गैंगरेप, केस दर्ज

पीलीभीत, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के सुनगढ़ी थाना पुलिस ने कथित तौर पर एक महिला के साथ गैंगरेप के आरोप में उसके पति समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सोमवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। सुनगढ़ी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजीव कुमार शुक्ल ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर उसके पति सहित तीन लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर शिकायत की थी। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर सुनगढी कोतवाली थाने में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी। प्राथमिकी में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसकी शादी 2018 में जहानाबाद थाना क्षेत्र के रहने वाले युवक से हुई थी और उसका पति पेशे से ट्रक चालक है। उसने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उसका पति अप्राकृतिक संबंध बनाकर परेशान करने लगा। आरोप में कहा गया है कि पति अक्सर देह व्यापार करने के लिये दबाव बनाता था और साथ ही प्रतिदिन पांच हजार रुपये कमाकर लाने की बात भी कहता था और इनकार करने पर वह मारपीट भी करता था। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के हवाले से बताया कि आठ अगस्त की रात को उसका पति अपने साथ दो युवकों को लेकर घर पर आया और उसके सामने ही ढाई-ढाई हजार रुपये की रकम लेकर दोनों युवकों से दुष्कर्म कराया। पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर पति ने पिटाई की और देह व्यापार न करने पर तीन तलाक की धमकी दी।

बद्र मस्जिद शिफ्ट करने का काम रुका, स्थानांतरण के लिए राममंदिर ट्रस्ट से किया गया था एग्रीमेंट

अयोध्या, 7 नवंबर (एजेंसियां)। लगातार विरोध के चलते अयोध्या के पांजी टोला में बद्र मस्जिद को शिफ्ट करने का काम रोक दिया गया है। राम पथ के किनारे स्थित इस मस्जिद को शिफ्ट करने के लिए बद्र मस्जिद के केयरटेकर रईस अहमद और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के बीच एग्रीमेंट हुआ था। पर, अयोध्या के अंजुमन मुहाफिज मकाबीर-मसाजिद कमेटी के महासचिव मो आजम कादरी ने इसका विरोध किया है। एग्रीमेंट में बताया गया है कि रईस अहमद ने 30 लाख रुपये में बद्र मस्जिद को स्थानांतरित करने का करार किया है। एग्रीमेंट के हिसाब से रईस को छह माह में मस्जिद शिफ्ट करनी होगी और जमीन का कब्जा देना होगा। मस्जिद के केयरटेकर बताते हैं कि नमाजियों की सहमति से मस्जिद को स्थानांतरित करने के बारे में सोचा था। चूंकि लोगों की मर्जी नहीं है, इसलिए मस्जिद निर्माण का काम रोक दिया गया है। दिवाली बाद डीएम से बात होगी, फिर आगे क्या करना है तय होगा।

शामली में आईएसआई एजेंट कलीम के घर पर एनआईए की दबिश, चार घंटे की पूछताछ, एक मकान किया सील

शामली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। आईएसआई एजेंट कलीम प्रकरण में एनआईए की टीम ने स्थानीय पुलिस और प्रशासन के साथ मोहल्ला नौ कुआं रोड पर दबिश दी। कलीम के माता, पिता और अन्य परिजनों से करीब चार घंटे तक पूछताछ की गई। इस दौरान कुछ सामान को भी टीम ने कब्जे में लिया है।माना जा रहा है कि मामले में अभी बड़ा खुलासा हो सकता है। टीम ने कलीम के एक मकान को एनआईए ने सील कर दिया है। दरअसल,एसटीएफ और

पुलिस ने बीती 17 अगस्त को शामली के नौ कुआं रोड के रहने वाले कलीम को पकड़ा था। दावा किया था कि कलीम आईएसआई एजेंट है और पाकिस्तान में बैठे आईएसआई एजेंट दिलशाद मिर्जा के संपर्क में था। कलीम का भाई तहसीम भी आईएसआई के संपर्क में है। व्हाटस्एप पर भारत के सैन्य क्षेत्रों और अन्य स्थानों के फोटो भी भेजे थे। जांच में सामने आया था कि सहारनपुर का रहने वाला युसुफ समशी भी दोनों के संपर्क में रहकर फर्जी सिम उपलब्ध करा रहा था। मंगलवार को सुबह करीब 3:30 बजे एनआईए दिल्ली की टीम ने कोतवाली में आमद दर्ज कराई। इसके बाद कलीम के घर पर मोहल्ला नौ कुआं रोड पर दबिश दी गई। यहां पर टीम के सदस्यों ने करीब 4 घंटे तक कलीम के माता पिता और अन्य परिजनों से पूछताछ की। इस दौरान एक बैग और अन्य सामान को भी टीम ने कब्जे में ले लिया। फरार चल रहे आरोपी तहसीम के बारे में भी जानकारी हासिल की। इसके बाद टीम दिल्ली के लिए लौट गई। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि एनआईए ने दबिश दी थी। कलीम के बारे में उसके परिजनों से जानकारी हासिल की।

मोहल्ले के लोगों में मच गई खलबली

सुबह 4 बजे ही मोहल्ला नौ कुआं में दबिश से लोगों में खलबली मच गई। लोग एक दूसरे से टीम के बारे में जानकारी लेते नजर आए। कुछ लोगों से भी टीम ने कलीम और उसके भाई के बारे में जानकारी हासिल की है।

केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता के बिगड़े बोल

कांग्रेस विधायकों के लिए बोली आपत्तिजनक भाषा

जालोर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जालोर में वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने चुनावी सभा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कांग्रेस विधायकों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया है। वे राजस्थान में बढ़ते दुष्कर्म के मामलों को लेकर दिए गए कांग्रेस मंत्री के बयान का जिक्र कर रहे थे। तभी उनकी जबान फिसल गई।

राजस्थान के जालोर जिले के सांचौर में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की कांग्रेस को घेरते हुए जबान फिसल गई। यहां उन्होंने कांग्रेस विधायकों को हिजड़ा तक बता दिया है। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के यह सबसे खास मंत्री विधानसभा में यह बयान दे रहे थे तो कांग्रेस के विधायक हिजड़े की तरह ताली बजा रहे थे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सांचौर में भाजपा प्रत्याशी देवजी पटेल के नामांकन के दौरान सभा को संबोधित कर रहे थे। दरअसल, कुछ समय पहले विधानसभा में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल का मर्दों के प्रदेश वाला बयान दिया था, जिसे भाजपा चुनावी मुद्दा बनाती दिख रही है।

सभा को संबोधित करते हुए शेखावत ने कहा कि प्रदेश में बढ़ते दुष्कर्म के आंकड़ों को लेकर विधानसभा में भाजपा के विधायकों ने सवाल पूछे थे। उस दौरान अशोक गहलोत के खास सिपहसालार, सबसे वरिष्ठ, सबसे भ्रष्ट और गहलोत साहब का राज बचाने के लिए आलाकमान से भिड़ने वाले मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि दुष्कर्म इसलिए ज्यादा होते हैं क्योंकि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है। जब शांति धारीवाल यह बोल रहे थे तब कांग्रेस पार्टी के सारे विधायक हिजड़े की तरह ताली बजा रहे थे।

धारीवाल ने बताया- टिकट मिलने में देरी क्यों हुई ?

बोले- बेटे के लिए टिकट मांगने गया था, हाईकमान ने मना कर दिया

कोटा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा उत्तर से कांग्रेस प्रत्याशी और मंत्री शांति धारीवाल ने नामांकन भरने के बाद टिकट मिलने में देरी का कारण बताया। कहा- मैं चुनाव नहीं लड़ना चाहता था। मैंने अपने बेटे अमित धारीवाल के लिए हाईकमान के सामने टिकट की मांग रखी थी। मेरे साथ 12 और MLA अपने बेटे-बेटियों के लिए टिकट मांग रहे थे। सबको हाईकमान ने मना कर दिया।

सर्किट हाउस में अपने समर्थकों से धारीवाल ने कहा- हाईकमान ने गुड़ामालानी से मंत्री हेमाराम चौधरी की बेटी को टिकट दिया न ही दीपेंद्र सिंह शेखावत (श्रीमाधोपुर) के बेटे को दिया। महादेव सिंह खंडेला (खंडेला) के बेटे को भी टिकट नहीं दिया।

मेरी शिकायत की गई थी

उन्होंने कहा कि हाईकमान ने मुझे दिल्ली बुलाया और बोले- लड़ना तो तुम्हें ही पड़ेगा। मेरे खिलाफ भी कुछ शिकायतें और सेवा कर रखी थी। मैंने हाईकमान से कहा मेरे खिलाफ शिकायत है तो पहले उसकी जांच करवा लो, अगर जांच में मैं निर्दोष पाया जाता हूं तो मुझे दिल्ली बुलाकर टिकट दे दें। जांच चलती रही, इसलिए मेरे टिकट में भी देरी हुई।

मैं नहीं चाहता कि मेरे ऊपर कोई आरोप हो और मुझे टिकट दे दिया जाए। मेरी शिकायत की गई, खूब जांच चली और शिकायत किसने की? यहां के कुछ उठाइगीरों ने की...

धारीवाल बोले- मोदी लहर में जीते थे गुंजल

सभा से पहले धारीवाल ने भाजपा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पहली बार बीजेपी के गुंजल मोदी लहर के कारण जीते थे। उस समय नरेंद्र मोदी केंद्र की राजनीति में आए थे। पूरे देश में मोदी की लहर थी। गुंजल की वो जीत, जीत नहीं थी। असल में मुकाबला तब होता है। जब माहौल खिलाफ भी न हो और पक्ष में भी न हो। बीच का माहौल हो। साल 2018 के चुनाव में बीच का माहौल था। न बीजेपी, न कांग्रेस के पक्ष में हवा थी और जनता में मुझे आशीर्वाद दिया।

राहुल गांधी की सभा के पोस्टर से सचिन पायलट गायब तो चढ़ा सियासी पारा

क्या कांग्रेस में अब भी सब ठीक नहीं?

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान बीजेपी में वसुंधरा राजे को लेकर सस्पेंस बना है। जिस तरह से वो पार्टी के यात्राओं से दूर उसे लेकर चर्चा जारी है। इधर सत्ताधारी कांग्रेस में सब ठीक होने की बात कही थी जा रही थी। लेकिन राहुल गांधी के जयपुर दौरे को लेकर कांग्रेस के पोस्टर में अब सचिन पायलट की अनदेखी हुई। जिसके बाद सवाल उठ रहे कि क्या पार्टी में सब वाकई ठीक है?

राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस तैयारी में जुटी हुई है। इसी बीच पार्टी के दिग्गज नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जयपुर में सियासी आजमाइश करेंगे। हालांकि, राहुल गांधी-खरगे के इस दौरे से पहले ही पार्टी में एक बार फिर से 'पोस्टर पॉलिटिक्स' हावी हुई है। जिसमें सचिन पायलट को पोस्टर में जगह नहीं मिली है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की सभा को लेकर कांग्रेस मुख्यालय पर ये पोस्टर लगाए गए हैं। जैसे ही ये पोस्टर लगे सियासी गलियारे में हड़कंप मच गया। ऐसा इसलिए क्योंकि इन पोस्टरों से पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की फोटो गायब हैं। जो नया सियासी मुद्दा बनता दिख रहा।

कांग्रेस के पोस्टर से पायलट गायब कैसे

एक ओर कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव के बीच एकजुट होने का संदेश दे रही है। ऐसे में पार्टी मुख्यालय के बाहर लगे पोस्टर में सचिन पायलट की तस्वीर यूं गायब होना चर्चा का विषय बना हुआ है। आगामी विधानसभा चुनाव के बीच राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे जयपुर में चुनावी सभा काफी अहम है। महिला आरक्षण विधेयक पास होने के बाद यह कांग्रेस की पहली चुनावी सभा है। इस बीच 'पोस्टर पॉलिटिक्स' ने कांग्रेस में मचे अंदरूनी घमासान को फिर सामने ला दिया।

पोस्टर में इन दिग्गजों की है तस्वीर

जयपुर में राहुल गांधी और खरगे की सभा को लेकर जो पोस्टर लगे हैं उनमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे की तस्वीरें हैं। इनके अलावा केसी वेणु गोपाल, सुखजिंदर सिंह रंधावा, अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा और शांति धारीवाल समेत नेताओं की फोटो लगाए गए हैं। हालांकि इस पोस्टर में केवल पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को नजरअंदाज किया गया है। इस पोस्टर के बाद सियासी गलियारों में जमकर हड़कंप बचा हुआ है। वही एकजुट का संदेश देने वाली कांग्रेस पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

आखिर क्यों हुई पायलट की अनदेखी

राजस्थान में सियासी संकट के दौरान राहुल गांधी ने सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट को कांग्रेस पार्टी का असेट्स बताया था। इसका कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणु गोपाल ने सार्वजनिक तौर पर जिक्र भी किया। इस दौरान कांग्रेस हाईकमान ने हर बार यही संदेश देने की कोशिश की। सचिन पायलट भी कांग्रेस पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। बीते दिनों उन्हें वादे के अनुसार (CWC) वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाया गया। इसके बाद सियासत में यही माना जा रहा था कि कांग्रेस में अब सब ठीक हो चुका है। हालांकि, सियासत में एक बार फिर यह मुद्दा हलचल मचाने लगा है जब पायलट भी कांग्रेस के लिए असेट्स है, तो ऐसी चूक कैसे हुई। इतनी बड़ी चुनावी सभा के पोस्टर में पायलट को क्यों नजरअंदाज किया गया? इसको लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

जयपुर में इसलिए आए हैं राहुल गांधी और खरगे

कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के नए मुख्यालय भवन की नींव रखेंगे। इसके बाद मानसरोवर के शिप्रा पत्र हाउसिंग बोर्ड ग्राउंड पर उनकी सभा होगी। जहां से दोनों नेता एक बार फिर अपनी सियासी ताकत दिखाने की कोशिश करेंगे। यह सभा इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही कि दो दिन बाद यानी 25 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी राजस्थान में निकाली गई परिवर्तन यात्राओं के समापन पर जयपुर में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसी बीच लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास किया गया। इसके बाद यह कांग्रेस की पहली सभा है। ऐसे में सबकी नजरें राहुल गांधी की इस सभा पर टिकी हुई है।

दीया कुमारी का कांग्रेस पर हमला

बोलीं- ये चुनाव प्रदेश को कमज़ोर करने वालों के खिलाफ

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दीया कुमारी ने विद्याधर नगर मंडल के वार्ड 8, सेक्टर 9 में घर-घर जाकर जनसम्पर्क किया। इस दौरान दीया कुमारी ने जनसभा को भी संबोधित किया और कांग्रेस पार्टी पर जम कर निशाना साधा। भाजपा से विद्याधर नगर विधानसभा प्रत्याशी दीया कुमारी जनसंपर्क कार्यक्रम की शुरुआत मेटल कालोनी पार्क, वार्ड 27 में परिवारजनों के आशीर्वाद से की। दीया कुमारी ने विद्याधर नगर मंडल के वार्ड 8, सेक्टर 9 में घर-घर जाकर जनसम्पर्क किया।

इस दौरान दीया कुमारी ने जनसभा को भी संबोधित किया और कांग्रेस पार्टी पर जम कर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव 70 सालों से देश का बंटाधार करने वाली ताकतों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जर्जर हालत की जिम्मेदार है यह कांग्रेस पार्टी। तुष्टिकरण की राजनीति करके समुदाय विशेष को लाभ पहुंचाने का इनका एजेंडा बहुत पुराना है। इनको हमारी बेटियों का दुःख नज़र नहीं आता, इनको सड़कों पर बेहाल होते युवा नज़र नहीं आते। दीया कुमारी ने वार्ड-6 और वार्ड-18 में जनसभाओं को सम्बोधित किया और वार्ड 20 में नारी शक्ति स्वाभिमान सभा में शिरकत की। महिलाओं का मिल रहे समर्थन से दिया कुमारी ने नारी शक्ति का धन्यवाद दिया और कहा कि मेरी माताओं और बहनों से मिलने वाले समर्थन से अभिभूत हूं। आप जिस प्रकार आज लामबंद हुई हैं, इसी तरीके से हमको 25 तारीख को लामबंद होकर कांग्रेस के खिलाफ वोट करना है। देर शाम दीया कुमारी ने अम्बाबाड़ी स्थित माल रोड में लाइट ऑन कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

मावली सीट पर भाजपा को झटका

कुलदीप सिंह ने आरएलपी जॉइन की; बोले- मैंने दक्षिणा में सीट छोड़ी थी, इस बार देने को कुछ नहीं

उदयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव को लेकर मावली सीट पर भाजपा उम्मीदवार घोषित होने के साथ ही पार्टी को बड़ा झटका लगा है। भाजपा नेता कुलदीप सिंह चुंडावत ने अपनी सभा में हनुमान बेनीवाल की आरएलपी जॉइन करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा- पिछले विधानसभा चुनाव में मैंने पंडित जी धर्मनारायण जोशी के कहने पर दक्षिणा देते हुए सीट छोड़ दी थी। इस बार मेरे पास देने को कुछ नहीं है। मैंने RLP से लड़ने का फैसला किया है। अंतिम दिन उदयपुर जिले की सभी सीटों पर 59 नामांकन आए।

पिछली बार मान गया था, इस बार देने को कुछ नहीं: सिंह

मावली में पिछले चुनाव में भी कुलदीप को टिकट नहीं मिला तो उन्होंने निर्दलीय नामांकन भरा था। आज सुबह मावली के पुराना बस स्टैंड पर हुई सभा के बाद कुलदीप सिंह ने आरएलपी जॉइन कर ली। आरएलपी के जिलाध्यक्ष भैरू शंकर जाट ने उन्हें पार्टी जॉइन कराई। सभा में कुलदीप सिंह ने कहा कि 2018 में पंडित जी भाजपा प्रत्याशी धर्मनारायण जोशी ने दक्षिणा मांगी थी तो उनके कहने पर मैंने नामांकन विड्रॉल कर दिया था। कुलदीप ने कहा कि अब मेरे पास देने को कुछ नहीं है। वे बोले कि 2018 में मेरे पर क्या बीती मैं ही जानता हूं। वे समर्थकों से बोले कि जातिवाद पर हम बात नहीं करेंगे और जनता के बीच रहकर हम चुनाव लड़ेंगे और 36 ही कौम को साथ लेकर चलेंगे।

इससे पहले एक दिन पहले जब भाजपा ने मावली के टिकट का ऐलान किया तब कुलदीप सिंह ने एक वीडियो जारी कर कहा कि आलाकमान अपना सर्वे कर चुका है प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा था कि टिकट जयपुर व दिल्ली के चक्कर लगाने से नहीं ग्राउंड पर जनता जो बोलेगी उसके आधार पर मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ और जयपुर व दिल्ली में बंद एसी के कमरों से टिकट दिए गए है।

वह मनरेगा कार्यकर्ता जिसने 20 चुनाव लड़े और असफल रहा

अब फिर चुनावी अखाड़े में उतरा

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सत्तर साल के दिहाड़ी मजदूर ने पंचायत से लेकर लोकसभा तक हर चुनाव लड़ा है। लेकिन हर बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि वह एक बार फिर उसी जुनून और उत्साह के साथ तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने इस महीने के अंत में ही विधानसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। राजस्थान में 1970 के दशक के बाद से इन्होंने हर चुनाव लड़ा है और हर बार इनकी जमानत जब्त हो गई। फिर भी 78 वर्षीय मनरेगा कार्यकर्ता तीतर सिंह निराश हैं क्योंकि वह 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव में एक बार फिर अपनी किस्मत आजमाने के लिए तैयार हैं। करणपुर विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतरे निर्दलीय उम्मीदवार से पूछा गया कि अब तक लगभग 20 चुनाव हारने के बाद भी वह क्यों चुनाव लड़ रहे हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि मुझे क्यों नहीं लड़ना चाहिए। 'दिहाड़ी मजदूर ने बताया कि सरकार को जमीन और सुविधाएं देनी चाहिए, यह चुनाव अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि वह लोकप्रियता या रिकॉर्ड के लिए चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। तीतर सिंह ने दावा किया, यह अपने अधिकारों को हासिल करने का एक हथियार है, जिसकी धार उम्र के साथ धुंधली नहीं हुई है। सत्तर साल के बुजुर्ग ने कहा कि उन्होंने पंचायत से लेकर लोकसभा तक हर चुनाव लड़ा है।

50 साल के कांग्रेस एमएलए ने हिंदू युवती से की दूसरी शादी

पहली पत्नी को तलाक दिए बिना दूसरा निकाह; चुनावी एफिडेविट में खुलासा

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायक के पहली पत्नी से चार पुत्र-पुत्रियां हैं। इसका जिक्र उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। इस बार जब चुनावी नामांकन पत्र भरा गया तो उसमें दूसरी पत्नी का जिक्र भी है।

जयपुर के किशनपोल विधानसभा क्षेत्र से विधायक और कांग्रेस के प्रत्याशी अमीन कागजी ने हिंदू महिला से दूसरी शादी की है। 50 वर्षीय विधायक ने अपनी पहली पत्नी को तलाक दिए बिना यह दूसरी शादी की है। ये खुलासा उन्होंने अपने चुनावी नामांकन पत्र के साथ भरे शपथ पत्र में किया। कागजी की पहली पत्नी का नाम रेशमा है, जिनसे उनके चार पुत्र-पुत्रियां हैं। इसका जिक्र उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। इस बार जब चुनावी नामांकन पत्र भरा गया तो उसमें दूसरी पत्नी का जिक्र भी है।

कितनी घटी संपत्ति?

शपथ पत्र में मोनिका शर्मा कागजी के नाम से दूसरी पत्नी का जिक्र किया गया है। वहीं, बात करें कागजी की संपत्ति की तो 5 साल में 95.78 लाख संपत्ति कम हुई है। साल 2018 में कुल सम्पत्ति (चल व अचल) 7.82 करोड़ सम्पत्ति, जो इस बार 95.78 लाख रुपए कम होकर 6.86 करोड़ रह गई।

दोनों पत्नियों के पास कितनी संपत्ति?

वहीं, दोनों पत्नियों रेशमा और मोनिका के नाम भी सम्पत्ति है। रेशमा के नाम 13.73 लाख और मोनिका के नाम 12.73 लाख की चल सम्पत्ति हैं। दोनों के पास 21-21 तोला सोना, 15-15 हजार नकदी और बैंक में जमा राशि है।

सीएम गहलोत, मंत्री शांति धारीवाल सहित कई बागियों ने दाखिल किए नामांकन पत्र

वहीं, आपको बता दें कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, शहरी विकास मंत्री शांति धारीवाल और अन्य नेताओं ने भी नामांकन पत्र दाखिल किए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बागियों ने भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। राज्य में विधानसभा चुनाव 25 नवंबर को होंगे और मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

पुलिस ने जब्त किया 30 किलो 500 ग्राम डोडा-पोस्त, आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव को देखते हुए जिले भर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में लाठी में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डोडा-पोस्त के साथ एक तस्कर को पकड़ा है।

जैसलमेर के लाठी में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डोडा-पोस्त के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि वह सिर पर पोस्त से भरा बोरा लेकर जा रहा था। नाकाबंदी के दौरान तलाशी लेने पर बोरे में करीब 30 किलो 500 ग्राम डोडा-पोस्त निकला।

आरोपी पहले भी जा चुका है जेल

लाठी थाना प्रभारी बगरुराम ने बताया कि तस्कर ने अपना नाम कपिल विश्नोई निवासी खेतोलाई बताया। तस्कर 2 महीने पहले ही डोडा-पोस्त की तस्करी के मामले में सजा काटकर जेल से बाहर आया है। जेल से बाहर आते ही वापस तस्करी शुरू कर दी। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

छात्र-छात्राओं से भरी बस पर पथराव : स्टूडेंट्स चीखते-चिल्लाते रहे; बस से कार की टक्कर के बाद गुस्साए लोगों ने किया हमला

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में बीती रात जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर (जेईसीआरसी) यूनिवर्सिटी की बस और कार में गंगा जमुना पेट्रोल पम्प के पास टक्कर हो गई। इसके बाद कार चालक और बस चालक के बीच सड़क पर जमकर बहस हुई। हादसे में कार का शीशा टूट गया और बात बिगड़ती चली गई। चालक बस को लेकर आगे बढ़ा तो कार ड्राइवर ने रुकवा लिया। इसके बाद कार सवार और कुछ अन्य लोगों ने बस पर पत्थरों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। बस में 25 से अधिक छात्र और छात्राएं बैठी थीं। अचानक हुए पथराव से छात्र डर गए। सभी बस की गैलरी में बैठ गए। जेसीआरसी की बस के चालक देवी सिंह खंगारोत ने बताया- वह सेकेंड ईयर के 30 छात्र और छात्राओं के लेकर कॉलेज से निकला था। शाम करीब 7.30 बजे मेट्रो स्टेशन के नीचे लाल बत्ती होने पर खड़ा था। इसी दौरान पीछे से एक कार ने बस को टक्कर मार दी। इसके बाद कार सवार महिला और पुरुष बस में घुसे। मुझे गालियां देने लगे। इसके बाद कार चला रहे युवक ने कुछ लोगों को फोन कर बुलाया। इसके बाद 6-7 लोगों ने बस में जमकर तोड़फोड़ की। इस घटना से बच्चे काफी डर गए। इसके बाद करीब 8 बजे मैं बस को श्याम नगर थाने लेकर गया। यहां पुलिस की मौजूदगी में बच्चों को नीचे उतारा। थाने में शिफ्ट किया। इसके बाद बच्चों ने परिजनों को फोन कर थाने बुलाया। सभी बच्चों के चले जाने के बाद मैं बस को लेकर मानसरोवर थाने पहुंचा। पुलिस को शिकायत दी। देवी सिंह खंगारोत ने बताया- घटना के दौरान छात्रों ने 100 नंबर पर फोनकर पुलिस की जानकारी दी। करीब 30 मिनट तक पुलिस का इंतजार किया, लेकिन मौके पर नहीं पहुंची।

इसी दौरान बदमाशों ने पथराव और डंडों से बस के शीशे तोड़ दिए। गलती मेरी थी या कार चालक की, लेकिन बस में बैठे हुए बच्चों का दोष क्या था। उन पर हमला क्यों किया गया। बच्चे इतने घबरा गए की सीटों के नीचे छिप गए।

खाद्य सुरक्षा टीम ने की बड़ी कार्रवाई

540 किलो मावा और रसगुल्ले किये जब्त

पाली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पाली की खाद्य सुरक्षा टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 340 किलो मावा और 200 किलो रसगुल्ले को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि इन मावा और रसगुल्ले की सप्लाई पाली और सोजत में की जानी थी। पाली में मंगलवार सुबह खाद्य सुरक्षा टीम की ओर से सुरजपोल चौराहे पर बड़ी कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान 540 किलो मावा और रसगुल्ले को जब्त किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी आनंद चौधरी ने मीडिया को बताया कि मुखबिर की सूचना पर मंगलवार सुबह इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। बता दें कि बीकानेर से आ रही दो-तीन निजी बसों की जांच की गई। जांच करने पर एक प्राइवेट बस में से 340 किलो मावा और 200 किलो रसगुल्ले बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि ये मावा और रसगुल्ले पाली और सोजत में सप्लाई किए जाने थे। जहां ये सप्लाई किये जाने थे, पता चलने पर विभाग के अधिकारियों ने उन्हें भी मौके पर बुलाया और उनसे पूछताछ की गई अधिकारियों ने बताया कि अब इन सैंपल की रिपोर्ट आने पर इन खाद्य पदार्थों में मिलावट पाए जाने पर इसे नष्ट किया जाएगा और मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एमएनजे कैंसर अस्पताल को रोबोटिक सिस्टम मिला

कैंसर के रोगियों के इलाज में मदद मिलेगी

हैदराबाद,7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कैंसर के इलाज के लिए उच्च-स्तरीय रोबोटिक सर्जरी, जो अन्यथा हैदराबाद के कॉर्पोरेट अस्पतालों में बहुत महंगी पड़ती, अब सरकार द्वारा संचालित एमएनजे कैंसर अस्पताल, रेड हिल्स में जरूरतमंद मरीजों के लिए मुफ्त में उपलब्ध है। लगभग 32 करोड़ रुपये की लागत से कुछ हफ्ते पहले स्थापित, प्रसिद्ध दा विंची रोबोटिक सिस्टम को एमएनजे कैंसर अस्पताल में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से आने वाले 16 कैंसर रोगियों के इलाज के लिए अस्पताल के सर्जनों द्वारा पहले ही नियोजित किया जा चुका है। समान प्रकृति की प्रत्येक कैंसर सर्जरी, यदि हैदराबाद के कॉर्पोरेट अस्पताल में की जाती है, तो इसकी लागत 6 लाख रुपये से 8 लाख रुपये के बीच होगी। एमएनजे में विभिन्न प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए की जाने वाली सभी रोबोटिक सर्जरी मुफ्त में की गईं और मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत कवर की गईं। हाल ही में लॉन्च किया गया, एमएनजे कैंसर अस्पताल में दा विंची रोबोटिक सिस्टम अपने उन्नत उपकरण और परिशुद्धता के लिए जाना जाता है। दा विंची प्रणाली अनिवार्य रूप से सर्जरी करते समय कंसोल पर सर्जन के हाथों की गतिविधियों, उपकरणों को मोड़ने और घुमाने का वास्तविक समय में अनुवाद करती है। रोबोट के छोटे उपकरण (कलाई जैसे), जिन्हें डॉक्टर द्वारा नियंत्रित किया जाता है, बड़ी सटीकता और गति की सीमा के साथ चलते हैं। ऐसी प्रणालियाँ सर्जन को मुश्किल स्थानों पर मौजूद ट्यूमर को हटाने में सक्षम बनाती हैं। ऐसी सटीक प्रणालियों में सर्जरी करने में सक्षम होने के लिए पूर्व प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। हमारे पास समर्पित 20 वरिष्ठ कैंसर सर्जनों का एक समूह है जो रोबोटिक सर्जरी का नेतृत्व करेंगे। पहले से ही, तीन सर्जनों ने सर्जरी करना शुरू कर दिया है जबकि अन्य गहन प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं। एमएनजे कैंसर हॉस्पिटल्स की निदेशक डॉ. जयलता की माने तो ये सिस्टम मरीजों को कैंसर के इलाज से जल्दी ठीक होने में मदद करते हैं। पिछले कुछ महीनों से, एमएनजे कैंसर अस्पताल के सर्जनों की टीम देश भर में फैली कई स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का दौरा कर रही है, जहां सर्जरी करने के लिए यूएस-आधारित इंट्यूटिव सर्जिकल्स द्वारा निर्मित दा विंची रोबोटिक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पांच दिवसीय दीपावली महोत्सव

भक्तों के बीच चार दिन वितरित होगा खजाना

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार, हैदराबाद में धनतेरस से लेकर भाईदूज कर पांच दिवसीय दीपावली महा-महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार 10 नवंबर को धनतेरस पूजा के दौरान सुबह 7 बजे आरती के साथ प्रथम दर्शन, शाम 7.01 बजे से माताजी के दीपदर्शन और रात्रि 11 बजे दर्शन बंद होगा। इसी तरह 11 नवंबर को नरक चतुर्दशी को प्रातः7 बजे आरती और दर्शन आरंभ होंगे। माता रानी का अलौकिक श्रृंगार दर्शन होगा और रात्रि 11 बजे दर्शन बंद होगा। शुभ दीपावली पूजा 12 नवंबर को सुबह 7 बजे महाआरती के साथ मां भाग्यलक्ष्मी के मनमोहन दर्शन होगा। शाम 7 बजे महाआरती के बाद महाआरती के बाद खजाना भक्तों को बीच वितरित होगा और यह क्रम 13 नवंबर को रात 12 बजे तक चलता रहेगा। गोवर्धन पूजा 14 नवंबर को और सुबह 7 बजे प्रथम आरती के साथ रात 12 बजे तक खजाना वितरण होगा। इसी तरह 15 नवंबर को सुबह 7 बजे से प्रथम दर्शन और खजाना रात्रि 12 बजे तक वितरित किया जाएगा।

मैक्सवेल की डबल सेंचुरी से जीता ऑस्ट्रेलिया

सेमीफाइनल में पहुंचा ऑस्ट्रेलिया

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। वानखेड़े में अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप मैच के दौरान क्रिकेट फैंस ने मंगलवार को एक क्रिकेटर का अविश्वसनीय साहस देखा। ग्लेन मैक्सवेल की 201 रन की अविजित पारी। चोट लगी, दो-दो बार फीजियो आए, रन लेने में दिक्कत आ रही थी पर मैक्सवेल न रुके ना थके। 8वें विकेट के लिए 202 रन की साझेदारी की और 292 का टारगेट हासिल कर लिया।

मैक्सवेल की इस साहसिक पारी से ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान को 3 विकेट से हराया। टीम ने 91 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से मैक्सवेल ने कमिंस के साथ 8वें विकेट के लिए नाबाद 201 रन की रिकॉर्ड साझेदारी करके सबसे बड़ा रन चेज किया।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 291 रन बनाए। ओपनर इब्राहिम जादरान ने 129 रन की नॉटआउट पारी खेली। 292 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलिया ने 46.5 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम से ग्लेन मैक्सवेल ने सेंचुरी लगाई।

अफगानिस्तान को हराकर ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में क्वालिफाई कर लिया, वहीं अफगानिस्तान के क्वालिफाई करने की उम्मीदें अब बेहद कम हो गई। ऑस्ट्रेलिया के 8 मैचों में 6 जीत से 12 पॉइंट्स हैं और टीम पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर है। जबकि अफगानिस्तान के 8 मैचों में 4 जीत से 8 पॉइंट्स हैं और टीम छठे नंबर पर ही बरकरार है।

ऑस्ट्रेलिया के अलावा साउथ अफ्रीका और भारत भी सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं। जबकि नंबर-4 की पोजिशन पर क्वालिफाई करने के लिए अब अफगानिस्तान के अलावा न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और नीदरलैंड में रेस है।

शहर में छठ पूजा की तैयारी जोरों पर

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन के कार्यकर्ता शहर के सभी भागों में महापर्व छठ की तैयारी में जुट गया है। छठ घाटों की सफाई हेतु युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस बार बिहार एसोसिएशन हैदराबाद राज्य के प्रशासनिक विभाग एवं ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के सहयोग से हैदराबाद के समस्त भागों में संस्था अपने सभी सदस्यों के साथ मिल कर छठ घाटों को सौंदर्यीकरण करना शुरू कर दिया है। जैसा कि हम सभी जानते हैं टैंक बॉन्ड, उपल छठ घाट, एलबी नगर, कोटेदान, मियांपुर, अयोध्या नगर, सुभाष नगर आदि जगहों पर छठ महापर्व का तैयारी अपने चरम पर है। एसोसिएशन मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया की एसोसिएशन के वरिष्ठ कार्यकारिणी द्वारा शमशाबाद स्थित छठ घाट एवं सूर्य मंदिर निर्माणाधीन भवन के तैयारियों पर गहन चर्चा की, एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह के नेतृत्व मे वरिष्ठ कार्यकारी मानवेंद्र मिश्रा, एसोसिएशन उपाध्यक्ष, उत्तम यादव, अशोक प्रसाद सिंह, शमशाबाद क्षेत्रीय प्रभारी नंदलाल चौहान, संजय कुमार यादव,गणेश गौड़, सत्य प्रकाश पांडे, महेश कुमार साहू, पिंटू शर्मा एवं उमेश जी इत्यादि द्वारा छठ घाट एवं निर्माणाधीन सूर्य मंदिर का निरीक्षण किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरराम सिंह ने कहा है कि शीघ्र ही हम सभी के सहयोग से शमशाबाद स्थित छठ घाट एवं सूर्य मंदिर का निर्माण भी पूरा कर लिया जाएगा। महापर्व छठ हेतु राज्य सरकार के प्रशासनिक विभाग एवं सभी जगहों के मुंसिपल कॉरपोरेशन बिहार एसोसिएशन हैदराबाद संस्था के सदस्यों का भरपूर सहयोग कर रहा है, बिहार एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा राज सरकार के प्रशासनिक विभागों को आश्वस्त कराया है कि हमारी संस्था सभी जगहों पर राज्य सरकार के सहयोग से प्रशासनिक दिशानिर्देशों को पूर्ण रुप से पालन करते हुए व्रतियों को अधिक से अधिक सुविधा पहुंचाने का प्रयत्न करेगा।

दिवाली उत्सव की पूर्व संध्या पर रेल यात्रियों को दमरे की सलाह

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी दीपावली त्योहारी सीजन के मद्देनजर, दक्षिण मध्य रेलवे ट्रेनों और रेलवे परिसरों में पटाखों व ज्वलनशील पदार्थों की ढुलाई को रोकने के लिए जांच कर रहा है। ट्रेनों या स्टेशनों पर ऐसी वस्तुओं को ले जाने से सुरक्षा को गंभीर खतरा होता है और यह आसपास के सभी यात्रियों के लिए अत्यधिक असुरक्षित स्थिति पैदा करता है। रेल यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे ट्रेनों में ज्वलनशील, विस्फोटक सामग्री, फायर क्रैकर न ले जाएं जिससे यात्रियों और रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा को खतरा हो। ट्रेन में ज्वलनशील और विस्फोटक सामान ले जाना रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 164 और 165 के तहत दंडनीय अपराध है, जिसमें 1000 रुपये तक का जुर्माना या 3 साल की कैद या दोनों हो सकते हैं। सार्वजनिक सुरक्षा के हित में, दक्षिण मध्य रेलवे यात्रियों से अनुरोध करता है कि यदि उन्हें ट्रेनों या स्टेशनों पर पटाखे या कोई अन्य संदिग्ध, खतरनाक विस्फोटक, ज्वलनशील सामग्री दिखाई देती है, तो वे तुरंत निकटतम रेलवे कर्मचारियों को सूचित करें या सुरक्षा हेल्पलाइन पर नंबर 139 पर कॉल करें, ताकि रेलवे आवश्यक कार्रवाई शुरू कर सके। पटाखों और ज्वलनशील वस्तुओं को ले जाने से रोकने के लिए, रेलवे सुरक्षा बल ने खोजी कुत्तों और सादे कपड़े वाले कर्मचारियों की सेवाओं का उपयोग करके चूक करने वाले यात्रियों और पार्सल ले जाने वाले व्यक्तियों पर नजर रखने के लिए सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर विशेष टीमों व त्वरित प्रतिक्रिया टीमों का गठन किया है। संदिग्ध व्यक्तियों पर चौबीसों घंटे नजर रखने के लिए प्रशिक्षित और कुशल कर्मचारियों को तैनात करके सीसीटीवी निगरानी भी तेज कर दी गई है। दक्षिण मध्य रेलवे रेल यात्रियों का सहयोग चाहता है ताकि यात्रियों को सुरक्षित और परेशानी मुक्त रेल यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

शिकायत के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में होने वाले विधानसभा चुनाव से संबंधित शिकायतों के लिए रंगारेड्डी जिला एकीकृत जिला कार्यालय परिसर, कोंगराकलां में स्थापित कंट्रोल रूम नंबर-040-23238545 पर शिकायत की जा सकती है। यह जानकारी देते हुए जिला कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी भारती होलिकेरी ने कहा कि इस कंट्रोल रूम में (24 घंटे) स्टाफ उपलब्ध रहेगा। शिकायतों की रिकॉर्डिंग और पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। तेलंगाना विधानसभा चुनाव-2023 के लिए जिले के लोगों को जिला निर्वाचन से संबंधित शिकायतों के लिए इस टोल फ्री नंबर पर संपर्क किया जाना चाहिए।

विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूशंस और आईसीएसएसआर में अमृत कॉल व्याख्यान श्रृंखला आयोजित

हैदराबाद,7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट ने अमृत कॉल व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष श्रीनिवास आचार्य ने सभा का स्वागत किया और कहा कि वी.वी.आई.एस.एम बहु-अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम शुरू करने वाला पहला संस्थान है जो प्रमुख बिजनेस स्कूलों में से एक है। हैदराबाद जिसने सबसे पहले यूजी और पीजी कार्यक्रमों की पेशकश शुरू की। चेयरमैन ने कहा, ''एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप हम फॉर्मूला लागू कर रहे हैं।''वीवीआईएसएम छात्रों को विभिन्न विषयों में उनकी रुचि को आगे बढ़ाने के लिए लचीलापन और संसाधन प्रदान करने में गर्व महसूस करता है। वीवीआईएसएम का लक्ष्य उभरते हुए नवीन कार्यक्रमों के माध्यम से अग्रणी शैक्षणिक उत्कृष्टता जारी रखना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष प्रोफेसर ममीडाला जगदेश कुमार ने व्याख्यान दिया। जबकि प्रोफेसर डी रविंदर, कुलपति उस्मानिया विश्वविद्यालय और अध्यक्ष, आईसीएसएसआर-एसआरसी, प्रोफेसर बी सुधाकर रेड्डी, मानद निदेशक, आईसीएसएसआर-एसआरसी और श्री श्रीनिवास आचार्य अध्यक्ष विश्व विश्वानी संस्थाओं की अध्यक्षता की गई। अपने संबोधन में, प्रोफेसर जगदेश कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि एनईपी 2020 का लक्ष्य एक समावेशी, न्यायसंगत विकास करना है। उन्होंने कहा कि छात्र प्राथमिक हितधारक हैं। नीति आगे. प्रो. जगदीश कुमार ने बहुविषयक शिक्षा जैसे प्रमुख प्रस्तावों पर प्रकाश डाला। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, उच्च शिक्षा के लिए एकल नियामक, और अनुसंधान और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करता है। प्रोफेसर बी सुधाकर रेड्डी ने साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण की जानकारी देने में अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वीवीआईएसएम के निदेशक डॉ. वाई लक्ष्मण कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

बीडीएल का सतर्कता जागरूकता सप्ताह उत्साहपूर्वक संपन्न

हैदराबाद,7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीडीएल द्वारा आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2023 के समापन पर मनाया जाने वाला समारोह आज धूमधाम से बीडीएल, कंचनबाग इकाई में संपन्न हुआ। महानिदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, तेलंगाना रवि गुप्ता ने इस वर्ष की सतर्कता जागरूकता विषय भ्रष्टाचार को ना कहें, राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध रहें, विषय पर भाषण दिया। बीडीएल के सतर्कता विभाग द्वारा प्रकाशित एक वार्षिक समाचार पत्र "चेतना - 2023", मुख्य अतिथि रवि गुप्ता द्वारा कमोडोर ए माधवराव (सेवानिवृत्त), सीएमडी, एन श्रीनिवासुलु, निदेशक (वित्त), डॉ. उपेन्द्र, वेन्नम, आईपीओएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, कमोडोर गिरीश रघुनाथ प्रधान (सेवानिवृत्त), कार्यकारी निदेशक (कंचनबाग यूनिट) और बीडीएल के वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति में जारी किया गया। सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गये। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य बीडीएल कर्मचारियों, उनके परिवारों और स्कूली छात्रों के बीच सतर्कता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। सप्ताह के दौरान, एक वेंडर्स मीट आयोजित की गई, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से 160 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक वॉकथॉन का भी आयोजन किया गया।

लोकेश की टीम ने राज्यपाल से मुलाकात की

जगन सरकार के खिलाफ शिकायत की

विजयवाड़ा, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश ने टीडीपी नेताओं के एक समूह के साथ आज आंध्र प्रदेश के राज्यपाल न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर से मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को टीडीपी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के खिलाफ मामलों में झूठे सबूत पेश किए। उन्होंने उन्हें टीडीपी प्रमुख और पूर्व सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू और राज्य के अन्य टीडीपी नेताओं के खिलाफ जगन मोहन रेड्डी सरकार की जवाबी कार्रवाई के बारे में बताया। राज्यपाल को सौंपे एक पत्र में, नारा लोकेश ने चिंता व्यक्त की कि जगन मोहन रेड्डी के राज्य का नेतृत्व संभालने के बाद से आंध्र प्रदेश में लोकतंत्र गिरावट की ओर जा रहा है। उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी लगातार संविधान, लोकतंत्र और कानून के शासन के प्रति उपेक्षा दिखाते हैं। नारा लोकेश ने इस बात पर जोर दिया कि जगन रेड्डी शासन ने विपक्ष के नेता नारा चंद्रबाबू नायडू को खुले तौर पर निशाना बनाया है, जो आंध्र प्रदेश के पांच करोड़ लोगों को प्रभावित करने वाले उत्पीड़न और कुशासन के खिलाफ सार्वजनिक प्रतिरोध में सबसे प्रमुख आवाज बने हुए हैं।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंतजी का हैदराबाद आगमन पर लव फोर काऊ फाउंडेशन संस्था द्वारा मोमेंटो प्रदान कर सम्मान करती हुई परमेश्वरी विज्ञु शर्मा, मेघना जैन, मर्री शशिधर रेड्डी,भाजपा पार्षद सुचित्रा व पार्षद दीपिका।

क्रिकेट और अन्य खेलों से संबंधित कई दिग्गज वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा करेंगे

भारतीय रेलवे वंदे भारत गाड़ियों में टीम का स्वागत करेगी

हैदराबाद,7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लीजेंड्स लीग क्रिकेट ने भारतीय रेल के साथ मिलकर एक राष्ट्रीय अभियान की घोषणा की है क्योंकि लीग की प्रतिष्ठित ट्रॉफी 8 नवंबर से वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा करने वाली है। ट्रॉफी पूरे देश में 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जाएगी। इस तरह का यह पहला और अनूठा अनुभव देश के हर हिस्से से क्रिकेट प्रेमियों की कल्पना को समेटने का 15 दिवसीय उत्सव/समारोह है। खेल के दिग्गजों के साथ क्रिकेट प्रेमी देश के सबसे तेज ट्रेन नेटवर्क -वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से लीजेंड्स लीग क्रिकेट का हिस्सा बनेंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हम वंदे भारत पर लीजेंड्स लीग क्रिकेट और दिग्गज खिलाड़ियों का स्वागत करते हैं और देश भर में खेलों को बढ़ावा देने की इस अतुलनीय यात्रा की प्रतीक्षा कर रहे हैं। 8 नवंबर को नई दिल्ली और ऊना के बीच शुरू होने वाला यह अभियान 16 मार्गों की इस यात्रा में पहला पड़ाव होगा। भारतीय रेलवे हमेशा खेलों को बढ़ावा दे रही है और एलएलसी को इस यात्रा को बढ़ावा देने में सहायता करने का आश्वासन दिया है। कई केंद्रीय मंत्री और भारतीय रेल टीम इस यात्रा के हिस्सा बनेंगे. इस यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बनाते हुए देश भर से प्रमुख खेल हस्तियां भी इस प्रतिष्ठित आयोजन में शामिल होंगी। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सीईओ श्री.रमन रहेजा ने कहा भारतीय रेलवे के साथ इस अनोखी सहभागिता का शुभारंभ करते हुए लीजेंड्स लीग क्रिकेट अपने प्रशंसकों को सर्वश्रेष्ठ अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है. यह देश के हर कोने में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी तरह की अनूठी पहल है। एलएलसी ट्रॉफी के साथ गेल, श्रीशांत और वाट्सन जैसे दिग्गज खिलाड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस में पूरे राष्ट्र का दौरा करेंगे। इस अनोखे अभियान की सबसे बड़ी विशेषता है गौतम गंभीर, सुरेश रैना, इरफान पठान, क्रिस गेल, केविन पीटरसन, एस.श्रीशांत, पार्थिव पटेल, शेन वॉट्सन, प्रवीण कुमार, झुलन गोस्वामी जैसे क्रिकेट के दिग्गजों का इसमें शामिल होना. ये राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी जो एक से अधिक पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं, उत्तर, दक्षिण, मध्य, पूर्व और पश्चिम 5 रेलवे जोनों पर चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस गाड़ियों में सवार होंगे। इस यात्रा के बारे में शेन वाटसन ने कहा " विशेष रूप से खेल की भावना को बढ़ावा देने का यह विचार अद्भुत है। मैं इस पहल का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं और अपने प्रशंसकों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए बेचैन हूं। क्रिस गेल ने कहा, "लीजेंड्स लीग क्रिकेट का हिस्सा होने के नाते, वंदे भारत के साथ लीग की अद्भुत सहभागिता का साक्षी बनना मेरे लिए खुशी की बात है. इस यात्रा के लिए मैं उत्सुक हूं जो आगामी सीजन के लिए उत्साहपूर्ण माहौल बनाएगा। श्रीशांत ने कहा, "वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ एलएलसी की सहभागिता वास्तव में उल्लेखनीय है, और हमारे देश में खेलों को बढ़ावा देने वाली ऐसी पहल का हिस्सा बनकर मैं खुश हूं. मैं ऐसे विचारों से अचंभित हूं जो इस लीग को प्रत्येक सीजन में बेहतर बनाते हैं। लीजेंड्स लीग क्रिकेट का दूसरा संस्करण 18 नवंबर से 9 दिसंबर तक चलेगा और रांची, देहरादून, जम्मू, वैजाग और सूरत पांच शहरों में आयोजित किया जाएगा; पहला मैच इरफान पठान के नेतृत्व में भीलवाड़ा किंग्स और गौतम गंभीर के नेतृत्व में गत चैंपियन इंडिया कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा. छह टीमें; इंडिया कैपिटल्स, मणिपाल टाइगर्स, गुजरात जायंट्स, अर्बनराइजर्स हैदराबाद, सदर्न सुपरस्टार्स, भीलवाड़ा किंग्स इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए लड़ेंगे, जिसका अनावरण इस टूर के दौरान किया जाएगा.

एनआईआईएमएच ने 'वॉक फॉर आयुर्वेद' का आयोजन किया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुष मंत्रालय की 8 वें आयुर्वेद दिवस गतिविधियों के तहत मंगलवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद द्वारा 'वॉक फॉर आयुर्वेद' अभियान का आयोजन किया गया। अभियान ने इस वर्ष के आयुर्वेद दिवस समारोह की थीम-'एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद', टैगलाइन 'हर दिन सभी के लिए आयुर्वेद' पर प्रकाश डाला। वॉक का उद्घाटन एन.आई.आई.एम.एच के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी प्रसाद ने संस्थान परिसर से किया। कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों और रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डीअन्नारम के वरिष्ठ नागरिकों, गृहिणियों और बच्चों सहित लगभग सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आयुर्वेद पर नारे और पोस्टर प्रतिभागियों द्वारा लिए गए थे, जिन्होंने जनता के बीच आयुर्वेद के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए उत्साहपूर्वक नारे लगाए। सभी को सुबह 9 बजे संस्थान में 'आयुर्वेदिक उपाहार' के बाद आयुर्वेद दिवस के प्रतीक वाली टोपियां प्रदान की गईं। यह आयोजन कॉलोनी के निवासियों को एक साथ लाने और उन्हें आयुर्वेद के लाभों के बारे में जागरूक करने में प्रभावी था।

CHANGE OF NAME

I, Service Army No. 15169824P, Rank: HAV. Name: **MALLA SRINIVASA RAO,** S/o LAKSHMANA RAO, residing of Door No. 4-14, Bayyannapeta Village, Laveru Mandal, Srikakulam District -532403, Andhra Pradesh. In my Service records my Daughter Name was wrongly mentioned as **MALLA SAI KEERTHI** instead of **MALLA RISHITHA** (Correct Name) vide affidavit dated 06/11/2023 sworn before notary, Srikakulam.

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी
9810940158

भारत की महिला हॉकी टीम ने जो किया पीएम मोदी ने उसे किया सलाम

कहा- 'नारी शक्ति' एक बार फिर छाई

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की महिला हॉकी टीम ने कमाल किया है. उन्होंने 6 टीमों के दंगल में मैदान मारकर खुद को एशिया का चैंपियन साबित किया है. भारतीय हॉकी के महिलाओं की इस उपलब्धि पर PM मोदी भी खुश हुए. उन्होंने उनका जोश बढ़ाते हुए उन्हें बधाई भी दी.

भारत की 'नारी शक्ति' एक बार फिर छाई. ये शब्द हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के, जो कि उन्होंने तब कहे जब देश की महिला हॉकी टीम ने 6 एशियाई टीमों के दंगल में अपना लोहा मनवाया. तिरंगे का मान रखा और भारत की शान बढ़ा दी. भारतीय महिला टीम ने हॉकी की टर्फ पर जो धमाका किया, उसकी गूंज PM मोदी के कानों में भी वैसे ही पड़ी, जैसे हर भारतवासी ने सुनी. अब ऐसे में उनके किए कारनामे को सलाम करना तो बनता ही था, वही प्रधानमंत्री ने भी किया.

आईए अब पहले थोड़ा आपको ये बता दें कि भारतीय महिला हॉकी टीम ने आखिर ऐसा किया क्या है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनको सलाम करने, उन्हें बधाई देने से खुद को रोक नहीं सके. तो इसका सीधा ताल्लुक है एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जिसका कि आयोजन झारखंड की राजधानी रांची में बीते दिनों हुआ.

हॉकी की 6 टीमों के बीच भारतीय महिलाओं ने गाड़े झंडे

महिला हॉकी के इस बड़े टूर्नामेंट में भारत के अलावा, चीन, जापान, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड की टीमें मैदान में थी. मतलब देखा जाए एशिया की कोई भी ऐसी दबंग टीम नहीं थी, जो यहां नहीं खेल रही थी. लेकिन, भारतीय महिलाओं ने एक-एक कर सबको रौंदा और खिताब पर कब्जा जमाया. फाइनल में भारत का मुकाबला जापान से हुआ था, जिसने उसने 0 के मुकाबले 4 गोल से हरा दिया. इस जीत के साथ खिताब तो हाथ आया ही, साथ ही ये भी साबित हो गया कि महिला हॉकी में भारत अब एशिया का चैंपियन है.

पीएम मोदी ने भारतीय महिला हॉकी टीम को दी बधाई

भारतीय महिलाओं के इसी दमखम को देख और सुन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावित हुए. उन्होंने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी और बधाई संदेश में पहली बात ही यही लिखी की भारत की नारी शक्ति एक बार फिर से छाई है. इसके आगे पीएम मोदी ने पूरी महिला टीम को एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 की ट्रॉफी जीतने की बधाई दी.

उन्होंने खिलाड़ियों की स्किल्स, उनके जोश और इच्छा शक्ति की जमकर सराहना की. साथ ही ये भी कहा कि वो जैसा खेले, उस पर उन्हें गर्व है. ऐसे ही इंटरनेशनल लेवल पर भारत का मान बढ़ाते रहें.

तीरंदाज दीपिका का कमाल, राष्ट्रीय खेलों में दो स्वर्ण सहित तीन पदक जीते

पणजी, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी ने यहां राष्ट्रीय खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता जबकि एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहीं दीपिका ने महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के बाद मृणाल चौहान के साथ मिलकर मिश्रित टीम वर्ग का शीर्ष स्थान हासिल किया। फिर उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में झारखंड को रजत पदक दिलाया जिसमें उन्हें हरियाणा से शूटआउट में हार मिली।

तालिका में शीर्ष पर चल रही महाराष्ट्र, तीसरे स्थान की हरियाणा और असम ने रिकर्व स्पर्धा में अन्य स्वर्ण पदक जीते। महाराष्ट्र 68 स्वर्ण पदक लेकर तालिका में शीर्ष पर चल रहा है जबकि सेना (54) और हरियाणा (50) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर है। निशानेबाजी में तोमर ने सेना के नीरज कुमार को हराकर स्वर्ण पदक जीता। सेना के चैन सिंह ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में विजयवीर सिद्धू ने पंजाब के लिए स्वर्ण पदक जीता जबकि हरियाणा के अनीश भानवाला और आदर्श सिंह ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। जूडो में दिल्ली ने आठ में से तीन स्वर्ण पदक जीते।

बेटियों का एशियाई रग्बी सेवंस ट्रॉफी में तीसरा रजत

भारतीय पुरुष टीम कतर को हराकर पांचवें स्थान पर रही

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रग्बी फुटबाल यूनियन के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, एशियाई रग्बी सेवंस ट्रॉफी में लगातार तीन रजत पदक जीतना महिला टीम के लिए शानदार प्रदर्शन को दिखाता है। टीम ने पिछले कुछ वर्षों से अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है।

देश की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई रग्बी सेवंस ट्रॉफी में लगातार तीसरा रजत पदक जीत लिया। भारतीय टीम टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में यूएई से हार गई। वहीं, भारतीय पुरुष टीम इस टूर्नामेंट में पांचवें और छठे स्थान के मुकाबले में कतर को हराकर पांचवें स्थान पर रही। पुरुष टीम को पिछले साल नौवां स्थान हासिल हुआ था।

भारतीय रग्बी फुटबाल यूनियन के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, एशियाई रग्बी सेवंस ट्रॉफी में लगातार तीन रजत पदक जीतना महिला टीम के लिए शानदार प्रदर्शन को दिखाता है। टीम ने पिछले कुछ वर्षों से अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है। हमारी पुरुष टीम को पांचवां स्थान हासिल हुआ और पुरुष टीम के प्रदर्शन में सुधार भी हुआ। कप्तान वाहबिज भरूचा की अगुवाई में भारतीय महिला टीम ने फाइनल में शानदार कौशल दिखाया थ, लेकिन यूएई ने कुल 19 अंक अर्जित करते हुए जीत दर्ज की।

भारतीय टीम ने फाइनल में पहुंचने से पहले सेमीफाइनल में ईरान को 34-0 से शिकस्त दी थी। ईरान के अलावा महिला टीम ने गुवाम को 14-7 और मंगोलिया को 36-0 से पराजित किया था। वहीं, कप्तान प्रिंस खत्री की भारतीय पुरुष टीम ने टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की थी और इराक को 47-0 से रौंदा था।

भारतीय महिला रग्बी सेवन टीम की कप्तान वाहबिज भरूचा ने कहा, "फिर से रजत जीतना विशेष है, लेकिन टीम उस काम को जारी रखने के लिए उत्सुक है जो प्रत्येक खिलाड़ी इस पदक के रंग को स्वर्ण में बदलने के लिए कर रहा है। इतने बड़े मंच पर टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। यह टीम के लिए साल का सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था।"

भारत महिला हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर में जर्मनी के साथ

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय चरण के ओलंपिक क्वालिफायर में छठे नंबर पर भारत दूसरी सर्वश्रेष्ठ टीम है जिसमें अन्य टीम न्यूजीलैंड (नौवें स्थान), जापान (11वें), चिली (14वें), अमेरिका (15वें), इटली (19वें) और चेक गणराज्य (25वें) हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम को 13 से 19 जनवरी तक रांची में होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर में दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के साथ रखा गया है जिससे उसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। भारतीय चरण के ओलंपिक क्वालिफायर में छठे नंबर पर भारत दूसरी सर्वश्रेष्ठ टीम है जिसमें अन्य टीम न्यूजीलैंड (नौवें स्थान), जापान (11वें), चिली (14वें), अमेरिका (15वें), इटली (19वें) और चेक गणराज्य (25वें) हैं। स्पेन के वालेंसिया में ओलंपिक स्थान के लिए भिड़ने वाली अन्य टीम बेल्जियम, ब्रिटेन, स्पेन, कोरिया, आयरलैंड, कनाडा, मलयेशिया और यूक्रेन हैं।

पंजाब के सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी जीतने के बाद मंदीप सिंह की पत्नी क्यों रो पड़ीं?

मोहली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब ने बड़ौदा को हराते हुए सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी पर कब्जा जमाया. पंजाब की टीम की इस उपलब्धि के बाद काफी सारे इमोशनल लम्हें देखने को मिले, जिसमें सभी की निगाहें मंदीप सिंह की पत्नी पर जाकर अटक गईं. मंदीप सिंह ने एसएमएटी फाइनल में पंजाब की कप्तानी की थी.

भारत में क्रिकेट का वर्ल्ड कप तो चल ही रहा है. इसकी खुमारी भी अभी छाई है. लेकिन, इसी बीच एक बड़े घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली T20 ट्रॉफी में इतिहास रचा गया है. ये इतिहास पंजाब की टीम ने रचा है. उसके कप्तान मंदीप सिंह ने रचा है. इस इतिहास के रचे जाने का असर भी दिखा, जिसने उस पल को इमोशनल कर दिया. पंजाब के कप्तान मंदीप सिंह की पत्नी रो पड़ीं. इसकी वजह क्या हो सकती है वो पता करें, उससे पहले जरा खिताबी मुकाबले का पूरा हाल जान लीजिए. सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला पंजाब और बड़ौदा के बीच हुआ था. बड़ौदा यानी वो टीम जिसने सेमीफाइनल में इनफॉर्म बल्लेबाज और कप्तान रियान पराग की टीम असम को हराया था. लेकिन, फाइनल में भी पंजाब को क्रुणाल पंड्या की अगुवाई वाली बड़ौदा की टीम टक्कर तो खूब दी, पर अंत में उन्हें 20 रन से हार का सामना करना पड़ा.

अनमोल के शतक के दम पर पंजाब ने बनाए 223 रन

मुकाबले में मंदीप सिंह की टीम पंजाब ने पहले बल्लेबाजी की. शुरुआत बेहद खराब रही, सिर्फ 18 रन पर 2 विकेट गिर गए. लेकिन, उसके बाद अनमोलप्रीत सिंह ने रंग जमा दिया. तीसरे विकेट के लिए उनके और कप्तान मंदीप सिंह के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई. 32 रन बनाकर मंदीप आउट हो गए. लेकिन, अनमोलप्रीत का विस्फोटक अंदाज रुका नहीं. नतीजा ये हुआ कि उन्होंने सिर्फ 61 गेंदों में ही 110 रन जड़ दिए, जिसमें 6 छक्के और 10 चौके शामिल रहे. अनमोल के इस शतक के दम पर पंजाब ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन का स्कोर खड़ा किया.

बड़ौदा की टीम जीत से 20 रन रही दूर

अब बड़ौदा के सामने 224 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करते हुए वो 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 203 रन ही बना सके. और इस तरह से 20 रन से मुकाबला हार गए. बड़ौदा की हार के साथ ही पंजाब का खिताब पर कब्जा हो गया.

पंजाब का कमाल पति की कप्तानी में देख रोई पत्नी

ये पल ऐतिहासिक था क्योंकि पंजाब की टीम ने पहली बार सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी का खिताब जीता था. मंदीप सिंह पंजाब को ये उपलब्धि दिलाने वाले पहले कप्तान बन चुके थे. और, यही सब देखकर स्टेडियम में बैठी उनकी पत्नी भी भावुक हो गई. उनके आंखों से आंसू निकलने लगे थे. शायद इसलिए क्योंकि ये पल उनके पति की जिंदगी के लिए खास था.

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी जीतने पर पंजाब को प्राइज मनी के तौर पर 80 लाख रुपये मिले. जबकि, रनरअप टीम बड़ौदा को 40 लाख रुपये मिले.

वर्ल्ड कप के बीच ऑलराउंडर की खुली किस्मत, 2 साल बाद हुई टीम में वापसी

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश दौरे के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। करीब दो साल बाद आगामी दौरे के लिए मिचेल सेंटनर की टीम में वापसी हुई है।

बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने वाले टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की घोषणा हो गई है। करीब दो साल बाद बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर की टेस्ट जर्सी में वापसी हुई है। आगामी दौरे के लिए कीवी टीम में स्पिनरों की भरमार देखी जा रही है। सेंटनर के अलावा एजाज पटेल, ईश सोढ़ी और जबर्दस्त लय में नजर आ रहे रचिन रवींद्र एवं ग्लेन फिलिप्स को भी टीम में शामिल किया गया है।

सेंटनर ने बांग्लादेश दौरे से पहले कीवी टीम के लिए अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला जून 2021 में इंग्लैंड खिलाफ लॉर्ड्स में खेला था। सेंटनर ने 40 टेस्ट पारियों में 45.63 की औसत से 41 विकेट चटकाए हैं। वहीं बोर्ड ने रवींद्र (523 रन) के मौजूदा फॉर्म को देखते हुए आगामी दौरे के लिए टीम में शामिल किया है। जारी वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में वह अपनी टीम के लिए खबर लिखे जाने तक सर्वोच्च स्कोरर हैं।

शाकिब पर बुरी तरह भड़के एंजेलो मैथ्यूज

मैच के बाद खुलेआम सुनाई खरी-खोटी, कही गजब बातें

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने टीम की जीत के बाद भी साफ किया कि उन्हें अपने फैसले पर खेद नहीं है और उन्होंने जो किया वो क्रिकेट के कानून के मुताबिक किया. शाकिब ने साफ कहा कि उन्होंने अपनी टीम की जीत के लिए ये चांस लिया और टीम की जीत के लिए वो कुछ भी करेंगे.

वर्ल्ड कप 2023 में अब तक खेले गए पिछले 37 मैचों में से शायद ही किसी मुकाबले के खत्म होने का इतना ज्यादा इंतजार रहा होगा, जितना बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच नई दिल्ली में खेले गए 38वें मैच को लेकर था. बांग्लादेश के खिलाफ 'टाइम आउट' दिए गए श्रीलंकाई दिग्गज मैथ्यूज ने मैच के दौरान तो ज्यादा गुस्सा नहीं दिखाया लेकिन मैच खत्म होने के बाद उन्होंने अपने गुस्से पर लगाम भी नहीं रखी. पूर्व श्रीलंकाई कप्तान ने बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन की हरकत को शर्मनाक बताते हुए भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जमकर खरी-खोटी सुनाई.

खेले गए इस मैच में वो तस्वीर देखने को मिली, जो इंटरनेशनल क्रिकेट के 146 साल में कभी नहीं दिखी थी. इसका शिकार श्रीलंका के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज हुए. श्रीलंकाई पारी के 25वें ओवर में एंजेलो मैथ्यूज को 2 मिनट के तय समय के अंदर खेलने के लिए तैयार नहीं होने के कारण टाइम आउट करार दिया गया. इंटरनेशनल क्रिकेट में इस तरह से आउट होने वाले वो पहले क्रिकेटर बने. इसके बाद से ही ये बवाल का मुद्दा बन गया.

'शर्मनाक...बहुत नीचे गिरे शाकिब...'

बांग्लादेश ने अपनी दमदार बल्लेबाजी से ये मैच जीत लिया. जीत के स्टार खुद कप्तान शाकिब थे, जिन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने जो किया वो नियम के दायरे में था और जीत के लिए वो कोई भी चांस लेने के लिए तैयार हैं. इसके बाद सबकी नजरें श्रीलंका की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर थीं और श्रीलंकाई टीम ने भी मैथ्यूज को ही इस जिम्मेदारी के लिए भेजा. एक बार मुद्दा उठने की देर थी और फिर मैथ्यूज ने शाकिब और बांग्लादेशी टीम के खिलाफ अपना जुबानी हमला शुरू कर दिया.

मैथ्यूज ने बांग्लादेशी कप्तान को लपेटते हुए कहा कि इस मैच से पहले तक उनके मन में हमेशा से शाकिब के लिए बहुत इज्जत थी लेकिन यहां से वो पूरी तरह खत्म हो गई. उन्होंने आगे कहा कि शाकिब और उनकी टीम ने जो किया वो बेहद शर्मनाक था और अगर कोई टीम विकेट लेने के लिए इस स्तर पर गिरने को तैयार है तो (खेल में) कुछ बेहद गलत है. मैथ्यूज ने ये भी कहा कि अगर मांकडिंग (नॉन स्ट्राइक पर रन आउट) या खेल में बाधा पहुंचाने पर आउट होते तो समझ आता लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया था.

'सम्मान करोगे तो सम्मान मिलेगा'

इतना ही नहीं, मैथ्यूज ने दावा किया कि उनके 2 मिनट पूरे नहीं हुए थे और जब हेल्मेट का स्ट्रैप टूटा तो उस वक्त भी 5 सेकेंड का वक्त बचा था. उन्होंने कहा कि अंपायरों ने भी ये सब देखा लेकिन फिर बताया कि बांग्लादेश ने अपील कर दी. मैथ्यूज ने कहा कि मेरे दो मिनट पूरे नहीं हुए थे तो इस तरह के फैसले में कॉमनसेंस कहां है.

केएल राहुल बढ़ा रहे टीम इंडिया की टेंशन

वर्ल्ड कप के बीच ऐसा क्या हो गया?

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने अपने पहले ही मैच में मुश्किल हालात से उबरते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया था. उस मैच में विराट कोहली और केएल राहुल ने मिलकर एक बेहतरीन साझेदारी की थी. कोहली ने उस मैच के बाद भी रन बनाने का सिलसिला जारी रखा है लेकिन राहुल के रन और रन बनाने के तरीके में धीरे-धीरे गिरावट आई है.

केएल राहुल ने टूर्नामेंट की शुरुआत अच्छे अंदाज में की थी लेकिन फिलहाल उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं. भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप 2023 में जिस अंदाज में शुरुआत की थी, उसी अंदाज में अपने सफर को सेमीफाइनल तक पहुंचा दिया है. लगातार 8 मैचों में जीत के साथ टीम इंडिया पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है और सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है. कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में टीम इंडिया ने अपने आठवें मैच में साउथ अफ्रीका को 243 रनों के बड़े अंतर से हराया. ऐसे बेहतरीन सफर के बीच टीम इंडिया के लिए केएल राहुल थोड़ा टेंशन साबित हो रहे हैं. सवाल ये है कि लगातार दमदार प्रदर्शन के बीच अचानक ये स्थिति क्यों आ गई? इस वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने अपने पहले ही मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराया था. उस मुकाबले में सिर्फ 2 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद विराट कोहली और केएल राहुल ने पारी को संभाला था और जीत तक पहुंचाया था. राहुल उस मैच के स्टार रहे थे और 97 रन बनाकर नाबाद लौटे थे. कोहली ने 85 रन बनाए थे. चेन्नई के उस मुकाबले के बाद से ही कोहली के बल्ले से लगातार रन निकल रहे हैं लेकिन राहुल के बल्ले से रन सूखते चले गए हैं.

ईडन गार्डन्स में जब टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए स्थिर स्थिति में थी और उसे रनों की रफ्तार बढ़ाने की जरूरत थी, केएल राहुल क्रीज पर आए. उनके साथ विराट कोहली क्रीज पर थे, जो पहले से ही रनों के लिए संघर्ष कर रहे थे. राहुल से बड़ी उम्मीद थी. टूर्नामेंट की शुरुआत से ही जिस तरह की फॉर्म राहुल की दिख रही थी, उसके चलते ये उम्मीदें और ज्यादा थीं लेकिन ऐसा नहीं हुआ. न सिर्फ राहुल इसमें नाकाम रहे, बल्कि 17 गेंदों में सिर्फ 8 रन बना सके. जाहिर तौर पर इसका कुछ नुकसान टीम इंडिया को नहीं हुआ लेकिन राहुल का ऐसा हाल थोड़ा परेशान करने वाला है, खास तौर पर टूर्नामेंट के अंतिम हिस्से में. राहुल की शुरुआत टूर्नामेंट में ऐसी नहीं थी. पहले मैच में 97 रन बनाने के बाद उन्होंने इस फॉर्म को आगे भी जारी रखा. हालांकि अगले मैचों में उनके लिए ज्यादा कुछ करने को था नहीं. अफगानिस्तान के खिलाफ बैटिंग नहीं आई, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 19 और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रन बनाए. यहां तक राहुल एक बार भी आउट नहीं हुए थे लेकिन न्यूजीलैंड के मैच से उनकी बैटिंग में गिरावट आती दिख रही है.

सुनील गावस्कर के बयान से बड़ा विवाद

एक कंपनी पर लगाया भारतीय झंडे का गलत इस्तेमाल करने का आरोप

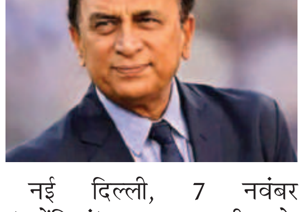

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर भारत के एक तिरंगे को देखकर भड़क उठे। पढें क्या है पूरा मामला

भारत ने साउथ अफ्रीका को एकतरफा मुकाबला हरा दिया है। इस जीत के साथ ही भारत के प्वाइंट्स टेबल के टॉप पर रहना सुनिश्चित हो गया है। इस मैच में भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शानदार शतकीय पारी खेली है, इसके अलावा श्रेयस अय्यर ने भी अर्धशतकीय पारी खेली है। इस मैच के दौरान भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर भारत के एक कंपनी पर इंडियन फ्लैग का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.